फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 66 प्रभात जयपुर, मंगलवार 6 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Sense In To Let Go... Twice in his life, Shree Krishna chose to let go, once the comforts of Vrindavan, of Radha, of the Yamuna for a higher cause. And the result of that letting go was the Bhagwat Geeta

In Praise Of Babylon

History or Folklore The Dark Myth Behind "Jack and Jill"

ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी के लिए डीटेल्ड प्रोग्राम तय किया कांग्रेस ने

कांग्रेस ने पार्टी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों व प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए 10 अक्टूबर से 26 नवम्बर तक की कार्य योजना तैयार की है

- **10 से 20 अक्टूबर को ब्लॉक स्तर पर मार्च किया जाएगा, जो एसडीएम ऑफिस पर समाप्त होगा।**
- **25 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक हरेक गाँव में ग्राम चौपाल आयोजित कर वोट चोरी की जानकारी दी जाएगी।**
- **पार्टी ने वोट रक्षक भी बनाए हैं, जो अनुचित तरीके से डिलीट मतदाताओं की पहचान कर उन्हें दोबारा लिस्ट में जुड़वाने में मदद करेंगे।**
- **एक नवम्बर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान पर महारैली आयोजित की जाएगी।**
- **25 से 26 नवम्बर को कांग्रेस दिल्ली चलो वाहन रैली का आयोजन करेगी, जो संविधान दिवस (26 नवम्बर) को दिल्ली में समाप्त होगी।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। चीफ इलैक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को निशाना बनाते हुए, विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसद संसद भवन से चुनाव आयोग तक बड़ा मार्च निकालेंगे। इसका उद्देश्य चुनाव आयोग से ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के लिए दबाव डालना है।

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की मार्च में मौजूदगी को लेकर पहले स्थिति स्पष्ट नहीं थी, लेकिन उन्होंने भी अब पुष्टि कर दी है कि वे अपने सांसदों के साथ मार्च में शामिल होंगे।

आम आदमी पार्टी को इस मार्च के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है, क्योंकि विपक्षी दल उसे इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं मानते हैं।

द्रमुक को आमंत्रित किया गया है, लेकिन उसने अभी तक अपनी मौजूदगी की पुष्टि नहीं की है।

द्रमुक कांग्रेस से अब भी नाराज है। उसका आरोप है कि कांग्रेस ने उसे छोड़कर एक्टर मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके के साथ हाथ मिला लिया है। लेकिन द्रमुक ने पुष्टि की है कि वह इंडिया गठबंधन का हिस्सा है।

कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर अपनी रणनीति तैयार करने के लिए महासचिवों, राज्य प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक की।

प्रधानमंत्री पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का दबाव बढ़ता जा रहा है, क्योंकि वे लगातार सरकार के लिए राजनीतिक बोझ बनते जा रहे हैं। जब तक वे सीईसी के पद पर बने रहेंगे, तब तक प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर भी दबाव बना रहेगा। विपक्ष इन दोनों को 'वोट चोरी' का मुख्य सूत्रधार बताता रहा है।

बैठक के बाद, कांग्रेस ने सीईसी पर इस्तीफा देने के लिए दबाव बनाने और उन्हें घेरने के लिए अगले चरण के कार्यक्रमों की घोषणा की।

कांग्रेस ने कहा, हालिया खुलासों के बाद हमने इस मुद्दे पर पूरे भारत में राज्य और जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए हैं। अगले चरण के अन्तर्गत, अगले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

त्योहारी सीज़न से पहले इंडिगो ने टिकट के पैसे बढ़ाये

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। त्योहारी सीजन और आगामी छुट्टियों के सफर से ठीक पहले देश में हवाई यात्रा करना और महंगा हो गया है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने छह अक्टूबर से अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल चार्ज

- **गत 6 माह में इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज के नाम पर तीसरी बार दाम बढ़ाये हैं।**

(ईंधन शुल्क) में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है।

एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में 1300 रु. तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में 10,000 रु. तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12:01 बजे से लागू होंगी।

इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था।

एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।

विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव को इस फैसले का मुख्य कारण बताया जा रहा है।

पंजाब के मु.मंत्री के ओएसडी की जाँच सीबीआई करेगी

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राजबीर घुम्मन पर लगे भ्रष्टाचार के मामले की जाँच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया

- **ईडी ने किसी नितिन गोहल से पूछताछ के आधार पर ओएसडी घुम्मन के खिलाफ मामला तैयार किया था। ईडी का आरोप है कि नितिन असल में ओएसडी घुम्मन का दलाल है।**
- **हाई कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब के विपक्षी दलों ने आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और संभावना है कि विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा जोर पकड़ेगा।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) राजबीर सिंह घुम्मन और अन्य लोगों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच सीबीआई को सौंप दी है।

यह मामला जमीन के इस्तेमाल की मंजूरी और सरकारी कामकाज में कथित गड़बड़ी की ईडी की जांच से जुड़ा है।

जांच के दौरान, केन्द्रीय जांच एजेंसी ने निजी व्यक्ति नितिन गोहल से पूछताछ की। एजेंसी का आरोप है कि वह सरकारी मदद या फायदा लेने वाले लोगों और घुम्मन के बीच बिचौलिए का काम करता था।

वित्तीय अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी ने आरोप लगाया है कि इस नेटवर्क के जरिए अधिकारियों के तबादलों और पोस्टिंग पर प्रभाव डाला जाता था। इसके अलावा, गोपनीय सरकारी दस्तावेजों तक पहुंच, हथियारों के लाइसेंस और सरकारी मंजूरियां दिलाने में भी मदद की जाती थी।

इस मामले के बाद पंजाब में एक बार फिर राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है। विपक्षी नेताओं ने भगवंत मान सरकार पर भ्रष्टाचार खत्म करने के अपने वादे को पूरा न करने का आरोप लगाया है।

विपक्ष का यह हमला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पंजाब में आप पार्टी के राजनीतिक अभियान में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा रहा था। मान सरकार ने खुद को पुरानी राजनीतिक व्यवस्था के विकल्प के रूप में पेश किया था और बार-बार भ्रष्टाचार के खिलाफ बार-बार कड़ी कार्रवाई का वादा किया था।

कांग्रेस, भाजपा और एसएडी के नेता अलग-अलग तरीके से सरकार को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह मुद्दा एक और बड़ा राजनीतिक विवाद बन सकता है।

हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई जांच शुरू होने पर आप के महासचिव बलतेज पन्नू ने कहा:

"केन्द्र सरकार नहीं चाहती कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संशोधित फॉर्म 6 को मंजूरी नहीं दी सुप्रीम कोर्ट ने

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, कोर्ट फॉर्म 6 के मामले में विचार करेगा, पर एक बात तय है कि कोर्ट द्वारा इसे मंजूरी नहीं दी गई है

- **सीजेआई ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई करते हुए की, जिसमें यह मांग की गई थी कि क्या चुनाव आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल अकेले ज्ञानेश कुमार कर रहे हैं, इसकी जाँच की जाए।**
- **ज्ञातव्य है कि फॉर्म 6 चुनाव आयोग द्वारा नए मतदाताओं को जारी किया जाता है और नए वोटर को रजिस्ट्रेशन के लिए इस फॉर्म की जरूरत होती है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि वह इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) द्वारा जारी फॉर्म -6 से जुड़े मामले पर गौर करेगा, जिसकी जरुरत नए मतदाता के रूप में नाम रजिस्टर कराने के लिए होती है। कोर्ट ने साफ कहा कि "बदले हुए" फॉर्म -6 को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया/सीजेआई) सूर्यकांत ने यह बात एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। इस याचिका में यह जांच करने की मांग की गई थी कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने अकेले ही उन शक्तियों का इस्तेमाल किया, जो संविधान के तहत पूरी मल्टी मैंबर चुनाव संस्था के लिये तय हैं, जिसमें दो चुनाव आयुक्त भी शामिल हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक फॉर्म -6 के मामले में कोई फैसला नहीं किया है। कोर्ट इस मुद्दे पर विस्तार से तभी विचार करेगा, जब इससे जुड़े रिकॉर्ड उसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कूनो में केजेपी -21 ने 5 शावकों को जन्म दिया

भोपाल, 05 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिला स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में केन्द्र सरकार की "चीता परियोजना" में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। भारतीय धरती पर जन्मी 32 माह की

- **भारत में चीतों की संख्या 60 हुई, जिनमें से 41 भारत में जन्मे हैं।**

मादा चीता केजेपी-21 ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही, भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़ कर 60 हो गई है, जिसमें 41 भारतीय धरती पर जन्मे चीते शामिल हैं।

यह जानकारी सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा की है। उन्होंने मादा चीता के शावकों का एक वीडियो और फोटो भी शेयर किया है, साथ ही इसे प्रोजेक्ट चीता के लिए एक और गर्व का पल बताया है।

राज्यसभा चुनावः यूपी में हरदीप पुरी सहित 7 नेताओं के टिकट कटे

उत्तर प्रदेश की दस राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने जा रहा है, तथा 16 अक्टूबर को मतदान होगा

- **भाजपा ने इन दस सीटों पर आठ नए प्रत्याशियों को टिकट दिया है, जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जातीय समीकरणों का ध्यान रखा गया है। इनमें तीन प्रत्याशी सवर्ण हैं, तीन ओबीसी व दो महिलाएं हैं।**
- **बहुचर्चित केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी और वरिष्ठ नेता नीरज शेखर सहित 6 अन्य वरिष्ठ नेताओं को टिकट नहीं दिया गया।**
- **जिन दो महिलाओं को टिकट दिया गया है, उनमें एक श्रुति गंगवार, झारखंड के गवर्नर संतोष गंगवार की पुत्री हैं और दूसरी प्रियंका सिंह रावत ने 2014 में बाराबंकी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी एल पुनिया को हराया था।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। भाजपा ने सोमवार को सबको चौंकाते हुए, उत्तर प्रदेश से अपने राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट में हरदीप सिंह पुरी और बी.एल. वर्मा को शामिल नहीं किया। पार्टी ने 8 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं और अपने मौजूदा राज्यसभा सांसदों में से किसी को भी दोबारा टिकट नहीं दिया है।

पार्टी ने 16 अक्टूबर को होने वाले चुनाव के लिए धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडे, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया है।

पुरी और वर्मा के अलावा, अरुण सिंह, सीमा द्विवेदी, नीरज शेखर, बृज लाल और गीता शाक्य का नाम भी सूची में नहीं है। दिनेश शर्मा, जो पहले उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं, अब अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल हैं।

उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा। उम्मीद है कि भाजपा 8 सीटें जीतेगी, जबकि बाकी सीटें समाजवादी पार्टी को मिलने की संभावना है।

इस सूची में 3 ओबीसी उम्मीदवार, 2 अनुसूचित जाति के उम्मीदवार और 3 सामान्य वर्ग के उम्मीदवार हैं। इनमें 2 महिलाएं भी हैं।

ओबीसी उम्मीदवारों में लोधी, पाल और कुर्मी समुदायों का प्रतिनिधित्व है। वहीं, सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों में 2 ब्राह्मण और 1 राजपूत हैं।

दो महिला उम्मीदवारों में बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार शामिल हैं। रावत ने 2014 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीएल पूनिया को हराकर बाराबंकी लोकसभा सीट जीती थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी उपचुनाव में मतदान आज

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। देश के तीन राज्यों और एक केन्द्रशासित प्रदेश की पांच विधानसभा सीटों तथा एक लोकसभा सीट पर मंगलवार, 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मदुरांतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की

- **पांच विधानसभा व एक लोकसभा सीट पर मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।**

थट्टनचावडी विधानसभा सीट तथा असम की नगांव लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।

इन छह सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके), अखिल भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चार न्यायाधीशों को जोधपुर हाईकोर्ट भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करें'

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल को पत्र लिखा

- **एसोसिएशन ने कहा कि, जयपुर हाईकोर्ट में पूर्व में 22 जज बैठते थे, लेकिन इस आदेश के लागू होने के बाद सिर्फ 19 जज ही बचे हैं, जबकि यहां पर 3.90 लाख से ज्यादा केस लंबित चल रहे हैं।**
- **वहीं जोधपुर में पूर्व में 15 जज बैठते थे लेकिन अब इनकी संख्या बढ़कर 18 हो गई है (मुख्य न्यायाधीश दोनों अदालतों में महीने में दो हफ्ते बैठते हैं), जबकि यहां पर 2.90 लाख मामले ही लंबित चल रहे हैं।**

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय के अग्रवाल को संबोधित करते हुए पत्र लिखा है और आग्रह किया है कि उनके द्वारा जारी किए गए दो आदेश, जिनके तहत जस्टिस आशुतोष कुमार, जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली, जस्टिस मनीष शर्मा और जस्टिस विपिन गुप्ता को जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में भेजा गया है, उस आदेश पर पुनः विचार किया जाए। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से गुहार की गई है कि जयपुर स्थित हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सूची को देखा जाए तो ये जाहिर हो जायेगा कि यहां पर मामलों की सुनवाई और निस्तारण के लिए जजों की आवश्यकता ज्यादा है और इस तथ्य को मद्देनज़र रखते हुए, मुख्य न्यायाधीश अपने विवेक के अनुसार, जजों के ट्रांसफर के आदेश को निलंबित रख सकते हैं या अपने आदेश को पूरी तरह वापस ले सकते हैं। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से पत्र में यह भी कहा गया है कि उन्हें मुख्य न्यायाधीश के विवेक और निष्पक्षता पर पूरा भरोसा है और अगर चीफ जस्टिस चाहें तो एसोसिएशन द्वारा गठित एक प्रतिनिधित्व मंडल उनके समक्ष इस मुद्दे पर "बार" द्वारा प्रस्तुत कुछ सुझाव भी पेश कर सकता है।

बार एसोसिएशन द्वारा 5 अक्टूबर को लिखी गई यह चिट्ठी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष राजीव सुगरवाल और महासचिव दीपेश शर्मा द्वारा हस्ताक्षरित है। इस चिट्ठी में लिखा है कि जजों का तबादला करना चीफ जस्टिस के प्रशासनिक शक्तियों के अधीन है और यह उनका अधिकार भी है। इस पत्र में यह भी उद्धृत है कि चीफ जस्टिस ने अपने अधिकार के तहत ही 3 अक्टूबर को यह आदेश जारी किया था कि जस्टिस आशुतोष कुमार और जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली 5 अक्टूबर से आगामी आदेशों तक जोधपुर स्थित हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में कार्यरत रहेंगे। पत्र में यह भी जानकारी दी गई थी कि चीफ जस्टिस ने उसी दिन एक अन्य आदेश जारी किया था, जिसके तहत जस्टिस मनीष शर्मा और विपिन गुप्ता को 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक जोधपुर कार्य करने के लिए भेजा गया है।

बार एसोसिएशन द्वारा इन्ही आदेशों के संबंध में पत्र में कुछ ऐसे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं, जिनसे चीफ जस्टिस जोधपुर और जयपुर स्थित हाईकोर्ट की अदालतों में लंबित चल रहे मामलों को देखते हुए जजो की संख्या अनुपातिक रखें।

पत्र में लिखा है कि चीफ जस्टिस के नए आदेशों को लागू करने से पहले जयपुर में 22 जज बैठते थे, वहीं जोधपुर में 15 जज। इन आदेशों को लागू करने के बाद अब जयपुर में 19 जज बैठेंगे और जोधपुर में 18 जज बैठेंगे। पत्र में कहा गया है कि अगर 30 सितम्बर 2026 तक अदालतों में लंबित मामलों के आंकड़े देखे जाएं तो जयपुर में करीब 3,90,423 मामले लंबित हैं, वहीं जोधपुर में यह आंकड़ा गिरकर 2,92,523 ही है। बार एसोसिएशन का कहना है कि लंबित मामलों की श्रेणी में जयपुर का पलड़ा भारी है और 57 प्रतिशत मामले जयपुर में लंबित हैं। पत्र में स्पष्ट लिखा गया है कि जयपुर में जोधपुर के मुकाबले 98000 अधिक मामले लंबित हैं, इसलिए स्पष्ट है कि जयपुर में कार्यभार को देखते हुए अधिक जजों की जरूरत है। एसोसिएशन का कहना है कि यहां जजों की संख्या कम की गई तो लंबित मामलों की संख्या और बढ़ेगी, मामलों का निष्तारण कम होगा और खण्डपीठों का कार्य बढ़ेगा और साथ ही, न्याय मांगने आये याचिकाकर्ताओं का इंसाफ के लिए इंतज़ार भी बढ़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट में तीन जज नियुक्त

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय के लिए तीन जजों की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान कर दी है। सोमवार को जारी नोटिफिकेशन में तीन जजों की नियुक्ति की गई है।

राष्ट्रपति ने गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य

- **राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद नोटिफिकेशन जारी।**

न्यायाधीश डीके उपाध्याय और तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह को उच्चतम न्यायालय के जज के रूप में नियुक्त किया है। इससे पहले 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट कॉलीजियम ने इन जजों की नियुक्ति की अनुशंसा की थी।

फिलहाल, उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश समेत 34 जज हैं। उच्चतम न्यायालय में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 38 है। इन तीन जजों के शपथ लेने के बाद उच्चतम न्यायालय में जजों की कुल संख्या 37 हो जाएगी।

विचार बिन्दु

जनता की आवाज़ ईश्वर की आवाज़ है। –कहावत

न्यायपालिका की अग्नि परीक्षा

जब भी लोकतंत्र के दो स्तंभ, कार्यपालिका और विधायिका,संविधान के विपरीत काम करें तो तीसरे स्तंभ न्यायपालिका से यह अपेक्षा रहती है कि वह विभिन्न कानूनों और निर्णयों को संविधान की कसौटी पर कसते हुए अपना निर्णय पारित करेगी। सामान्यतया ,उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय इस काम को भली भांति करते रहे हैं और जनता की अपेक्षा पर खरे उतरते रहे हैं। अपवाद स्वरूप, कुछ प्रकरण यदा कदा अवश्य सामने आते हैं ,जब लोगों को लगता है कि न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के गलत कामों पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। विधायिका और न्यायपालिका के बीच अहम की लड़ाई भी रही है। कानून बनाने का अधिकार संसद/विधान सभा का है, किंतु उसकी संवैधानिकता पर निर्णय करने का अधिकार केवल न्यायपालिका का है। जब कोई अधिकारी अपने कर्तव्य का पालन भली भांति नहीं करे, जिसके कारण नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन हो, तो उसकी रक्षा के लिए न्यायपालिका बचाव में आती रही है। आवश्यक होने पर न्यायाधीश, अदालत की अवमानना की कार्यवाही भी करते हैं और अधिकारियों को अदालत में व्यक्तिगत रूप से भी बुलाते हैं। कार्यपालिका और विधायिका को निरंकुश होने से रोकने में भारत की न्यायपालिका की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

गत कुछ सालों में अवश्य इस प्रकार के प्रकरण उच्चतम न्यायालय में गए हैं, जिनकी सुनवाई लंबे समय तक नहीं होने से वे प्रकरण स्वत: प्रभावहीन हो गए, जैसे धारा 370 हटाने तथा महाराष्ट्र के विधायकों के दल बदल का प्रकरण। इस प्रकार के निर्णय भी दिए गए जो जनता की अपेक्षा के अनुरूप नहीं थे। ऐसा भी प्रतीत हुआ कि न्यायपालिका, केंद्र सरकार के प्रभाव में काम कर रही है या उसके अनुकूल निर्णय कर रही है। विधायिका और न्यायपालिका में नजदीकियां हाल के दिनों में बढ़ती हुई दिखाई दी हैं। पाठकों के लिए जानना दिलचस्प होगा कि उच्च न्यायालय /उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्तियां स्वयं न्यायाधीशों के कॉलेजियम की सिफारिश पर सरकार द्वारा की जाती है। सरकार की भी सहमति आवश्यक हो जाती है। कई मामले ऐसे आए हैं, जब उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद , सरकार ने कुछ न्यायाधीशों को नियुक्त नहीं किया। केंद्र सरकार, न्यायाधीशों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों पर भी बहुत प्रभावी कार्यवाही नहीं कर पाई है ,क्योंकि न्यायाधीशों को संविधान के अंतर्गत सुरक्षा प्रदान की गई है। इसी के चलते, जब कभी न्यायाधीशों के विरुद्ध महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तो वह या तो संसद तक पहुंच ही नहीं पाई और जब पहुंची भी, तो महाभियोग के निर्णय के पहले ही संबंधित न्यायाधीश ने इस्तीफा दे दिया। आज तक किसी भी न्यायाधीश को महाभियोग के माध्यम से नहीं हटाया जा सका है। कुल मिलाकर, जजों की नियुक्ति एवं उनको हटाने का काम भी राजनीति से अछूता नहीं रह गया है। न्यायमूर्ति केशव वर्मा का ताजा उदाहरण सामने है जब उनके आवास से करोड़ों के अध जले नोट बरामद होने पर भी केवल उनका स्थानांतरण दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में किया गया।

न्यायालय किस प्रकार से सरकार के गलत कामों को रोकने में प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, इसका उदाहरण इलेक्टोरल बॉन्ड सम्बन्धी निर्णय में सामने आया था। इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना को तो उच्चतम न्यायालय ने असंवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया, किंतु हजारों करोड़ रुपये जो राजनीतिक दलों तक पहुंचा उसके बारे में कोई निर्णय न्यायालय ने नहीं दिया। इसका अर्थ यह हुआ कि असंवैधानिक और गैरकानूनी योजना के माध्यम से राजनैतिक दलों, विशेषकर सत्ताधारी दल को मिला धन उनके ही पास रहा। इसी प्रकार चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में मतगणना में हेराफेरी के वीडियो प्रमाण मिलने पर, सुप्रीम कोर्ट ने परिणाम को तो ठीक कर दिया, किंतु गड़बड़ी करने वाले अनिल मैसी पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसे सत्ताधारी दल के प्रति उदारता ही माना जा सकता है ।

सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के घर पर प्रधानमंत्री का गणेश पूजा के समय जाना और आरती करना आश्चर्य की बात थी। जब प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश के घर जाएंगे तो उनकी मंशा के बारे में चर्चा स्वाभाविक है। इसका प्रभाव महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों पर होने की संभावना बन जाती है। कुछ वर्षों में यह भी देखा गया है कि सरकार अपनी विचारधारा में विश्वास रखने वाले न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रमुखता से कर रही है। यही न्यायाधीश लंबे समय तक उच्च न्यायपालिका में रहेंगे और मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के पदों तक पहुंचेंगे। जब न्यायाधीश बनाना ,उपकार का रूप मान लिया जाता है तो फिर उस उपकार का ऋण, समय आने पर चुकाने का प्रयास तो किया ही जाता है।

न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार की स्वीकारोक्ति स्वयं सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी करते रहे हैं। विख्यात वकील प्रशांत भूषण ने तो सुप्रीम कोर्ट के भ्रष्ट न्यायाधीशों के नाम, सील बंद लिफाफे में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश को सौंपे थे ,किंतु उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

"वन नेशन वन इलेक्शन" का कानून बनाने का बिल जब संसद में गया तो वहां पर संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया। हाल ही में संयुक्त संसदीय समिति ने सर्वोच्च न्यायालय में जाकर मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों के साथ इस विषय पर चर्चा करने का कार्यक्रम बनाया था। यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट की सहमति से ही बना होगा। जब कपिल सिब्बल ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से इस पर आपत्ति की, तो संसदीय समिति का कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। अगले दिन सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे निरस्त कर दिया। वैसे भी इस प्रकार की चर्चा करना न्यायिक दृष्टि से कतई उचित नहीं था ,क्योंकि यह प्रकरण, अंतत: निर्णय हेतु सर्वोच्च न्यायालय के पास ही आएगा। यदि न्यायाधीश कानून बनाते समय ही चर्चा में शामिल हो जाते, तो निर्णय की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाती। अब हम उस प्रकरण की बात करेंगे ,जो आजकल सर्वाधिक चर्चा में है और जिस पर पूरा देश आंदोलित है। यह है, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का प्रकरण। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कई सुनवाई के बावजूद एस आई आर पर स्थगन नहीं दिया। यह मामला लगभग डेढ़ वर्ष से उच्चतम न्यायालय में लंबित है और वहां पर अनेक बार बहस हो चुकी है। योगेंद्र यादव, ए डी आर और अन्य राजनीतिक दलों ने एस आई आर की असंवैधानिकता और इसकी अनेक खामियों के बारे में न्यायालय में कई बार बहस की, किंतु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक नहीं लगाना, एक रहस्य बनकर रह गया है।

> **जब कोई अधिकारी अपने कर्तव्य का पालन भली भांति नहीं करे, जिसके कारण नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन हो, तो उसकी रक्षा के लिए न्यायपालिका बचाव में आती रही है। आवश्यक होने पर न्यायाधीश, अदालत की अवमानना की कार्यवाही भी करते हैं और अधिकारियों को अदालत में व्यक्तिगत रूप से भी बुलाते हैं। कार्यपालिका और विधायिका को निरंकुश होने से रोकने में न्यायपालिका की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है।**

बिहार में जहां सबसे पहले एस आई आर के माध्यम से जिन लोगों के नाम मृतक बता कर काट दिए गए, उनमें से कुछ व्यक्तियों को तो योगेंद्र यादव ने न्यायालय में भौतिक रूप से उपस्थित भी कर दिया था। विभिन्न प्रकार के डाक्यूमेंट्स मांग कर नागरिकों को बहुत परेशान किया जा रहा था। एस आई आर की असंवैधानिकता और इसके अंतर्गत लिए गए विभिन्न प्रकार के निर्देशों के कारण लाखों मतदाताओं के नाम काटने के बारे में माननीय उच्चतम न्यायालय को बताया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसके बावजूद एस आई आर को जारी रहने दिया। अब यह पूरे देश में कर दी गई है और लगभग साढे तेरह करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए।

इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्ट से अब यह स्पष्ट हो चुका है कि चुनाव आयोग के नाम पर जो भी निर्णय लिए गए , वे निर्णय वास्तव में आयोग के नहीं अपितु अकेले ज्ञानेश कुमार के थे। शेष दोनों आयुक्तों ने कई निर्णयों पर आपत्ति भी जताई थी। अब पोल खुलने के बाद और व्यापक जन आंदोलन के कारण कई निर्णय आयोग ने बदल दिए। यही तथ्य सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि पहले वाले निर्णय एकदम गलत थे। चुनाव आयोग ने स्वयं सुप्रीम कोर्ट में स्वीकार किया है कि एस आई आर कराने का कोई निर्णय चुनाव आयोग ने नहीं लिया था। चुनाव आयोग के सारे निर्णय अकेले ज्ञानेश कुमार अपने स्तर पर ले रहे थे। इन विषयों के बारे में कभी आयोग की बैठक ही नहीं हुई जबकि ऐसा करना कानूनन अनिवार्य था। आगामी सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से रिकॉर्ड मांगा है। केवल इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय एस आई आर की प्रक्रिया पर रोक लगा सकता है कि सभी निर्णय आयोग के नहीं अपितु अकेले ज्ञानेश कुमार के थे। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का काम केवल संसद द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित करके ही हो सकता है, जो संख्या बल के समीकरण के आधार पर अभी संभव नहीं है।

अब केवल एक ही रास्ता बचता है कि ज्ञानेश कुमार जनता के दबाव में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दें। इसके लिए कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा मुंबई में गांधी जयंती पर बहुत विशाल प्रदर्शन किया गया। दिल्ली में भी 2 अक्टूबर से लगातार प्रदर्शन जारी है। 3 अक्टूबर के प्रदर्शन में तो विख्यात वकील कपिल सिब्बल, सूचना के अधिकार की प्रमुख कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज, "आइसा" अध्यक्ष नेहा बोरा, योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण आदि कई लोग सम्मिलित हुए। इन्हें सड़कों पर घसीटकर बसों में बलपूर्वक ठूंस कर दिल्ली से बाहर ले जाकर छोड़ दिया गया। इस प्रकार विरोध प्रदर्शन को कुचलने का काम तो ब्रिटिश सरकार के समय भी नहीं होता था। सरकार को शायद यह समझ में नहीं आ रहा है कि जितना इस आंदोलन को दबाया जाएगा, उतना ही यह विकराल रूप लेता जाएगा। ज्ञानेश कुमार को अब तक नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे देना चाहिए था। शायद वे सरकार के इशारे का इंतजार कर रहे हैं।

यह स्वाभाविक भी है क्योंकि ज्ञानेश कुमार जो भी कर रहे है वह सत्ताधारी दल की इच्छानुसार ही कर रहे हैं। यदि सर्वोच्च न्यायालय चाहता है कि देश मे जन आंदोलन विकराल रूप न ले, तो उसे तत्काल संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए एस आई आर को निरस्त कर देना चाहिए। साथ ही जून, 2025 की मतदाता सूचियों को बहाल करने का आदेश देना चाहिए। चुनाव आयोग की सभी पत्रावलियों में देखें कि क्या एस आई आर संबंधी जो भी निर्णय लिए गए, वे सभी चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए या नहीं? यदि ऐसा नहीं हुआ तो देश अराजकता की स्थिति में बढ़ सकता है जो न लोकतंत्र के लिए अच्छा है न देश के लिए । देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा करना सर्वोच्च न्यायालय का दायित्व बन जाता है।

यह एक ऐसा अवसर है जब माननीय उच्चतम न्यायालय की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। उसके लिए यह अवसर भी है कि वह अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करे और यह सिद्ध करे कि संविधान के निर्माताओं द्वारा जो विश्वास न्यायपालिका में व्यक्त किया गया, वह गलत नहीं था और आवश्यकता पड़ने पर न्यायपालिका भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने में अब भी उतनी ही सक्षम है जितने पहले थी। एक प्रकार से यह समय न्यायपालिका की अग्नि परीक्षा का है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

ये प्राइवेट स्कूल हैं या नाथी का बाड़ा!

आरटीई का उद्देश्य गरीबों की शिक्षा था, लेकिन क्या व्यवस्था कहीं भटक तो नहीं गई ?

सुनील दत्त गोयल

कुछ वर्ष पहले राजस्थान सरकार ने शिक्षा के अधिकार यानी आरटीई के तहत निजी स्कूलों में वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए प्रवेश की व्यवस्था लागू की। इसका उद्देश्य बिल्कुल सही था। ऐसे बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ने का अवसर मिले और आर्थिक स्थिति उनकी शिक्षा के रास्ते में बाधा न बने।

लेकिन सवाल यह है कि इस व्यवस्था को लागू करते समय क्या निजी स्कूलों की वास्तविक परिस्थितियों और सरकार की अपनी जिम्मेदारियों पर पर्याप्त विचार किया गया? राजस्थान में बड़ी संख्या में निजी स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी जमीन, भवन और संसाधन अपने पैसे से खड़े किए हैं। उन्होंने भवन निर्माण, फायर सेफ्टी, स्थानीय विकास प्राधिकरण की अनुमति, बोर्ड की मान्यता, शिक्षकों की योग्यता और वेतन सहित तमाम नियमों और अनुपालनों को पूरा किया है। इसके बावजूद इन स्कूलों पर सरकार की तरफ से लगातार नए नियम और शर्तें लागू होती रहती हैं।

यहां एक बात स्पष्ट करना जरूरी है। जिन स्कूलों को सरकार से जमीन, आर्थिक सहायता या अन्य विशेष सुविधाएं मिली हैं, उनके लिए अलग नियम या अलग दृष्टिकोण हो सकता है। लेकिन जिन निजी स्कूलों ने पूरी तरह अपने संसाधनों से व्यवस्था खड़ी की है, उनके साथ नीति बनाते समय यह अंतर जरूर देखा जाना चाहिए।

आरटीई में सबसे बड़ी समस्या कहां पैदा हुई?

आरटीई का मूल उद्देश्य गरीब और वंचित बच्चों को शिक्षा का अवसर देना था। लेकिन व्यवहार में कई बार ऐसे परिवार भी इस व्यवस्था का लाभ उठाते दिखाई देते हैं जो वास्तव में आर्थिक रूप से कमजोर नहीं हैं, लेकिन सरकारी व्यवस्था में उनकी पहुंच या जानकारी मजबूत है। कई बार अभिभावक सरकारी स्तर से अनुशंसा या आवंटन लेकर अपने घर के आसपास के प्रतिष्ठित निजी स्कूल में बच्चे का प्रवेश चाहते हैं। स्कूल के पास सरकार की ओर से आया आदेश है, इसलिए उसे प्रवेश देना पड़ता है।

एक दूसरी समस्या बच्चे के शैक्षिणक स्तर की है। मान लीजिए कोई बच्चा नर्सरी, केजी या पहली कक्षा में उस स्कूल की नियमित व्यवस्था से नहीं पढ़ा है और बाद की कक्षा में आरटीई के माध्यम से सीधे प्रवेश ले लेता है। उस कक्षा में पहले से पढ़ रहे बच्चों का शैक्षिणक स्तर अलग हो सकता है। ऐसे में शिक्षक के लिए उस बच्चे को उसी स्तर पर लाना आसान नहीं होता। इसका असर केवल शिक्षक पर नहीं पड़ता, बल्कि पूरी कक्षा की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। इसलिए आरटीई में सिर्फ प्रवेश सुनिश्चित करना ही पर्याप्त नहीं है। बच्चे के शैक्षिणक स्तर, उसकी जरूरत और उसे अतिरिक्त सहायता देने की व्यवस्था पर भी ध्यान देना जरूरी है।

अभिभावक संघ भी सवालों के घेरे में :–इसके बाद एक और समस्या सामने आती है। कुछ जगहों पर अभिभावक संघ स्कूलों पर अनुचित दबाव बनाने लगे हैं। शिकायतों, विरोधों और अलग–अलग मांगों के माध्यम से स्कूल प्रबंधन को लगातार दबाव में रखा जाता है।

अभिभावकों की शिकायतों का समाधान होना चाहिए, लेकिन शिकायत और दबाव की राजनीति में अंतर होना जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो संगठन स्कूलों के मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, वे वास्तव में संबंधित बच्चों और अभिभावकों का प्रतिनिधित्व करते हैं या नहीं। कहीं ऐसा तो नहीं कि कुछ लोग केवल स्कूल प्रबंधन पर दबाव बनाने के लिए ऐसे संगठनों का इस्तेमाल कर रहे हों?

सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी: भुगतान –आरटीई के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश मिलने के बाद बच्चे की शिक्षा, किताबें, यूनिफॉर्म, जूते और दूसरी आवश्यकताओं का खर्च भी स्कूल को उठाना पड़ता है। इसके बदले सरकार की ओर से होने वाले सूक्ष्म भुगतान में देरी की शिकायतें भी लंबे समय से सुनने को मिलती रही हैं।

अगर किसी स्कूल को महीनों या वर्षों तक उसका वैध भुगतान समय पर नहीं मिलता, तो उसका सीधा असर स्कूल की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। आखिर निजी स्कूल भी एक संस्था है। वहाँ शिक्षक हैं, कर्मचारी हैं, बिजली–पानी का खर्च है, भवन का रखरखाव है और दूसरे प्रशासनिक खर्च हैं। सरकार यदि किसी निजी संस्था से अनावश्यक अपनी नीति लागू करवा रही है, तो उस संस्था को उसका उचित भुगतान समय पर करना भी सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। सबसे दुखद बात यह है कि आरटीई के तहत प्रत्येक कक्षा की 25 प्रतिशत सीटें निर्धारित वर्ग के बच्चों के लिए रखी जाती हैं। उदाहरण के लिए, 300 बच्चों की कक्षा में 75 बच्चों तक को के तहत प्रवेश दिया जा सकता है। लेकिन जिन निजी स्कूलों की जमीन, भवन और पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर संचालकों ने अपने पैसे से खड़ा किया है, उन पर इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को कम या बिना शुल्क पढ़ाने की जिम्मेदारी डालने से उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

ऐसे में सवाल है कि राजस्थान में कौन निजी निवेशक शिक्षा के क्षेत्र में पैसा लगाएगा और नए स्कूल या बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगा? शिक्षा की गुणवत्ता के लिए लगातार निवेश जरूरी है। इसलिए सरकार को निजी स्कूलों को दबाव में लाने के बजाय ऐसा संतुलित मॉडल बनाना चाहिए, जिसमें गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, स्कूलों को समय पर भुगतान हो और निजी निवेश भी प्रोत्साहित हो। निजी क्षेत्र को समस्या नहीं, शिक्षा व्यवस्था का सहयोगी समझना होगा।

सरकार अपने स्कूलों की हालत भी देखे :–यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि निजी स्कूलों पर नियम लागू करने वाली सरकार क्या अपने सरकारी स्कूलों की स्थिति पर भी उतनी ही सख्ती से नजर डालती है?

अक्सर खबरें आती हैं कि किसी सरकारी स्कूल की इमारत जर्जर है, कहीं पानी की समस्या है, कहीं शौचालय की कमी है, कहीं भवन ही पर्याप्त नहीं है और कहीं बच्चों को पेड़ के नीचे पढ़ना पड़ रहा है। अगर निजी स्कूलों से भवन, फायर सेफ्टी, शिक्षकों की योग्यता, वेतन, इंफ्रास्ट्रक्चर और तमाम मानकों को पूरा करने की अपेक्षा है, तो सरकारी स्कूलों में भी इन मानकों का पालन उतनी ही गंभीरता से होना चाहिए।

समाधान निजी स्कूल बंद करना नहीं है :–भारत जैसे देश में निजी स्कूलों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। लाखों बच्चे इन स्कूलों में पढ़ते हैं और लाखों परिवारों की शिक्षा व्यवस्था इन पर निर्भर है।

इसलिए सरकार की नीति ऐसी होनी चाहिए जिससे निजी स्कूलों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए, लेकिन बच्चों के अधिकार और शिक्षा की गुणवत्ता से भी समझौता न हो। आरटीई का उद्देश्य गरीब बच्चे को अच्छे स्कूल तक पहुंचाना था, न कि निजी स्कूलों को प्रशासनिक दबाव में लाना। सरकार को चाहिए कि आरटीई में वास्तविक रूप से आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित बच्चों की पहचान की व्यवस्था मजबूत करे। फर्जी या गलत तरीके से लाभ लेने वालों पर रोक लगे। बच्चे के प्रवेश के साथ उसकी शैक्षिणक जरूरतों के लिए भी सहायता मिले। और निजी स्कूलों को मिलने वाला सरकारी भुगतान उचित एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार अपनी शिक्षा व्यवस्था को इतना मजबूत बनाए कि माता–पिता केवल इसलिए निजी स्कूलों की ओर न जाएं क्योंकि सरकारी स्कूलों में उन्हें बेहतर सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। दुनिया के कई विकसित देशों में शिक्षा और स्वास्थ्य की बड़ी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। भारत में भी सरकार को इसी दिशा में अपनी सरकारी व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। अगर सरकार चाहती है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, तो पहला सवाल यह नहीं होना चाहिए कि निजी स्कूल को कैसे नियंत्रित किया जाए। पहला सवाल यह होना चाहिए कि सरकारी स्कूल इतना अच्छा कैसे बनाया जाए कि हर अभिभावक अपने बच्चे को वहां पढ़ाना चाहे।

निजी स्कूलों को नियमों के दायरे में रखना जरूरी है, लेकिन उन्हें लगातार हतोत्साहित करना समाधान नहीं है। अगर निजी क्षेत्र का निवेश और भागीदारी शिक्षा के क्षेत्र से धीरे–धीरे बाहर होने लगी, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान आखिरकार बच्चों और सरकार, दोनों को ही उठाना पड़ेगा। आरटीई का उद्देश्य निजी स्कूलों को कमजोर करना नहीं, बल्कि हर बच्चे को बेहतर शिक्षा का अवसर देना होना चाहिए।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

शिक्षा नीति: सब कुछ मिलेगा, सिवाय शिक्षा के

प्रोफेसर अशोक कुमार

■ **शिक्षा पर एक व्यंगय...**

एक शिक्षण संस्थान ने एक बहुत बड़े मंत्री जी को अपने संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ऊपर भाषण देने के लिए बुलाया। मंत्री महोदय ने कहा कि वह बिल्कुल पढ़े–लिखे नहीं है इसलिए उनको जो भी भाषण देना है वह आप लिख कर दे ताकि वह उसको शिक्षण संस्थान में वैसे ही बोल दे। शिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने शिक्षा नीति के ऊपर अच्छा सा भाषण तैयार करके मंत्री जी को भेज दिया। मंत्री जी जब शिक्षण संस्थान में भाषण देने के लिए गए तब उन्होंने प्राचार्य महोदय से पूछा कि भाषण में अपने शिक्षा नीति के बारे में सब बहुत अच्छी–अच्छी बातें लिखी हैं लेकिन आपने यह नहीं लिखा की शिक्षा नीति में क्या कमी है या इसमें क्या कमजोरी है या इसमें क्या चीज मिसिंग है। ऐसा कौन विषय हैं जो कि इस नई शिक्षा नीति में नहीं है। प्राचार्य महोदय ने शिक्षा मंत्री से कहा की पहली बार देश में ऐसी नीति आई है जिसमें सिर्फ छात्रों की सिर्फ भलाई भलाई है ! छात्रों का कोई भी नुकसान नहीं है। इस नीति से उनका सर्वांगीण विकास होगा। मंत्री जी संस्थान से बहुत प्रभावित दिख रहे थे। मंत्री जी ने कॉलेज में प्रवेश किया और उसके बाद छात्रों के बीच में भाषण शुरू कर दिया। फूल, माला और तालियों के साथ उनका सम्मान हुआ। मंत्री महोदय बहुत ज्यादा भावुक हो गए। उन्होंने अपना भाषण भी शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं के स्वास्थ्य के लिए हम छात्रों को साइकिल प्रदान कर रहे हैं , क्योंकि साइकिल की सवारी स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छी होती है। और इसलिए आप देखिएगा कि धीरे–धीरे विश्व में साइकिल की संख्या बहुत बढ़ जाएगी। अत: हमने यह तय किया है कि हर विद्यालय में सभी बच्चों को साइकिल के पंचर बनाने का कौशल विकास का एक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह हमारी एक योजना है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को रोजगार भी मिलेगा और देश मे बेरोजगारी कम हो जाएगी। इसी प्रकार से आप जानते हैं आजकल विश्व भर में जलवायु, में परिवर्तन हो रहा है , ग्लोबल वार्मिंग हो रही है और समय–बेसमय पर पानी बरसता रहता है। इसलिए इस मौसम में लोग चाय और पकौड़ी खाना पसंद करते हैं।

अत: हमने यह भी निश्चित किया है कि प्रत्येक विद्यालय में छात्रों को पकौड़ी तलना भी सिखाया जाएगा ताकि उनको पकौड़ी तलने का कौशल प्राप्त होगा जिसे वह अपना एक रोजगार भी बना सकते हैं। इसी तरह से हमने सभी छात्रों के लिए एक बैंक में अकाउंट भी खोल दिया है और इस अकाउंट में वह कितने घंटे अपने विद्यालय, महाविद्यालय, विश्व विद्यालय में पढ़ेंगे या रहेंगे, उसे वह अपनी इस बैंक मे जमा करवा सकते हैं। उनकी सुविधा के लिए बैंक अकाउंट खोलने के साथ–साथ उनको एक एटीएम कार्ड भी इशू किया जाएगा वह जब चाहे एटीएम कार्ड से अपने पढ़ाई के घंटे को निकाल सकते हैं और कहीं भी खर्च कर सकते हैं।

उन्होंने इस प्रकार से विद्यार्थियों को बताया की नई नीति में आप विद्यालय में जब आए तब आए जब चले जाना चाहे तब चले जाएं आपके कोई रोक–टोक नहीं है। छात्र मंत्री जी के भाषण से अत्यंत प्रभावित हुए। लगभग 1 घंटे भाषण के बाद मंत्री जी बहुत प्रसन्न मुद्रा में शिक्षण संस्थान से वापस जाने लगे। लेकिन जाने से पहले उन्होंने प्राचार्य से पूछा कि अब तो सब भाषण भी समाप्त हो गया , अब तो कम से कम बता दीजिए की शिक्षा नीति में क्या कमी है ? प्राचार्य ने हाथ जोड़ कर बड़ी विनम्रता से मंत्री जी से बताया की शिक्षा नीति में सिर्फ छात्रों का सर्वांगीण विकास ही है। बस कमी सिर्फ़ एक चीज़ की है ,मंत्री जी ने बड़े उत्साहित होकर पूछा कौन सी कमी है। प्राचार्य महोदय ने बताया इस नीति में सिर्फ शिक्षा की कमी है। युवाओं का सर्वांगीर्ण विकास हो रहा है लेकिन शिक्षा नहीं प्रदान की जा रही है।

प्रोफेसर अशोक कुमार
पूर्व कुलपति गोरखपुर ,
कानपुर विश्वविद्यालय

हरियाणा में चल रहे ट्रक का बीकानेर में चालान काटा

■ **पीड़ित वाहन मालिक ने प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बीकानेर को आपत्ति पत्र प्रस्तुत कर किया**

बीकानेर, (निसं)। परिवहन विभाग में नियम विरुद्ध और बिना भौतिक जांच के ई–चालान काटने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के समय राजस्थान की सीमा से बाहर हरियाणा में स्थित एक चार चक्का ट्रक का बीकानेर बाईपास पर फर्जी चालान जारी कर दिया गया। इस संबंध में पीड़ित वाहन मालिक द्वारा एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा के माध्यम से प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बीकानेर को एक औपचारिक कानूनी आपत्ति पत्र प्रस्तुत कर चालान को निरस्त करने तथा दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन स्वामी ओमप्रकाश, निवासी, बहबलपुर, हिसार, हरियाणा के 4–चक्का ट्रक का चालान बीकानेर बाईपास पर परिवहन निरीक्षक कपिल देव चौधरी द्वारा काट दिया गया। जबकि, उसी तारीख को दोपहर 1:31 बजे उक्त वाहन हरियाणा के हिसार स्थित लैंडहरी टोल प्लाजा से गुजर रहा था, जिसकी फास्टैग/टोल रसीद और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मौजूद हैं। भौगोलिक दृष्टि से मात्र 4 घंटे के भीतर बीकानेर से हिसार पहुंचना किसी भी सूरत में संभव नहीं है।

ई–चालान पोर्टल पर अपलोड की गई फोटो स्पष्ट रूप से किसी 10–चक्का ट्रक की है, जबकि प्रार्थी का पंजीकृत वाहन 4–चक्का ट्रक है। इससे साफ जाहिर होता है कि परिवहन निरीक्षक द्वारा बिना किसी जांच–पड़ताल और भौतिक सत्यापन के, केवल नंबरों की हेराफेरी या घोर लापरवाही के चलते यह फर्जी चालान जारी किया गया है।

मामले की पैरवी कर रहे बीकानेर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन के प्रतिनिधि एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर आम जनता और वाहन स्वामियों का प्रशासनिक उत्पीड़न है। जब वाहन बीकानेर में मौजूद ही नहीं था और पोर्टल पर फोटो भी किसी अन्य 10–चक्का वाहन की लगी है, तब भी चालान जारी कर देना परिवहन विभाग निरीक्षक की घोर लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाता है। हमने प्रादेशिक परिवहन अधिकारी बीकानेर के समक्ष वाहन स्वामी की ओर से कानूनी आपत्ति पत्र के साथ लैंडहरी टोल प्लाजा की रसीद व प्रस्तुत कर दी है। हमारी मांग है कि इस अवैध चालान को अविलंब निरस्त किया जावे और बिना जांच किए फर्जी चालान बनाने वाले संबंधित परिवहन निरीक्षक कपिल देव चौधरी के विरुद्ध विभागीय व अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। यदि विभाग द्वारा जल्द न्याय नहीं दिया गया तो हम इस मामले को उच्च अधिकारियों एवं न्यायालय के समक्ष ले जाएंगे।

राशिफल रविवार 6 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत–2083, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 12:14 तक, परिद्य योग दिन 12:32 तक, तैतिल करण सायं 4:53 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:32 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवि पुष्य योग रात्रि 12:14 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 12:14 से आरम्भ होगा। आज मातृ नवमी का श्राद्ध और सौभाग्य वतीना श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 7:52 से 9:20 तक, लाभ अमृत 9:20 से 12:16 तक, शुभ 1:40 से 3:07 तक

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:07

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये–पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या
महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर–परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। घर–परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आवश्यक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल जेल में रहा, अब हाईकोर्ट ने किया बरी

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले के साक्ष्यों की कड़ी पूरी तरह से नहीं जोड पाया है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने ही अपनी पत्नी की हत्या की है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल से जेल में बंद और आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आरोपी पति को बरी कर दिया है।

■ हाईकोर्ट ने एडीजे, जयपुर के 26 अप्रैल, 2017 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अदालत ने अपीलार्थी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

इसके साथ ही अदालत ने एडीजे, जयपुर के 26 अप्रैल, 2017 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अदालत ने अपीलार्थी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश रामभरोस साहनी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले के साक्ष्यों की कड़ी पूरी तरह से नहीं जोड पाया है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने ही अपनी पत्नी की हत्या की है। अदालत ने माना कि घटना के बाद याचिकाकर्ता का कुछ समय के लिए मौके पर नहीं होना अन्य परिस्थितियों की पर्याप्त पुष्टि के अभाव में अकेले दोषसिद्धि का आधार नहीं बन सकता।

मामले से जुडे अधिवक्ता एचके सैनी ने बताया की अपीलार्थी 25 जून 2013 से ही जेल में बंद था। अपील में निचली कोर्ट के उम्रकैद की सजा देने वाले आदेश को चुनौती दी थी। अपील में कहा गया कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। अभियोजन अपीलार्थी और मृतका के बीच अंतिम बार साथ देखे जाने की परिस्थिति को विश्वसनीय तरीके से साबित नहीं कर पाया है।

इसके अलावा कथित चाकू और खून लगे कपड़ों की बरामदगी को लेकर भी गवाहों के बयानों में विरोधाभास रहा। ऐसे में निचली कोर्ट का आदेश रद्द कर अपीलार्थी को दोषमुक्त किया जाए।

गौरतलब है कि नाहरगढ़ थाना इलाके में 18 जून 2013 को एक महिला का शव उसके कमरे में मिला था। पुलिस ने इस मामले में उसके पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर चालान पेश किया था। एडीजे कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपीलार्थी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

प्रदेश के स्कूलों तक पहुंचा "ईट राइट" का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा 3 से 16 अक्टूबर तक 'ईट राइट इनिशिएटिव' के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में 3 और 5 अक्टूबर को प्रदेश के 270 से अधिक स्कूलों के 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सुरक्षित, पौष्टिक एवं संतुलित खान-पान के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को खाद्य मिलावट की पहचान, संतुलित आहार, साफ-सफाई और सुरक्षित भोजन की जानकारी दी गई। अभियान में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से खाद्य पदार्थों की मौके पर प्राथमिक जांच और मिलावट के प्रति सतर्कता की व्यावहारिक जानकारी भी दी जा रही है। चतुर्वेदी ने कहा कि बच्चों में शुरू से सही खान-पान की आदत विकसित कर उन्हें जागरूक उपभोक्ता बनाना अभियान का उद्देश्य है।

'भाजपा अगर सत्ता का दुरुपयोग करती तो कांग्रेस लक्ष्मणगढ़ में एक वोट से चुनाव नहीं जीत पाती'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने निकाय चुनाव में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर जवाब दिया

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सोमवार को मीडिया से रूबरू हुए।

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग करती तो कांग्रेस लक्ष्मणगढ़ में एक वोट से चुनाव नहीं जीत पाती। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी तो गहलोत सरकार ने की थी,

■ उन्होंने कहा कि, "वोट चोरी तो गहलोत सरकार ने की थी, बसपा के हाथी तक को डकार गए थे।"

बसपा के हाथी तक को डकार गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सदैव सम्मान करती है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि जूली, अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट के बीच लंबे समय से 'जलेबी रेस' चल रही है। उन्होंने कहा कि नेतृत्वविहीन कांग्रेस में नेता अपनी-अपनी ढपली बजा रहे हैं। डोटासरा के पंचायत चुनाव को लेकर आत्मविश्वास पर राठौड़ ने कहा कि यदि वे जनादेश स्वीकार कर लें तो उनकी दुकान आज ही खाली हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 25 वर्ष पूरे होने पर 7 अक्टूबर को प्रदेश के प्रत्येक जिला केंद्र पर "सेवा ज्योति एवं संकल्प" कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता जनता के साथ जिला केंद्र पहुंचेंगे। जयपुर में सांगानेर क्षेत्र में कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लाइव जुड़ेंगे।

कार्यक्रम में 'मशाल' प्रज्ज्वलित कर सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संकल्प लिया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, सही मार्गदर्शन और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना ही वास्तविक जनसेवा है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत रक्तदान, स्वच्छता अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों पर सेवा गतिविधियां, विद्यालयों में कार्यक्रम, वाद-विवाद व लेखन प्रतियोगिताएं और महापुरुषों के सम्मान के कार्यक्रम हुए। राजस्थान में प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ एवं सक्रिय जीवन की कामना के लिए 40 लाख 'आशीर्वाद के दीप' जलाए गए। वडनगर से वाराणसी तक यात्रा तथा वाराणसी से वडनगर की ओर मोटरसाइकिल यात्राएं भी आयोजित की जा रही हैं।

बेंगलुरु में अखिल भारतीय एलआईसी खेल 2026-27 शुरू

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामी ने बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में अखिल भारतीय एलआईसी खेल 2026-27 का उद्घाटन किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स सहित छह खेल विधाएं शामिल हैं।

प्रतियोगिता में एलआईसी के आठ क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 376 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में एस. गिरिजा, प्रदीप पी. शेणै, लता माडमपत्त, सरवना रमेश एस. और आर.के. यादव सहित अधिकारी मौजूद रहे।

आर. दुरैस्वामी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और उत्साह के साथ भाग लेने तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने का आव्हान किया। प्रतियोगिता का समापन 8 अक्टूबर को होगा। समापन समारोह में एलआईसी के प्रबंध निदेशक आर. चंदर मुख्य अतिथि होंगे।

संस्कृत-संस्कृति के संगम का मंच बनेगा पतंजलि यूनिवर्सिटी

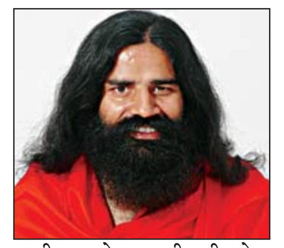

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन को लेकर कुलाधिपति स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि भारत के संस्कार, सभ्यता, योग, अध्यात्म, संस्कृति, शास्त्र परंपरा और सनातन विरासत संस्कृत में सुरक्षित है। ऐसे में विश्वविद्यालय में संस्कृत और संस्कृति का विराट संगम होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृत और प्राच्य विद्याओं के संरक्षण, संवर्धन एवं वैश्विक प्रसार का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान, शिक्षाविद्, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग लेंगे। योग, आयुर्वेद, दर्शन, साहित्य, वेद, वेदांत, भाषा, व्याकरण, इतिहास और पुरातत्त्व सहित विभिन्न विषयों पर शोधपरक विमर्श होगा।स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि का संकल्प 'विरासत और विज्ञान, शोध और बोध, दृष्टि और दक्षता' का समन्वय है। भारतीय प्राचीन ज्ञान केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के समाधान में भी उपयोगी है। इसके गंभीर अध्ययन और आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। सम्मेलन में विद्यार्थियों और शोधार्थियों के उत्साह को देखते हुए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी गई है। अब तक करीब 1 हजार विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और भारतीय संस्कृति एवं विरासत में रुचि रखने वालों से सम्मेलन में अधिकाधिक सहभागिता का आव्हान किया।

गायत्री राठौड़ ने राजस्थान संपर्क पर सुनीं शिकायतें

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से परिवादियों से सीधे संवाद कर समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सवाई माधोपुर के नरेश ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (एमएए) में जनाधार व दस्तावेजों से जुड़ी समस्या बताई। जयपुर निवासी यश ने सांगानेरी महिला चिकित्सालय में स्टाफ के अभद्र व्यवहार की शिकायत की। धनराज और ताराचंद ने आशा सहयोगिनी से संबंधित शिकायतें, जबकि गंगापुर सिटी के सूरज ने राजकीय अस्पताल में चिकित्सकों के समय पर उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की।

राठौड़ ने सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी कार्मिकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संपर्क एआई पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे परिवेदनाओं का विषयवार विश्लेषण कर समस्याओं की पहचान और उनके समयबद्ध समाधान में मदद मिलेगी।

फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। महिला को लगातार फोन और संदेश कर परेशान करने तथा फोटो वायरल करने की धमकी देने वाले युवक को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आदर्श नगर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रदीप मोहन शर्मा के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त अनुष्ठा कालिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कालिका पेट्रोलिंग टीम की सुमन बाला और सुनीता को पीड़िता ने फोन पर शिकायत दी थी कि नितिन गुप्ता नाम का युवक उसे लगातार कॉल कर परेशान कर रहा है और फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है।पुलिस के अनुसार टीम ने आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो वह आवेश में आ गया। उसने कथित तौर पर कहा कि पहले दोनों दोस्त थे और महिला उससे बात करती थी, लेकिन अब बात नहीं कर रही है। बात नहीं करने पर उसने उसे सबक सिखाने की धमकी दी। सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नितिन गुप्ता (29) पुत्र चंद्रशेखर गुप्ता, निवासी छत्री चौक, सुनेल, झालावाड़ को गिरफ्तार कर लिया और आदर्श नगर थाना पुलिस के हवाले किया।

बड़े दुःख की बात है कि अधिवक्ता सुरक्षा बिल को लेकर राज्य सरकार नहीं भेज रही केंद्र को टिप्पणियां : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अधिवक्ता सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार की ओर से उदासीन रवैया अपनाने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यह बड़े दुःख की बात है कि पिछले करीब 16 माह से राज्य सरकार अधिवक्ता सुरक्षा बिल को लेकर केन्द्र सरकार की ओर से मांगी गई टिप्पणियां या स्पष्टीकरण नहीं भेज रही है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से गत 25 जून को राज्य के मुख्य सचिव को भेजे पत्र की कॉपी पेश की। जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने एडवोकेट्स प्रोटेक्शन बिल, 2023 सहित अन्य बिलों पर अपनी टिप्पणियां या स्पष्टीकरण पेश नहीं किए हैं। राज्य सरकार के अधिवक्ता ने इस संबंध में अदालत से समय मांगा गया। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है।

जनहित याचिका में कहा गया कि प्रदेश में वकीलों पर आए दिन हमले सहित अन्य आपराधिक घटनाएं होती रहती हैं। इसके बावजूद भी वकीलों की सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि साल 2020 में बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने प्रोटेक्शन एक्ट का ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार के पास भेजा था। राज्य सरकार ने इसमें अपने स्तर पर कई अनावश्यक संशोधन कर इसे साल 2023 में विधानसभा में पेश किया था। वहीं राज्यपाल ने इसे अनुमति के लिए राष्ट्रपति के समक्ष भेज दिया। जहां से राज्य के मुख्य सचिव को पत्र जारी कर इस संबंध में टिप्पणियां या स्पष्टीकरण देने को कहा था।

बेटे के विदेश में गिरफ्तार होने का झांसा देकर साइबर ठगों ने1.70 लाख रु. ऐंठे

जयपुर। जालूपुरा इलाके में साइबर ठगों ने विदेश में पढ़ाई कर रहे बेटे को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार बताकर एक सरकारी कर्मचारी को करीब एक घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 1.70 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने वॉट्सऐप पर पुलिस अधीक्षक की फोटो लगाकर वीडियो कॉल किया और बेटे को छुड़ाने के नाम पर रुपए मांगे।

थानाधिकारी बृजेश सिंह के अनुसार, 2 अक्टूबर सुबह करीब 11 बजे पीड़ित के वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बड़ा पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनका बेटा विदेश में दुष्कर्म के गंभीर मामले में हिरासत में है। ठगों ने विदेश के कड़े कानूनों और सजा का डर दिखाया। इसके बाद वीडियो कॉल पर मारपीट और किसी के रोने-चिल्लाने की आवाजें सुनाकर पीड़ित को विश्वास दिलाया कि उसके बेटे को टॉर्चर किया जा रहा है।ठगों ने कॉल नहीं काटने और किसी अन्य से संपर्क नहीं करने की हिदायत दी। घबराए पीड़ित ने रिश्तेदारों और परिचितों से रुपए उधार लेकर आरोपियों के बताए बैंक खातों में 1.70 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। रुपए मिलते ही ठगों ने कॉल काट दिया। इसके बाद बेटे से फोन पर बात की तो वह सुरक्षित मिला और ठगी का खुलासा हुआ। जालूपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक खातों और कॉल डिटेल के आधार पर जांच शुरू की।

रैम्प कार्यक्रम के तहत राजस्थान में होंगी रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट

जयपुर। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) कार्यक्रम के तहत राजस्थान की एमएसएमई इकाइयों और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट आयोजित की जाएंगी।

पहले चरण में उदयपुर में स्टोन, जयपुर में रेडीमेड गारमेंट्स तथा जोधपुर में फर्नीचर एवं हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र पर फोकस रहेगा। अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय देशों और खाड़ी देशों से विदेशी खरीदारों एवं आयातकों को आमंत्रित किया जाएगा।बैठकों में विदेशी खरीदारों और राजस्थान के निर्यातकों के बीच बी-टू-बी बैठकें होंगी। निर्यातक अपने उत्पाद, सैंपल और प्रोडक्ट कैटलॉग प्रदर्शित कर संभावित कारोबारी अवसरों पर सीधे चर्चा कर सकेंगे। इससे एमएसएमई इकाइयों को बिना विदेश यात्रा किए नए अंतरराष्ट्रीय बाजार और खरीदारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।इन आयोजनों से राजस्थान के निर्यात कारोबार को बढ़ावा देने के साथ एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़ने और राज्य को प्रमुख वैश्विक व्यापार एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

राजस्थान पुलिस की बीट व्यवस्था होगी हाईटेक

जयपुर। राजस्थान में बीट पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जवाबदेह, जनोन्मुखी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राजस्थान पुलिस ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय में सोमवार को राजस्थान पुलिस और ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीएंडआरडी), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों के तहत तैयार एक वर्षीय कार्ययोजना के अनुरूप बीट स्तर की पुलिसिंग को मजबूत किया जाएगा।

कार्ययोजना के प्रथम चरण में प्रत्येक रेंज से एक-एक जिले का चयन करते हुए कुल नौ जिलों में नई बीट प्रणाली लागू की गई है। इनमें सीकर, जयपुर उत्तर, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, कोटा शहर, डूंगरपुर, चूरू, जैसलमेर और जोधपुर पश्चिम शामिल हैं। इन जिलों से प्राप्त अनुभव, उपलब्धियों और नवाचारों के आधार पर बाद में प्रदेश के अन्य जिलों में भी व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा और बीपीएंडआरडी के महानिदेशक आलोक मित्तल की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस की ओर से उप महानिरीक्षक अपराध दीपक भार्गव तथा बीपीएंडआरडी की ओर से उप महानिरीक्षक, नेशनल पुलिस मिशन डॉ. किरण कंग सिद्धू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बीपीएंडआरडी के महानिदेशक आलोक मित्तल ने कहा कि पुलिसिंग में बीट ही बुनियादी इकाई है। उन्होंने बताया कि डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के तहत तैयार एक वर्षीय कार्ययोजना के क्रियान्वयन की दिशा में गोवा के बाद राजस्थान दूसरा राज्य है, जिसके साथ बीपीएंडआरडी ने एमओयू किया है। उन्होंने राजस्थान पुलिस के बीट क्लस्टर मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से विभिन्न राज्यों की बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने और अपनाने का अवसर मिलेगा।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि बीट पुलिसिंग पुलिस और आमजन के बीच सबसे महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु है। इसे अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता है।

पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद 19 वर्षीय युवक की मौत

सोना उपलब्ध कराने के नाम पर कथित ठगी के मामले में मुहाना पुलिस ने मध्यप्रदेश निवासी इस युवक को हिरासत में लिया था

जयपुर। मुहाना थाने में पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए मध्यप्रदेश के 19 वर्षीय युवक ऋतुराज की सवाई मानसिंह अस्पताल में करीब 15 दिन इलाज के बाद सोमवार को मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए मौत का कारण पोस्टमॉर्टम और मेडिकल जांच के बाद स्पष्ट होने की बात कही है।

■ मृतक की मां का आरोप है कि पुलिस हिरासत में उसके बेटे से मारपीट की गई, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और उसकी मौत हो गई।

थानाधिकारी मुकेश खारड़िया के अनुसार मंदसौर निवासी ऋतुराज को सोना उपलब्ध कराने के नाम पर कथित ठगी के मामले में पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। थाने में उसकी तबीयत बिगड़ी और उल्टी होने के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया, जहां करीब 15 दिन तक कोमा की स्थिति में उपचार चला। सोमवार को उसकी मौत हो गई। शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

मृतक की मां हेमा ने आरोप लगाया कि पुलिस हिरासत में उसके बेटे से मारपीट की गई, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और उसकी मौत हो गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने दबाव बनाकर दो अन्य युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया तथा दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए धमकाया। मां ने एसएमएस अस्पताल में तीन पुलिसकर्मियों पर 8 से 10 लाख रुपए लेकर मामला शांत करने का प्रस्ताव देने का भी आरोप लगाया है।

थानाधिकारी मुकेश खारड़िया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युवक पर दो अलग-अलग पक्षों से सोना देने के नाम पर रुपए लेने और माल उपलब्ध नहीं कराने के आरोप थे। इस संबंध में उसकी मां ने ही पहले शिकायत दी थी। पुलिस के अनुसार युवक को थाने लाने के समय से ही उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

ई-रिक्शा चुराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा की चोरी का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ई-रिक्शा बरामद किया है। थानाधिकारी मुकेश कुमार खारड़िया ने बताया कि पवन जाटव ने 4 अक्टूबर को रिपोर्ट दी थी कि 3 अक्टूबर की रात करीब 9.30 बजे उसने ई-रिक्शा आरजे 14 ईटी 9556 घर के बाहर खड़ा किया था, जिसे देर रात अज्ञात चोर चुरा ले गए। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज के निर्देशन में पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध व चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ तथा तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शाहरुख उर्फ मोटा मंसूरी (30) निवासी संजय नगर सी, झोटवाड़ा, हाल मालवीय नगर और गगन पेशवानी (20) निवासी मीणा कॉलोनी, जवाहर सर्किल को गिरफ्तार किया।

निकाय चुनाव में पुलिस की भूमिका पर कांग्रेस ने डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

डोटासरा-जूली ने पंचायत चुनाव में पुलिस से निष्पक्ष रहने की मांग की

जयपुर। स्थानीय निकाय चुनाव में पुलिस अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आगामी पंचायत चुनाव में पुलिस को निष्पक्ष होकर कानून व्यवस्था बनाए रखने की मांग की। डीजीपी ने प्रतिनिधिमंडल को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

डोटासरा ने मुलाकात के बाद कहा कि निकाय चुनाव में पुलिस की भूमिका से जुड़े मामलों के प्रमाणों के साथ डीजीपी को ज्ञापन दिया गया है और प्रत्येक मामले पर चर्चा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव में पुलिस के जरिए पार्षदों पर दबाव बनाया गया तथा कई स्थानों पर पुलिस अधिकारी पार्षदों की बाड़ेबंदी तक पहुंचे। डोटासरा ने कहा कि पंचायत चुनाव में भी यदि ऐसा ही रवैया रहा तो स्थिति गंभीर हो सकती है और इसकी जिम्मेदारी पुलिस महानिदेशक की होगी।डोटासरा ने हाल में हुए कुछ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के तबादलों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव में काम नहीं करने वाले अधिकारियों को हटाया गया। खाटूश्यामजी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां पुलिस अधीक्षक, उपाधीक्षक, उपखंड अधिकारी और थाना प्रभारी तक बदले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार निगरानी की जा रही थी और निकाय चुनाव के दौरान पुलिस-प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बनाया गया।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव के संभावित दावेदारों को भी धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को चुनाव लड़ने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है। परिवार में सरकारी कर्मचारी होने पर तबादले और व्यापारी होने पर कारोबार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दिए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया।

डोटासरा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव में कथित घटनाओं को लेकर प्रदेश में आक्रोश है और पंचायत चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने पंचायत चुनाव चार चरणों में कराने को लेकर भी सवाल उठाए और चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की।

चिड़ावा में विद्युत विभाग की महिला जेईएन पंद्रह हजार की रिश्वत लेते ट्रैप

कृषि कनेक्शन की लाइन बदलवाने के लिए 25 हजार रुपये मांगे थे

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) झुंझुनूं ने सोमवार को चिड़ावा में बिजली विभाग के कार्यालय में बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला जेईएन दीपिका को 15 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जेईएन पर कृषि कनेक्शन की बिजली लाइन बदलवाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम जेईएन की ऑफिस टेबल की दराज से बरामद की गई।

एसीबी के एडिशनल एसपी नरेंद्र पूनिया ने बताया कि एक परिवादी ने एसीबी झुंझुनूं में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसके परिचित के कृषि कनेक्शन की बिजली लाइन बदलवाने के एवज में जेईएन दीपिका की ओर से रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान जेईएन की ओर से

- **15 हजार में सौदा तय हुआ था, ऑफिस की टेबल की दराज से बरामद हुई रिश्वत की रकम**

25 हजार रूपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद परिवादी के अनुरोध पर रिश्वत की रकम 15 हजार रूपए में तय की गई।

सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई की योजना बनाई। सोमवार को एसआई सुरेश चंद के नेतृत्व में एसीबी टीम चिड़ावा स्थित बिजली विभाग के कार्यालय पहुंची। कार्रवाई के दौरान जेईएन दीपिका को 15 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। एसीबी ने रिश्वत की रकम बरामद कर ली। खास बात यह रही कि 15 हजार रूपए जेईएन की ऑफिस टेबल की दराज से मिले। कार्रवाई के बाद एसीबी टीम ने मौके पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की।

एसीबी के अनुसार, गिरफ्तार महिला जेईएन दीपिका को पूछताछ के लिए चिड़ावा थाने लाया गया है। यहां एसीबी अधिकारी उससे रिश्वत मांगने और लेने के संबंध में पूछताछ कर रहे हैं। साथ ही मामले में अन्य लोगों की भूमिका और संभावित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

जोधपुर में नामचीन कंपनियों के नकली कपड़े जब्त किये

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में पुलिस ने ब्रांडेड कपड़ों के नाम पर चल रहे बड़े फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया है। सरदारपुरा थाना इलाके के सरदारपुरा प्रथम बी रोड स्थित एक दुकान पर दबिश दी। पुलिस ने नामचीन कंपनियों लिवाइस, टॉमी हिलफिगर और कैल्विन क्लाइन के करीब 2200 नकली कपड़े जब्त किए।

जब्त किए गए कपड़ों में जीन्स, शर्ट, लोअर, टी-शर्ट और अंडरगारमेंट्स शामिल हैं। इन पर इन ब्रांडेड कंपनियों के फर्जी लेबल लगे हुए थे। कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि अखिलेश ने अपनी टीम के साथ

- **लिवाइस, टॉमी हिलफिगर और कैल्विन क्लाइन के 2200 नकली कपड़े बरामद किये**

सहायक पुलिस आयुक्त पश्चिम कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि सरदारपुरा स्थित एक गोदाम से मेरी कंपनियों के नाम पर थोक के भाव में नकली कपड़े बेचे जा रहे हैं। इससे कंपनियों के साथ-साथ सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। शिकायत की तस्दीक करने के बाद एसीपी वेस्ट भजनलाल जांगिड़ की अगुवाई में पुलिस और कंपनी प्रतिनिधियों की टीम ने मन्नत कलेक्शन के गोदाम पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान दुकान मालिक जितेन्द्र जैन (26) पुत्र राजेंद्र जैन निवासी गोगा मंड का बास पाल गांव बोरानाडा के पास ब्रैंडेड कंपनियों से जुड़ा अनुबंध या कपड़े बेचने का वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने लाखों रुपए कीमत के नकली कपड़ों को जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोटा नगर निगम के संविदाकर्मी को दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

कार्रवाई की भनक लगते ही दूसरा आरोपी संविदाकर्मी मौके से फरार हो गया

कोटा, (निसं)। भष्ट्राचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की टीम ने सोमवार को नगर निगम में ट्रेप कार्रवाई को अंजाम देते हुए नगर निगम के संविदाकर्मी अखिलेश मीणा को 10 हजार की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। मामले में सामने आया कि नगर निगम के दो संविदाकर्मी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की किश्त जारी करने की एवज में परिवादी से रिश्वत की मांग की थी। वही ट्रेप कार्रवाई की भनक लगते ही दूसरा आरोपी संविदाकर्मी नरेश वर्मा मौके से फरार हो गया, जिसकी एसीबी टीम द्वारा तलाश की जा रही है।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी कोटा विजय स्वर्णकार के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई। परिवादी ने शिकायत मे कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मकान निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त 50,000 रुपये में से नगर निगम कोटा के संविदाकर्मी अखिलेश मीणा एवं नरेश वर्मा द्वारा रिश्वत राशि की मांग की जा रही है तथा रिश्वत राशि नहीं

- **दोनों संविदाकर्मी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की किश्त जारी करने की एवज में परिवादी से रिश्वत की मांग की थी**

देने पर आगामी किश्तें स्वीकृत नहीं होने देने की धमकी दी जा रही है। एसीबी के एएसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि परिवादी द्वारा प्रस्तुत शिकायत पर 1 अक्टूबर को रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी अखिलेश मीणा द्वारा 10,000 रुपये तथा आरोपी नरेश वर्मा द्वारा 5,000 रुपये रिश्वत राशि की मांग किया जाना पाया गया।

एसीबी के एएसपी ने बताया कि रिश्वत राशि की मांग की पुष्टि होने के उपरांत पुलिस उप-अधीक्षक अनिष अहमद के नेतृत्व में ट्रेप दल द्वारा कार्रवाई की गई। ट्रेप कार्रवाई के दौरान नगर निगम के संविदाकर्मी अखिलेश मीणा को परिवादी से नगर निगम कोटा के बाहर 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। वहीं, संविदाकर्मी नरेश वर्मा ट्रेप कार्रवाई की भनक लगते ही मौके से फरार हो गया, जिसकी एसीबी टीम द्वारा तलाश की जा रही है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं पुलिस महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी अखिलेश मीणा से पूछताछ एवं अग्रिम कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्ट्राचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा तथा फरार आरोपी नरेश वर्मा की तलाश जारी हैं।

श्री अन्नपूर्णा रसोई का पूरा भुगतान करवाने की एवज में रिश्वत ली

- **तीन हजार रुपए रिश्वत लेते जिला परिषद झालावाड़ के संविदकर्मी और एमआईएस मैनेजर जयराम वर्मा को गिरफ्तार किया**

जयपुर/झालावाड़। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झालावाड़ टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए श्री अन्नपूर्णा रसोई का पूरा भुगतान करवाने की एवज में 3 हजार रुपए रिश्वत लेते जिला परिषद झालावाड़ के संविदा कर्मी और एमआईएस मैनेजर जयराम वर्मा को गिरफ्तार किया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार परिवादिया नारी शक्ति सीएलएफ के माध्यम से संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई की संचालिका है। रसोई का संचालन पुरानी तहसील, बकानी में किया जा रहा है। आरोप है कि रसोई के निरीक्षण के दौरान एमआईएस मैनेजर जयराम वर्मा ने हर माह 3 हजार रुपए रिश्वत मांगी। राशि नहीं देने पर रसोई का भुगतान कटवाने अथवा बिल पास नहीं करवाने की धमकी देने का आरोप है।

शिकायत के अनुसार आरोपी ने कथित तौर पर प्रतिदिन 10 फर्जी टोकन काटने और प्रत्येक माह की 1 से 5 तारीख के बीच 3 हजार रुपए देने की मांग की थी। परिवादिया ने रिश्वत नहीं देने और आरोपी को रंगे हाथ पकड़वाने की इच्छा जताते हुए एसीबी में शिकायत की। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा रसोई का पूर्ण भुगतान करवाने की एवज में हर माह 3 हजार रुपए रिश्वत मांगना तथा इस माह की राशि उसी दिन देने की मांग करना सत्यापित हुआ। इसके बाद ट्रैप कार्रवाई की गई।

जिस पर एसीबी झालावाड़ चौकी के पुलिस निरीक्षक साजिद खान के नेतृत्व में टीम ने जयराम वर्मा को परिवादिया से तीन हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

अलवर : रात्रि में दुकान में घुसा मगरमच्छ, लोग दहशत में

दुकान में रखी चारपाई के नीचे छिपकर बैठ गया था मगरमच्छ

वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को दुकान से बाहर निकाला।

अलवर, (निसं)। अलवर में मगरमच्छ के दुकान में घुसने का एक डरावना मामला सामने आया है। सिलीसेढ़ झील के पास बख्तपुरा बावड़ी स्टैंड स्थित नवनिर्मित छावड़ी कॉम्प्लेक्स की एक दुकान में रात के समय मगरमच्छ घुस गया। वह दुकान में रखी चारपाई के नीचे छिपकर बैठ गया। सुबह दुकान में सो रहे लोगों की नजर मगरमच्छ पर पड़ी तो अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार दुकान में चरण सिंह, जगत सिंह, उमेश, राजा और ऋषि चारपाई पर सो रहे थे। इसी दौरान चरण सिंह की नजर चारपाई के नीचे गई। वहां मगरमच्छ दिखाई देते ही सभी लोग घबरा गए और तुरंत चारपाई छोडक़र दुकान से बाहर निकल आए। देखते ही देखते घटना की जानकारी आसपास के लोगों तक पहुंच गई और ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए।

ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दी। रेंजर शंकर सिंह शेखावत के निर्देश पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में रघुवीर गुर्जर, वनपाल सिंबू सिंह शेखावत, चरण सिंह और सुंदर सिंह शामिल रहे। टीम ने पहले लोगों को मगरमच्छ से सुरक्षित दूरी पर किया और इसके बाद सावधानी के साथ मगरमच्छ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मगरमच्छ चारपाई के नीचे होने के कारण उसे बाहर निकालना आसान नहीं था। काफी मशक्कत के बाद सरिए की मदद से मगरमच्छ को चारपाई के नीचे से बाहर निकाला गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने उसे सावधानीपूर्वक दुकान से बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान आसपास मौजूद लोगों को दूर रखा गया, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। इस पूरे अभियान में रघुवीर गुर्जर ने अपनी जान जोखिम में डालकर मगरमच्छ को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई। टीम की सतर्कता और ग्रामीणों के सहयोग से मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से सिलीसेढ़ झील में वापस छोड़ दिया गया।

मगरमच्छ के झील में पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने लोगों से अपील की कि आबादी क्षेत्र में मगरमच्छ या कोई अन्य वन्यजीव दिखाई दे तो उसके पास जाने या उसे पकड़ने की कोशिश नहीं करें। इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि वन्यजीव को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जा सके। सिलीसेढ़ झील के आसपास वन्यजीवों की आवाजाही को देखते हुए ग्रामीणों से सतर्क रहने को कहा गया है। इस घटना में समय रहते सूचना मिलने और वन विभाग की टीम के पहुंचने से मगरमच्छ को बिना नुकसान पहुंचाए उसके प्राकृतिक आवास में वापस पहुंचाया जा सका।

शादी के नाम पर अजमेर के युवक से लाखों की ठगी

अजमेर, (निसं)। माकड़वाली रोड स्थित बलदेव नगर निवासी एक युवक के साथ शादी कराने के नाम पर करीब 2 लाख 30 हजार रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने मामले को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर न्याय दिलाने तथा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पीड़ित युवक संजयने बताया कि कुछ समय पहले उसकी एक व्यक्ति से जान-पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान उक्त व्यक्ति ने शादी कराने की बात कही और इसके बाद उसे एक युवती दिखाई गई। शादी के लिए सहमति बनने के बाद आरोपित व्यक्ति द्वारा शादी के खर्च सहित अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर उससे करीब 2 लाख 30 हजार रुपये ले लिए गए।

संजय के अनुसार, इसके बाद मंदिर में युवती के साथ उसकी शादी करवा दी गई। शादी के बाद युवती कुछ दिनों तक उसके साथ ससुराल में रही। पीड़ित का आरोप है कि कुछ समय बाद किसी बात को लेकर युवती ने परिवार के सदस्यों से विवाद किया और ससुराल छोड़कर चली गई। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि युवती के चले जाने के बाद जब उसने संबंधित लोगों से संपर्क कर मामले का समाधान कराने और अपने रुपये वापस दिलाने की मांग की, तो उसे कथित रूप से धमकाया जाने लगा। संजय का कहना है कि शादी के नाम पर उससे बड़ी रकम लेने के बावजूद अब न तो युवती उसके साथ रह रही है और न ही उसकी रकम लौटाई जा रही है। पीड़ित युवक ने पुलिस की ओर से की जा रही जांच को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उसका आरोप है कि मामले में अब तक उसे अपेक्षित न्याय नहीं मिल पाया है।

बाइक चोरी के दो आरोपियों को पकड़ा

अजमेर, (निसं)। क्लॉक टावर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज और अरुण के रूप में हुई है। हैड कांस्टेबल भरत सिंह ने बताया कि क्लॉक टावर थाना क्षेत्र से बाइक चोरी की वारदात सामने आई थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें दोनों आरोपी बाइक चोरी करते हुए नजर आए। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की।

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने पिछले दिनों रामगंज थाना क्षेत्र में चेन स्नैचिंग की वारदात को भी अंजाम दिया था।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर कर सवीना थाना इलाके मे सोमवार सुबह ट्रक ने एक महिला को कुचल दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से परिजन और आसपास के लोग आक्रोशित हो गए और विरोध पर उतर आये। गुस्साए लोगों ने ट्रक के केबिन में आग लगा दी। रोड पर एकत्रित होकर प्रदर्शन किया और पुलिस पर देरी से पहुंचने का भी आरोप लगाया। हादसा तीतरडी गुप्तेश्वर रोड पर सुबह करीब 8 बजे का है।

सूचना पर सवीना थानाधिकारी दलबीर सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक ड्राइवर को आक्रोशित भीड़ से सुरक्षित निकाल अपने कब्जे में लिया। लोगों से समझाइश कर मामला शांत करवाया। थानाधिकारी ने बताया कि महिला निर्मला साहू (48) पति कन्हैयालाल साहू निवासी तीतरडी की हादसे में मौत हो गई है। ट्रक तीतरडी गांव में आ रहा था। इस दौरान तीतरडी गुप्तेश्वर रोड पर सामने से आ रही स्कूटी सवार महिला को टक्कर मार दी। महिला घटनास्थल के पास की ही रहने वाली थी। उनके परिजन और आ पास के लोग मौके पर पहुंचे। घटना के खिलाफ विरोध जताते लगे। जिस परिवार ने ट्रक ड्राइवर को संरक्षण दिया। उस पर भी हमले की कोशिश की गई। पुलिस ने ड्राइवर को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। इधर घटना को लेकर महिला के परिजन एमबी अस्पताल के मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन कर रहे है। परिजनों के मांग है कि महिला ही घर का निर्वहन करती थी घटना के कारण परिवार कि आर्थिक स्थिति खराब हो गई है, इसलिए 50 लाख रुपयों का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा ट्रक ड्राइवर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

दो प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया

अलवर, (निसं)। उपभोक्ता हितों की सुरक्षा हेतु विधिक माप विज्ञान अधिनियम एवं नियम के तहत औचक निरीक्षण कर दो प्रतिष्ठानों पर 15 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी बृजेश सेठी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान तुलना यंत्र असत्यापित पाए जाने पर एमपी फूड प्रोडेक्ट पर 10 हजार रूपये एवं न्यू बाबा ठाकुरदास एंड संस पर 5 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया तथा दो अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने पर पाया गया कि भैरू बक्श स्वीट्स एवं कन्हैया स्वीट्स द्वारा सभी नियमों एवं धाराओं की अनुपालना की जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगामी दिवसों में भी जारी रहेगी। दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरूद्ध सख्त कानून कार्रवाई की जाएगी।

DY. CONSERVATOR OF FOREST WILDLIFE JAIPUR

File No.F()Store/DcfWL/2026-27/Rajkaj Ref.No.24666964 Date 23.09.26

Notice Inviting Bid-18/2026-27

Construction of Pucca Wall at Forest P.R. Ki Khan to Bhairu Radi Jungle Village Thali Naka Sankotra Range Ajabgarh 500rmt are invited from interested bidders from 24.09.2026 (5:00 P.m.) to 05.10.2026 (12:00p.m. noon). Other particulars of the bid may be visited on the SPPP portal (http://sppp.raj.nic.in) on the state; and https://forest.rajasthan.gov.in departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 2204944/-

UBN FOR2627ESOB02560

Dy. Conservator of Forest
Wildlife Jaipur

DIPR/C/17072/2026

कार्यालय नगर पालिका पीपाड़ शहर (जोधपुर) राज.

Office of the Municipal Board, Pipar city (Jodhpur) Rajasthan
Tel.- (02930) 233036, e-mail : municipality.pipar@gmail.com

क्रमांक : न.पा.पी./2026-27/7271 दिनांक 01.10.2026

NOTICE INVITING BIDS

Bid for Various Annual Rate Contract Work of procurement are invited from interested Bidders upto 22.10.2026 , 05.00 Pm other perticulars of the bid amy be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) (http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state, and local self department website.

NIB CODE :- DLB2627A8101
UBN:- DLB2627SLOB20913,914,915,916. |

Executive Officer
Municipal Board Pipar City

Raj.Samwad/C/26/11293

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 24803008 दिनांक :- 30/09/2026

ई-निविदा सूचना संख्या :- जोन दक्षिण-ए/01/2026-27

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- JOD2627A0195
UBN No.:- JOD2627WSOB00363

राज.संवाद/सी/26/11209 अधिशाषी अभियंता (दक्षिण - ए)

OFFICE OF THE PRINCIPAL

RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033 Ph.: 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2026-27/8138 Date :- 30/09/2026

ई-निविदा सूचना

राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय जयपुर की ओर से, पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता संस्था/एजेन्सी/संवेदक से आयुर्विज्ञान महाविद्यालय परिसर में जॉब बेसिस (कार्य आधार) पर बागवानी संबंधी सेवा एक वर्ष के लिए आमंत्रित किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि 13 लाख रू.) (CMS2627SLOB00057)

1.	Bid Download Start Date/Time	30/09/2026 at 05:00 PM
2.	Bid Submission Start Date/Time	30/09/2026 at 05:00 PM
3.	Bid Submission End Date/Time	12/10/2026 at 05:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	13/10/2026 at 03:00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/26/11213 Principal

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नवलगढ़ (झुन्झुनूं)

क्रमांक : न.पा.न./भूमि/2026-27/3948 दिनांक : 01.10.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27

कुल कार्यों की संख्या	01
निविदा की कुल लागत (लाखों में)	24.00 लाख
कुल धरोहर राशि 02 प्रतिशत् (रुपये में)	48000/-रूपयें
कुल धरोहर राशि ½ प्रतिशत् (रुपये में)	12000/-रूपयें
निविदा डानलोड करने की तिथि	01.10.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा जमा करने की तिथि	01.10.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	13.10.2026 को दोपहर 02.00 बजे बाद
निविदा कॉपी/मूल दस्तावेज जमा कराने की तिथि	13.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे से पहले

निविदा सूचना एवं निविदा सूची इंटरनेटर साईट http://sppp.raj.nic.in वेबसाईट पर NIB Code DLB2627A8097 के UBN No. से DLB2627SLOB20908 पर भी देखी जा सकती है तथा शेष शर्ते RPPT एक्ट 2013 के अनुसार होगी।

राज.संवाद/सी/26/11244 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

बाल वाटिका पत्रिका के वार्षिक अधिवेशन में 13 साहित्यकार सम्मानित

भीलवाड़ा में आयोजित 27वें वार्षिक अधिवेशन में साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

जयपुर/भीलवाड़ा। बाल साहित्य की प्रतिष्ठित पत्रिका 'बाल वाटिका' के भीलवाड़ा में आयोजित 27वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह एवं विचार गोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों से आए 13 बाल साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 10 राज्यों के साहित्यकारों की सहभागिता रही। अधिवेशन का आयोजन बाल वाटिका के संस्थापक

- **आशा पाण्डेय ओझा आशा को 'गंगा दुलारी शुक्ला स्मृति बाल साहित्य सम्मान' मिला**

एवं प्रधान संपादक डॉ. भैरूंलाल गर्ग के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर उदयपुर की वरिष्ठ साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा को बाल साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'गंगा दुलारी शुक्ला स्मृति बाल साहित्य सम्मान' प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें 11,000 की राशि, सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। यह सम्मान डॉ. प्रदीप शुक्ल, लखनऊ के सौजन्य से प्रदान किया गया।

सम्मानित होने वाले अन्य साहित्यकारों में दिल्ली के बालस्वरूप राही को जयप्रकाश भारती शिखर सम्मान, उत्तर प्रदेश के डॉ. मोहम्मद अरशद खान को आनंद प्रकाश जैन शिखर सम्मान, पंजाब की सकीर्ति भटनागर को वैभव कालरा स्मृति बाल साहित्य सम्मान, गुजरात के श्यामलपट पाण्डेय को श्यामसुंदर नागला स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान, मध्यप्रदेश की नीना सिंह सोलंकी को गंगा बाई शर्मा स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान, बीकानेर के मदनगोपाल लढ़ा को लोककवि मोहन मंडेला स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान, छत्तीसगढ़ के गिरिश पंकज को छगननाथ व्यास स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान तथा हरियाणा के डॉ. अशोक बैरागी को टम्मू देवी-सवाईराम प्रजापति स्मृति राष्ट्रीय बालवाटिका सृजन सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में बाल साहित्य के विविध पक्षों पर विचार गोष्ठी भी आयोजित हुई, जिसमें साहित्यकारों ने वर्तमान समय में बाल साहित्य की भूमिका, बाल मनोविज्ञान, संस्कार एवं जीवन-मूल्यों से जुड़े साहित्य की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। देश के विभिन्न अंचलों से आए साहित्यकारों की उपस्थिति ने अधिवेशन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

इस अवसर पर मंच पर अनेक साहित्यकार एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. भैरूंलाल गर्ग ने सभी सम्मानित साहित्यकारों को शुभकामनाएँ देते हुए बाल साहित्य को नई पीढ़ी के संस्कार एवं संवेदनशील निर्माण का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम में साहित्यकारों, बाल साहित्य प्रेमियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों ने सहभागिता की।

झुंझुनूं में 597 ठिकानों पर दबिश, 127 गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए झुंझुनूं पुलिस ने जिलेभर में एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। अलसुबह शुरू हुए अभियान में पुलिस की 68 टीमों के 317 अधिकारी एवं पुलिसकर्मियों ने जिले के 597 ठिकानों पर दबिश दी। अचानक और व्यापक स्तर पर हुई कार्रवाई से वांछित अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों, गैंगस्टर्स एवं संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत ने की।

अभियान में पुलिस ने अलग-अलग श्रेणियों में कुल 127 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 12 प्रकरण दर्ज किए।

पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान आर्म्स एवं एनडीपीएस एक्ट में एक गिरफ्तारी वारंटी, आबकारी एक्ट में वांछित 3 आरोपी, हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती जैसे जघन्य अपराधों में वांछित 3 अपराधी पकड़े गए। वहीं स्थाई वारंटी, उद्घोषित अपराधी एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 335 से संबंधित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार एक हार्डकोर अपराधी, सक्रिय हिस्ट्रीशीटर, मादक पदार्थ तस्कर, 3 इनामी अपराधी, सामान्य प्रकरणों में वांछित 13 आरोपी, शांतिभंग के मामले में 62 आरोपी तथा अन्य मामलों में 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

महिला की संदिग्ध मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती झंवर स्थित कराणी गांव में सोमवार की सुबह एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके फंदा लगाने का संदेह जताया जाता है। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। दोपहर बाद शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। महिला की शादी को चार साल होना बताया जाता है। फिलहाल पुलिस की तरफ से अग्रिम अनुसंधान जारी है। झंवर पुलिस थाने के एसआई देवाराम ने बताया कि कराणी गांव निवासी 23 साल की भाज्यवती उर्फ तीजा पत्नी अशोक जाट की मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। इस पर पुलिस अस्पताल पहुंची।

न्यू सांगानेर रोड पर जेडीए ने शुरू की तोड़फोड़

राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर 100 फीट सड़क सीमा से अतिक्रमण हटाने पहुंचे बुलडोजर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड पर सोमवार सुबह जेडीए का प्रवर्तन दस्ता अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो दुकान-मकान टूटने की आशंका से कई पीड़ितों की आंखों से आंसू छलक पड़े। मेट्रो से अजमेर रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर बड़ी संख्या में महिलाएं जुटीं और जेडीए कार्रवाई का विरोध करते हुए नारेबाजी की। महिलाओं ने दीपावली से पहले कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुकान-मकान टूटने से लोग बेरोजगार और बेघर हो जाएंगे।

जेडीए प्रवर्तन शाखा ने हाईकोर्ट के

■ **महिलाओं ने किया कार्रवाई का विरोध, तोड़फोड़ देखकर लोगों की आंखों में आंसू छलके**

आदेशों की पालना में जोन-सी क्षेत्र में गुर्जर की थड़ी से सोडाला की ओर करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में 100 फीट सड़क सीमा के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण हटाए। जेसीबी और मजदूरों की मदद से सड़क सीमा में बने चबूतरे, सीढ़ियां सहित अन्य अतिक्रमण ध्वस्त किए गए। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदार खुद भी अतिक्रमण हटाते नजर आए। अतिरिक्त पुलिस बल, स्थानीय पुलिस जाप्ते तथा राजस्व एवं तकनीकी स्टाफ की मौजूदगी में कार्रवाई की गई।

जेडीए प्रशासन ने न्यू सांगानेर रोड पर गुर्जर की थड़ी से सोडाला की ओर जाने वाले मार्ग पर करीब एक कि.मी. क्षेत्र में 100 से ज्यादा अतिक्रमण ध्वस्त किये। इस दौरान प्रभावितों ने कार्रवाई का विरोध किया।

आज कोर्ट में जवाब पेश होगा, इसलिए मंगलवार को नहीं होगी तोड़फोड़

जेडीए उपमहानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि मंगलवार को न्यायालय में जवाब पेश किया जाना है, इसलिए कार्रवाई नहीं होगी। आगे की कार्रवाई का कार्यक्रम जल्द तैयार किया जाएगा। उन्होंने न्यू सांगानेर रोड पर लगे जेडीए ट्रिब्यूनल के स्थगन आदेश वाले पोस्टरों की जानकारी से अनभिज्ञता जताते हुए मामले की जांच कराने की बात कही।

कई दुकान-मकान व होटलों के बाहर स्टे के पोस्टर बने चर्चा का विषय

इस 100 फीट सड़क पर जहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होनी हैं, वहां पर कई दुकान, मकान और होटल के बाहर जेडीए ट्रिब्यूनल के स्थगन आदेश के पोस्टर लगे दिखाई दिए। करीब तीन-चार स्थानों पर लगे इन पोस्टरों को लेकर भी दिनभर चर्चा रही। कार्रवाई सुबह करीब 8.30 बजे शुरू हुई और दोपहर बाद तक चली। इससे पहले सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा मौके पर पहुंचे और पीड़ितों की परिवेदनाएं सुनीं। उन्होंने कहा कि वे पीड़ितों के दुख-दर्द में हमेशा साथ खड़े रहेंगे और न्यायपूर्ण प्रक्रिया के लिए हर स्तर पर प्रयास जारी रखेंगे।

सड़क चौड़ी होगी या फिर रोजी-रोटी उजडेगी : खंडेलवाल

जयपुर। सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक न्यू सांगानेर रोड के चौड़ीकरण की कार्रवाई को लेकर व्यापारियों और स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ गई है। दुकानों और मकानों पर लगाए जा रहे लाल निशानों से वर्षों से कारोबार कर रहे परिवारों के सामने रोजी-रोटी और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। प्रभावित व्यापारी मुआवजे और पुनर्वास की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण और यातायात सुधार जरूरी हो सकते हैं तथा न्यायालय के आदेशों की पालना भी आवश्यक है, लेकिन विकास के साथ प्रभावित परिवारों के भविष्य की सुरक्षा भी सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दुकानों में वर्षों की मेहनत, जमा पूंजी और परिवारों का भविष्य जुड़ा है।

खंडेलवाल ने मांग की कि कार्रवाई से पहले प्रत्येक प्रभावित दुकान-मकान का पारदर्शी सर्वे कर दस्तावेजों की जांच की जाए तथा पात्र लोगों को उचित मुआवजा दिया जाए। प्रभावित व्यापारियों को वैकल्पिक दुकान और परिवारों को उचित आवास एवं पुनर्वास की व्यवस्था मिले। उन्होंने ''दुकान के बदले दुकान और घर के बदले घर'' जैसी व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में कार्रवाई की आशंका से छोटे और मध्यम व्यापारियों की परेशानी बढ़ी है। सरकार स्पष्ट करे कि प्रभावित लोगों को कितना मुआवजा, कहां पुनर्वास और कारोबार दोबारा स्थापित करने में क्या सहायता मिलेगी।

राजलक्ष्मी बैंक लोन घोटाले में 8 साल से फरार दंपती गिरफ्तार

माणकचौक थाना पुलिस ने दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपए का फर्जी ऋण हड़पने वाले दंपती को गिरफ्तार किया।

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने दी राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपए के ऋण हड़पने के मामले में करीब आठ साल से फरार चल रहे दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपी प्रकाश भारद्वाज (54) और उसकी पत्नी निशा भारद्वाज (48) प्रताप नगर सांगानेर निवासी हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने निवास और ठिकाने बदल रहे थे। जिस पर थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर तंत्र की मदद से सादा कपड़ों में निगरानी रखी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां जयपुर शहर की ओर से वर्ष 2018 में कराई गई धारा 55 की जांच में बैंक में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी का खुलासा हुआ था। इसके बाद बैंक के तत्कालीन ऋण प्रभारी सादत अली ने 28 सितंबर 2018 को माणकचौक थाने में मामला दर्ज कराया था। इस मामले में बैंक की तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. फिरोजा बानो, तत्कालीन बैंक अधिकारी-कर्मचारी, ऋणी, गारंटर, मूल्यांकक और अधिवक्ताओं सहित कुल 59 नामजद आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि फर्जी सोसायटियों के पट्टे और विवादित अथवा फर्जी संपत्तियों के दस्तावेज बैंक में गिरवी रखकर नियमों के विपरीत 13 ऋण खाते स्वीकृत करवाए गए।

नकबजनी के आरोपी की निशानदेही पर चोरी की 4 बाइक बरामद की पुलिस ने

जयपुर। फुलेरा पुलिस ने नकबजनी और वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी ने जयपुर शहर, रींगस, खाटूश्यामजी और कोटा सहित विभिन्न इलाकों से वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि नकबजनी के मामले में पुलिस ने विशाल गवारिया (21) निवासी भैरूं की ढाणी, ईटावा को 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त जयपुर जंक्शन से चोरी की गई बाइक आरजे 14 जेआर 6036 पहले ही बरामद की जा चुकी थी।

पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर ईटावा स्थित पुरानी बंद स्कूल की चारदीवारी के पास बबूल की झाड़ियों में छिपाकर रखी चार बाइकें बरामद की गईं। इनमें दो एचएफ डीलक्स और दो स्प्लेंडर प्लस शामिल हैं। बरामद बाइक के नंबर आरजे 20 एनएस 2115, आरजे 23 आरएस 4564, आरजे 23 बीएस 9043 और आरजे 23 एएस 1650 हैं। पुलिस ने इन्हें धारा 106 बीएनएसएस के तहत जब्त किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा और वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश जोशी के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। बाइक बरामदगी में कांस्टेबल महेश कलवानिया की विशेष भूमिका रही।

फर्जी फूड इंस्पेक्टर बनकर भारी डिस्काउंट मांगने वाला गिरफ्तार

मिठाइयों में शिकायतें बताकर एलएमबी के मालिक को धमकाया, माणक चौक पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में पकड़ा

जयपुर। जौहरी बाजार स्थित लक्ष्मी मिष्ठान भंडार (एलएमबी) में रविवार को खुद को फूड इंस्पेक्टर बताकर मिठाइयों पर भारी डिस्काउंट मांगने वाले 33 वर्षीय युवक को माणक चौक थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने मिठाइयों की लगातार शिकायतें आने का हवाला देकर एलएमबी संचालक पर कम कीमत में मिठाई देने का दबाव बनाया और फोन पर गाली-गलौज भी की।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी आरोपी रविवार को पत्नी और सास के साथ जयपुर घूमने आया था। दोपहर करीब 11.30 बजे वह एलएमबी पहुंचा और पहले मिठाइयों के भाव पूछे। इसके बाद काउंटर कर्मचारियों से छूट की मांग की। बात नहीं बनी तो उसने खुद को फूड इंस्पेक्टर बताते हुए एलएमबी मालिक से बात कराने के लिए दबाव बनाया। फोन पर उसने मिठाइयों को लेकर शिकायतें मिलने की बात कहते हुए कम कीमत में मिठाई देने का दबाव बनाया। बातचीत पर संदेह होने पर एलएमबी संचालक ने माणक चौक थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को पकड़कर पूछताछ की। पूछताछ में उसके फूड इंस्पेक्टर होने का दावा झूठा निकला।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि दुकान पर पहुंचने से पहले उसने एक ग्राहक को किसी अधिकारी का नाम लेने पर छूट में मिठाई मिलते हुए सुना था। इसी से प्रभावित होकर उसने खुद को फूड इंस्पेक्टर बताकर भारी छूट में मिठाई लेने की योजना बनाई। हालांकि बात बिगड़ने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

आरोपी को शांतिभंग के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। सोमवार दोपहर उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से जमानत पर रिहा कर दिया गया। आरोपी के पकड़े जाने तक बाहर इंतजार कर रही पत्नी और सास को पहले लगा कि एलएमबी में विवाद होने पर पुलिस उसे ले गई है। थाने पहुंचने पर फर्जी फूड इंस्पेक्टर बनने की बात सामने आई तो दोनों भी हैरान रह गईं।

मुख्य सचिव ने किया जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर थाने का निरीक्षण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्थित साइबर अपराध थाने का निरीक्षण कर साइबर अपराधों से निपटने की तैयारियों और कार्रवाई की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि साइबर ठगी में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलते ही पुलिस, बैंक और संबंधित एजेंसियों के बीच तत्काल समन्वय कर ठगी की राशि सुरक्षित कराने की कार्रवाई शुरू होनी चाहिए।

उन्होंने 1930 से शिकायत दर्ज होने से लेकर बैंक खाते पर कार्रवाई तक की प्रक्रिया को और तेज करने, संदिग्ध खातों की पहचान तथा ठगी की रकम का धन प्रवाह पता लगाने पर जोर दिया। साथ ही बैंकिंग संस्थाओं के साथ बेहतर तालमेल और शिकायत से खाते पर कार्रवाई तक लगने वाले समय का नियमित विश्लेषण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने साइबर थाने में शिकायत, एफआईआर, डिजिटल साक्ष्य संकलन व जांच की प्रक्रिया की जानकारी ली और तकनीकी संसाधन बढ़ाने तथा कार्मिकों के नियमित प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने अभय कमांड सेंटर का भी दौरा किया, जहां पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने 1930 और 112 कॉल सेंटर के संचालन की जानकारी दी।

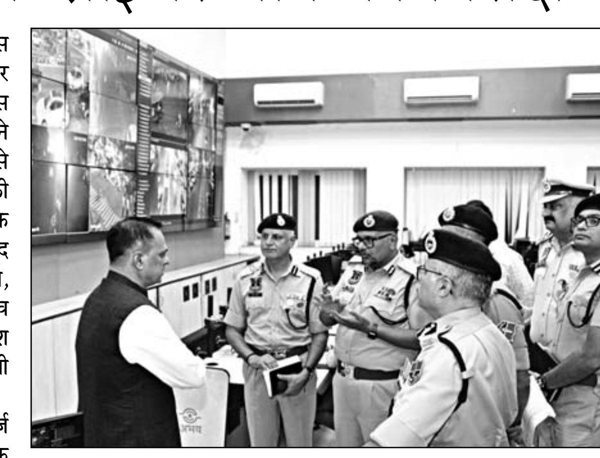

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को साइबर अपराध थाने का निरीक्षण किया।

■ **वी. श्रीनिवास ने कहा कि ''साइबर ठगी में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलते ही पुलिस, बैंक और संबंधित एजेंसियों के बीच तत्काल समन्वय कर ठगी की राशि सुरक्षित कराने की कार्रवाई शुरू होनी चाहिए।''**

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि साइबर अपराध नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित कार्मिक और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ पुलिस व संबंधित एजेंसियों के समन्वय को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने शिकायत से लेकर राशि सुरक्षित कराने और जांच पूरी होने तक समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीजी साइबर क्राइम वी.के. सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर एयरपोर्ट के 5 कि.मी. दायरे में लेजर लाइट पर प्रतिबंध

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा और विमानों के सुरक्षित आवागमन को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने एयरपोर्ट की सीमा से 5 किलोमीटर की परिधि में लेजर लाइट और अन्य तेज प्रकाश वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) अजय सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत यह निषेधाज्ञा जारी की है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के अनुसार एयरपोर्ट के आसपास स्थित विवाह स्थलों, होटलों, मैरिज गार्डन और अन्य आयोजन स्थलों पर समारोह के दौरान तेज लेजर या बीम लाइट का इस्तेमाल किया जाता है। आसमान में दूर तक जाने वाली इन रोशनियों से विमानों के उतरने और उड़ान भरने के दौरान पायलटों की दृश्यता प्रभावित होने तथा उनका ध्यान भटकने की आशंका रहती है। इससे विमान दुर्घटना और जनहानि का खतरा पैदा हो सकता है। इस आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा भारत सरकार द्वारा जारी राजपत्र में निर्धारित नियमों के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 283,285 तथा वायुयान अधिनियम, 1934 की संबंधित धाराओं के तहत भी कार्रवाई का प्रावधान है। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से 5 अक्टूबर को जारी आदेश क्रमांक 264 के अनुसार प्रतिबंध 6 अक्टूबर से 4 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। हालांकि इसे इससे पहले भी निरस्त किया जा सकता है।

438 महिला कांस्टेबलों ने ली देश और जनसेवा की शपथ

राजस्थान पुलिस अकादमी में बैच-102 का दीक्षांत समारोह आयोजित

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में सोमवार को नवप्रशिक्षित कॉन्स्टेबल के बैच-102 का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित हुआ। पासिंग आउट परेड में प्रदेश के विभिन्न शहरों, गांवों और ढाणियों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 438 महिला कॉन्स्टेबल ने देश और जनसेवा की शपथ ली। परिजनों की तालियों और भावुक माहौल के बीच महिला कॉन्स्टेबल ने मार्च पास्ट किया।

परेड कमांडर प्रियंका बेनीवाल के नेतृत्व में मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं आरपीए निदेशक संजीब कुमार नार्जारी ने नवप्रशिक्षित कॉन्स्टेबल को शपथ दिलाई। डीजीपी ने कहा कि पुलिस की वर्दी को केवल बल के रूप में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम मानें।

डीजीपी ने कहा कि गृह मंत्रालय के नए मॉडल सिलेबस के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया है। पुलिसकर्मियों को नए आपराधिक कानूनों का गहन अध्ययन करने और अनुसंधान में डिजिटल साक्ष्यों का अधिकतम उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी, पेपरलीक और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है।

सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर एवं ड्रिल में प्रियंका बेनीवाल, सर्वश्रेष्ठ इंडोर प्रशिक्षण में राशिका मीना, आउटडोर में भारती शर्मा, फायरिंग में निधि शेखावत और कंप्यूटर विषय में रविना को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक निरीक्षक नितेश शर्मा और पुलिस निरीक्षक मीना वर्मा रहे।

आरपीए में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया।

परेड कमांडर प्रियंका बेनीवाल तथा प्लाटून कमांडर भारती शर्मा, पूजा जाट, राशिका मीना, तनुश्री माली, निधि शेखावत, प्रिया यादव, सुमन कुमावत और किरण मीणा को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

छह पुलिसकर्मियों को डीजीपी डिस्क

उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए रावतसर थाने के विकास कुमार सहारण, नदी में डूब रही महिला को बचाने के लिए दीपक लबाना, नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में योगदान के लिए सुरेश कुमार, पुलिस बैंड व कैवलरी शो में योगदान के लिए सुरेश चंद्र तथा गंभीर महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जीवन बचाने के लिए अनिल कुमार योगी और सुरेंद्र सिंह गुर्जर को डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया गया। समारोह में एडीजीपी प्रशिक्षण एच.जी. राघवेन्द्र सुहासा, डीजीपी कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल, एडीजीपी अपराध शाखा बिपिन पाण्डेय, एडीजीपी कानून-व्यवस्था वी.के. सिंह सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शादी के बाद गहने-कैश लेकर फरार हुई दुल्हन

जयपुर। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में शादी के बाद दुल्हन के गहने और नकदी लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक का आरोप है कि दुल्हन को वापस भेजने का भरोसा देकर आरोपियों ने उससे ऑनलाइन रुपए भी ट्रांसफर करवाए, लेकिन बाद में लगातार टालमटोल करते रहे। परेशान होकर पीड़ित ने न्यायालय से आदेश करवाकर रविवार शाम शिवदासपुरा थाने में मामला दर्ज कराया।

एएसआई घनश्याम मीना ने बताया कि क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय युवक ने रिपोर्ट दी है। उसके अनुसार तीनों आरोपी उसके परिचित हैं। बातचीत के दौरान आरोपियों को पता चला कि उसकी शादी नहीं हुई है। उन्होंने शादी करवाने का झांसा देकर रिश्ता कराने के बदले तीन लाख रुपए मांगे। सौदा तय होने पर दिल्ली से एक युवती को बुलाकर उसे दिखाया गया। पसंद आने पर रिश्ता तय हुआ और दो लाख रुपए नकद ले लिए गए। युवती और उसकी मां ने शादी के लिए सहमति दी। पीड़ित के अनुसार मई 2026 में आरोपियों ने शेष एक लाख रुपए भी ले लिए। शादी का सहमति पत्र तैयार करवाने और अन्य खर्च के नाम पर करीब 25 हजार रुपए और लिए गए। इसके बाद युवती उसके साथ ससुराल में रहने लगी। पीड़ित का आरोप है कि 21 जुलाई की रात परिवार के खाना खाने के बाद सोने चले जाने पर युवती देर रात अलमारी से सोने का मंगलसूत्र, टॉप्स, लौंग, राखड़ी सेट, चांदी की पायजेब और 35 हजार रुपए लेकर फरार हो गई।

सुबह उठने पर युवती के नहीं मिलने पर तलाश की गई। अलमारी जांचने पर गहने और नकदी गायब मिले। इसके बाद पीड़ित ने परिचित आरोपियों से संपर्क किया। आरोप है कि उन्होंने युवती को वापस भेजने का भरोसा देकर चार हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए, लेकिन इसके बाद भी लगातार टालमटोल करते रहे।

सार-समाचार

पार्क में लटका मिला ऑटो चालक का शव

जयपुर। खोह-नागोरियान थाना क्षेत्र में आगरा रोड पर प्रेम नगर पुलिया के पास स्थित एक सार्वजनिक पार्क में ऑटो चालक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सोमवार सुबह जब क्षेत्रवासी पार्क में टहलने पहुँचे, तो लोहे के एंगल से रस्सी के सहारे युवक का शव लटका मिला। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के जेएनयू अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। थानाधिकारी सुनील गोदारा के बताए अनुसार मृतक की पहचान मूलतः करौली के सपोटरा निवासी हेमंत राणा (35) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में गोनेर रोड स्थित सुंदर विहार कॉलोनी में परिवार संग रहता था और जयपुर में ऑटो रिक्शा चलाकर अपना गुजारा करता था। परिजनों ने बताया कि वह रविवार शाम को रोजाना की तरह ऑटो लेकर काम पर निकलने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। सोमवार तड़के पार्क में टहलने आए स्थानीय लोगों की नजर जब लोहे के एंगल पर लटके शव पर पड़ी, तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाकर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए जेएनयू अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया गया। शुरुआती छानबीन में मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है।

कुलगुरु बी.पी.सारस्वत का अभिनंदन

जयपुर। विप्र फाउंडेशन की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलगुरु भगवती प्रसाद (बीपी) सारस्वत का अभिनंदन किया गया। फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें साफा पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतीश शर्मा, जयपुर जोन अध्यक्ष राजेश कर्नल, संगठन महामंत्री धर्मेंद्र शर्मा, सह राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, जिला महामंत्री कमल शर्मा, अशोक पारीक सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन-संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को पर्यटन भवन में विभागीय योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पर्यटन विभाग शासन सचिव शुचि त्यागी, पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ सहित पुरातत्व, कला-संस्कृति और आरटीडीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महाराणा प्रताप सर्किट, आमेर मास्टर प्लान सहित प्रमुख परियोजनाओं, कार्ययोजनाओं और बजट घोषणाओं की वित्तीय प्रगति व क्रियान्वयन की जानकारी दी। बैठक में पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, विरासत संरक्षण, पर्यटन अवसंरचना, डिजिटल पर्यटन, प्रचार-प्रसार, आरटीडीसी परिसंपत्तियों के पुनरोद्धार और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दिया कुमारी ने पर्यटन निवेश को सुगम बनाने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था प्रभावी करने के निर्देष दिए।

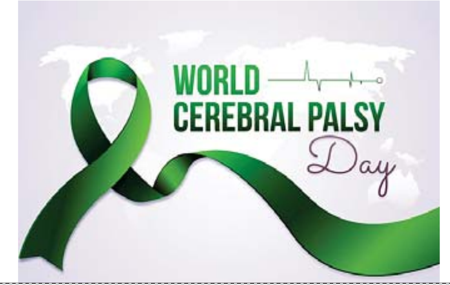

World Cerebral Palsy Day

World Cerebral Palsy Day is observed every year on October 6 to raise awareness about cerebral palsy and promote inclusion for people with disabilities. Cerebral palsy is a neurological condition that affects movement, posture, and coordination. This day reminds us that people with cerebral palsy have the same rights, dreams, and abilities as everyone else. It encourages society to provide equal opportunities, accessible education, healthcare, and employment. We should respect and support people with cerebral palsy and appreciate their achievements. World Cerebral Palsy Day teaches us to create a kinder, more inclusive world where everyone can participate, grow, and live with dignity.

#MYTH

History or Folklore

The Dark Myth Behind "Jack and Jill"

Interpretation links the rhyme to the French Revolution. "Jack" represents King Louis XVI, while "Jill" symbolizes Marie Antoinette

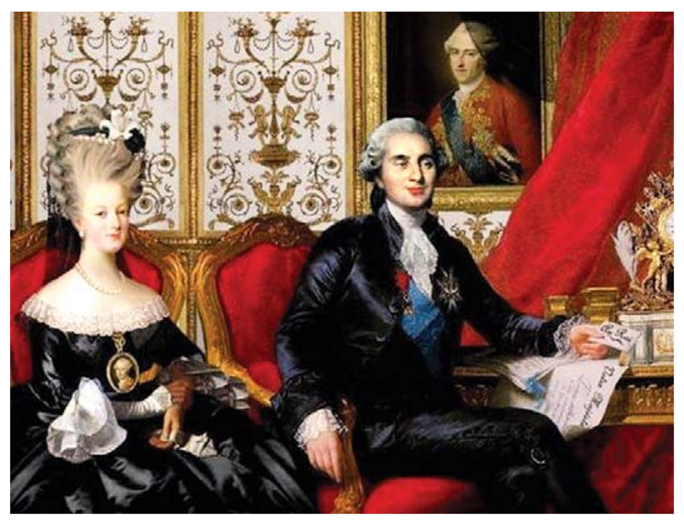

The nursery rhyme "Jack and Jill went up the hill to fetch a pail of water" is one of the most familiar verses in the English-speaking world. At first glance, it appears to be a simple and innocent rhyme about two children and an unfortunate fall. However, over time, many theories have emerged suggesting that the rhyme may hide a darker historical meaning.

One popular interpretation links the rhyme to the dramatic events of the French Revolution. According to this theory, "Jack" represents King Louis XVI, while "Jill" symbolizes Marie Antoinette.

During the revolution, Louis XVI was overthrown as the monarchy collapsed. In 1793, he was executed using the guillotine, a machine designed for swift beheading. His death marked a turning point in French history, as it symbolized the end of absolute monarchy. Roughly nine months later, Marie Antoinette met the same fate, executed publicly before large crowds who gathered to witness the event.

Supporters of this theory suggest that the line "went up the hill" refers to the condemned being led to the execution platform, which was often elevated. "Jack fell down and broke his crown" is interpreted as the king losing his "crown," both, literally his head and figuratively his power. "Jill came tumbling after" is then seen as a reference to the queen's later execution.

An even darker interpretation claims that "fetch a pail of water" symbolically refers to collecting blood beneath the guillotine, as crowds watched the executions. According to this view, the rhyme may have been used as subtle anti-French propaganda, reflecting the shock and fascination that these events inspired across Europe.

The theory connecting "Jack and Jill" to Louis XVI and Marie Antoinette offers a dramatic and chilling perspective. However, its true origin remains uncertain, caught somewhere between history, myth, and imagination.

And of course, the biggest dilemma is letting go of a position of power. A top bureaucrat retiring and stepping away from the limelight overnight; a politician asked to vacate his seat for an alliance partner. It can be emotionally difficult to accept this sudden shift in identity.

The Sense In To Let Go...

#DECISIONS

Shashank Kaurani

From small decisions, like discarding a worn-out shirt gifted by an old friend, to major ones, like walking away from a burdensome relationship at some point or the other, we have all faced this predicament.

Letting go is not a one-time event. It is a life skill.

Fathers let go of their positions in businesses to their sons, often being relegated to advisory roles. CEOs, who have built conglomerates from scratch, have to make way for the next incumbent, so that the company can scale to higher goals.

And of course, the biggest dilemma is letting go of a position of power. A top bureaucrat retiring and stepping away from the limelight overnight; a politician asked to vacate his seat for an alliance partner. It can be emotionally difficult to accept this sudden shift in identity.

Sometimes, even Gods have to let go of their attachments and possessions in order to achieve a higher goal.

Twice in his life Shree Krishna chose to let go, once the comforts of Vrindavan, of Radha, of the Yamuna for a higher cause. And the result of that letting go was the Bhagwat Geeta. A shining light of knowledge and guidance, relevant even after thousands of years. If he had clung to the comfort of Vrindavan, there would have been no Geeta. The second time when he sees his children and grand children squabbling for power and killing each other, he walks away from his beloved Dwaraka and attains Moksha at the hands of a hunter, Jara on the banks of river Hiran near Viraval.

The Greeks understood this and called it Stoicism.

In Greek mythology, the goddess Thetis allows her son Achilles to go to the battle of Troy, knowing fully well that he has two fates, one of a long, quiet, forgotten life, and the other of glory and an early death. She lets him go, and the glory of Achilles lives even today.

And if you can, you must read the letter which Shaheed Bhagat Singh wrote to his father.

When his father Sardar Kishan Singh filed a petition to the Special Tribunal in Lahore in 1930, saying that his son was innocent and should be given a chance to defend himself, a 22-year-old Bhagat Singh was furious. From jail, he wrote on 4th October 1930: "My life is not so precious, at least not to me, as you may think. It is not worth buying at the cost of my principles."

Five months after writing this, at the age of 23, Bhagat Singh let go of the option of clemency itself and sacrificed his life.

However, sometimes letting go is not by choice but forced upon by the insatiable greed for power; by the stroke of a pen, destinies have been changed overnight for ever.

Imagine the epitome of pain of entire communities who had to let go of their land on which they have lived for thousands of years. Not out of their own choice, but forced by political developments.

Yet, they have managed to overcome this trauma and suffering, only to recover and carve out a respectable living. The Parsis, Sindhis, Punjabis and Kashmiri Pandits have all had to leave their homelands, clinging only to their faith, and have earned the respect of all for their achievements.

The Parsis, a micro-minority, were forced to leave Persia centuries ago to save their fire and their faith. Today, though barely 60,000 in number, their contribution is enviable, India's top business houses, financial sector, philanthropists, doctors, scientists, law and defence, Parsis are stalwarts in all.

Post-Partition, Sindhis and Punjabis faced some of the worst riots in the history of the world. They were forced to leave behind all their possessions and migrate. Those who were left behind were raped, looted and killed.

Flourishing communities, with history dating back as far as the Indus Valley civilization, were uprooted overnight and forced to stay in makeshift camps where conditions were appalling to say the least.

Today, they are known for their resilience and business acumen, and have immensely contributed to the economy of the nation. Proud and patriotic, you will never find them begging or rallying for job reservations, they believe in 'karm' and 'shukrana.'

In more recent times, Kashmiri Pandits, who faced the worst brunt of terrorism in the valley, had to leave overnight on the dreaded cold night of 19th January 1990 as the helpless State administration watched and the valley echoed with the slogan "Raaliv, Gaaliv ya Chaaliv." Fleeing to save their lives, the Pandit community let go of their homes, orchards, their temples and their beloved Kashmir. Uprooted from their moorings, shifted to camps in Jammu, forced to live a migrants' life. It is only with the sheer power of education and dedicated hard work that this community has risen again and carved a niche for itself in the corporate world, bureaucracy, academia and other fields.

For all these communities, with thousands of years of history and culture, letting go was not a choice but a decision forced upon them. Yet, they accepted their destiny, protected their faith and have overcome the hurdles. With their hard work and resilience, they have managed to set a benchmark for others to emulate.

Letting go is not always a loss. Sometimes, it is the only way to achieve something higher. Learn how not to allow ego, greed, and fear to come in the way when it's time to simply walk away. Letting go is not defeat. It is not giving up. Letting go for achieving a higher goal is the true Nirvana.

rajeshsharma1049@gmail.com

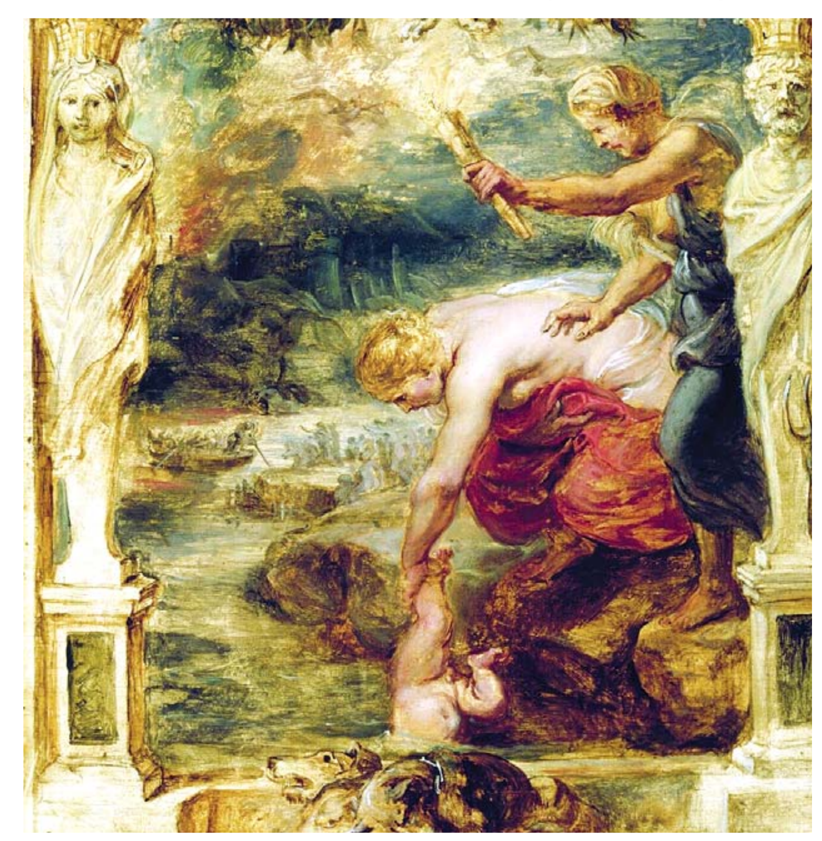

#AI

In Praise Of Babylon

With AI assistance, scholars reconstructed roughly two-thirds of the composition, transforming fragmented inscriptions into a coherent literary work

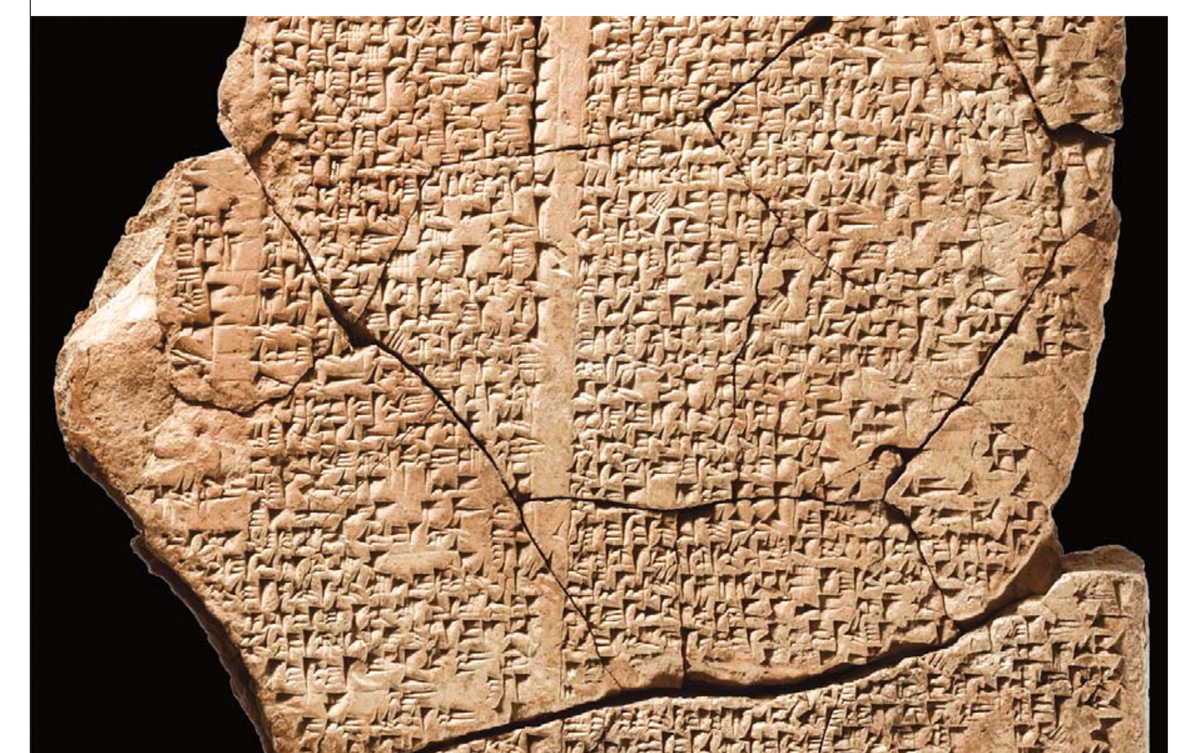

Archaeologists have recovered more than 500,000 cuneiform tablets from ancient Mesopotamia, yet nearly half remain untranslated or unpublished. Recently, researchers used artificial intelligence to analyse one such tablet.

Led by Professor Enrique Jiménez of LMU's Institute of Assyriology, the researchers discovered the centuries-lost Hymn to Babylon, a 250-line poetic work in praise of the city in its grandeur. Working with artificial intelligence through the Electronic Babylonian Literature platform, Jiménez and his team matched thirty additional fragments of manuscripts to the partially preserved text. "With our AI-supported platform, we were able to identify thirty additional manuscripts that belong to the rediscovered hymn, a process that would have taken decades in the past," Jiménez said.

Composed in the early first millennium BCE, the hymn was widely circulated in the ancient world, as evidenced by the many surviving copies. "The hymn was copied by children in school. It's remarkable that such a popular text remained unknown until now," Jiménez said.

Composed in cuneiform script on clay tablets, the hymn was uncovered among the renowned Sippar Library collection. According to legend, Noah had allegedly hidden this library before the biblical flood. In the larger effort of digitization and preservation of cuneiform texts globally, the rediscovery is a major achievement in both Mesopotamian studies and digital humanities.

The results were striking: the text formed part of a hymn praising the city of Babylon, with related lines appearing across 20 other clay tablets. Written in the second millennium B.C., the poem celebrates Babylon's beauty, grandeur, and cultural importance. With AI assistance, scholars reconstructed roughly two-thirds of the composition, transforming fragmented inscriptions into a coherent literary work.

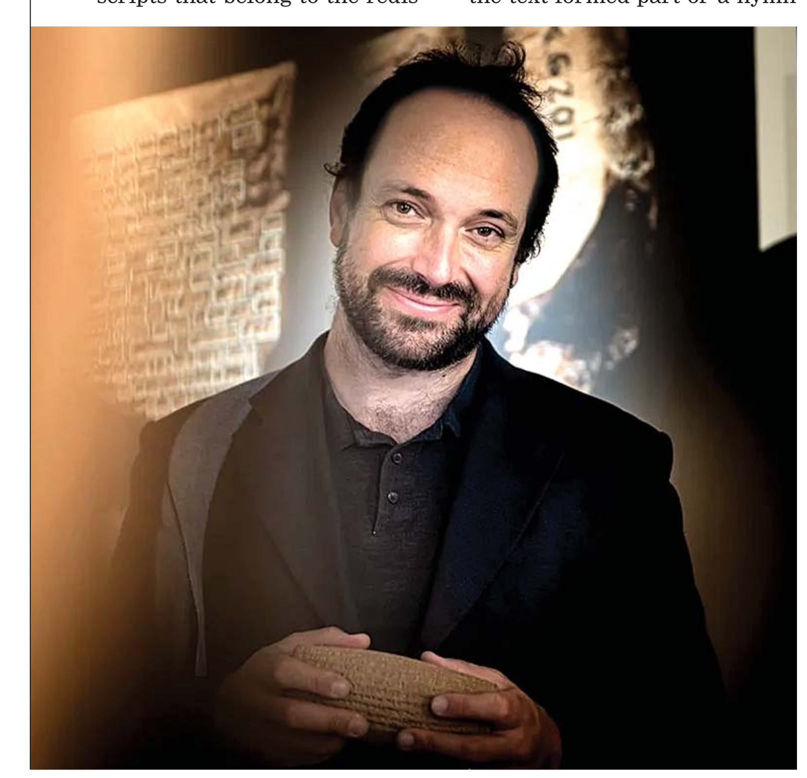

Rather than administrative records, the text reveals emotional and civic pride in an ancient voice expressing admiration for a city. This breakthrough highlights how modern technology is helping unlock long-silent chapters of human history.

The hymn details several key themes across its verses:

- **Nature and the Euphrates:** It paints a vivid picture of the Euphrates river nurturing the land, bringing spring blooms, saturating canebrakes, and sprouting barley for stacked sheaves and grazing flocks.
- **Praise for Marduk:** The poem opens by glorifying Marduk, the "bright torch of the great gods" and "architect of the universe," celebrating his power over the floods.
- **Social Values:** Babylon is depicted as an inclusive and charitable society. The text states that its people protect the weak, support the destitute, and "respect the foreigners who live among them."
- **Women and Priestesses:** Unlike most surviving Mesopotamian texts, it gives a voice to Babylon's female population. It details the lives of priestesses, describing them as devout women who cleanse with pure water, kneel in prayer, and serve the sanctuaries.

The original poem contained over 250 lines and was a widespread text in antiquity, even copied by schoolchildren.

THE WALL

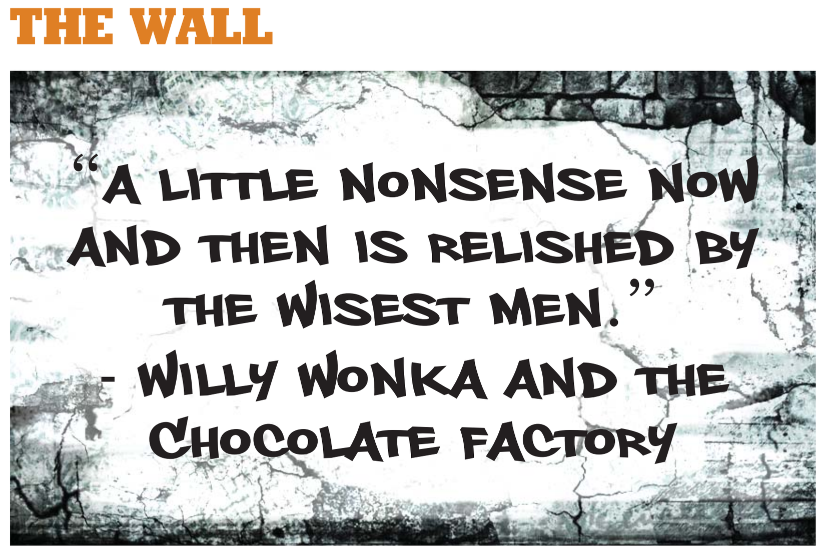

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

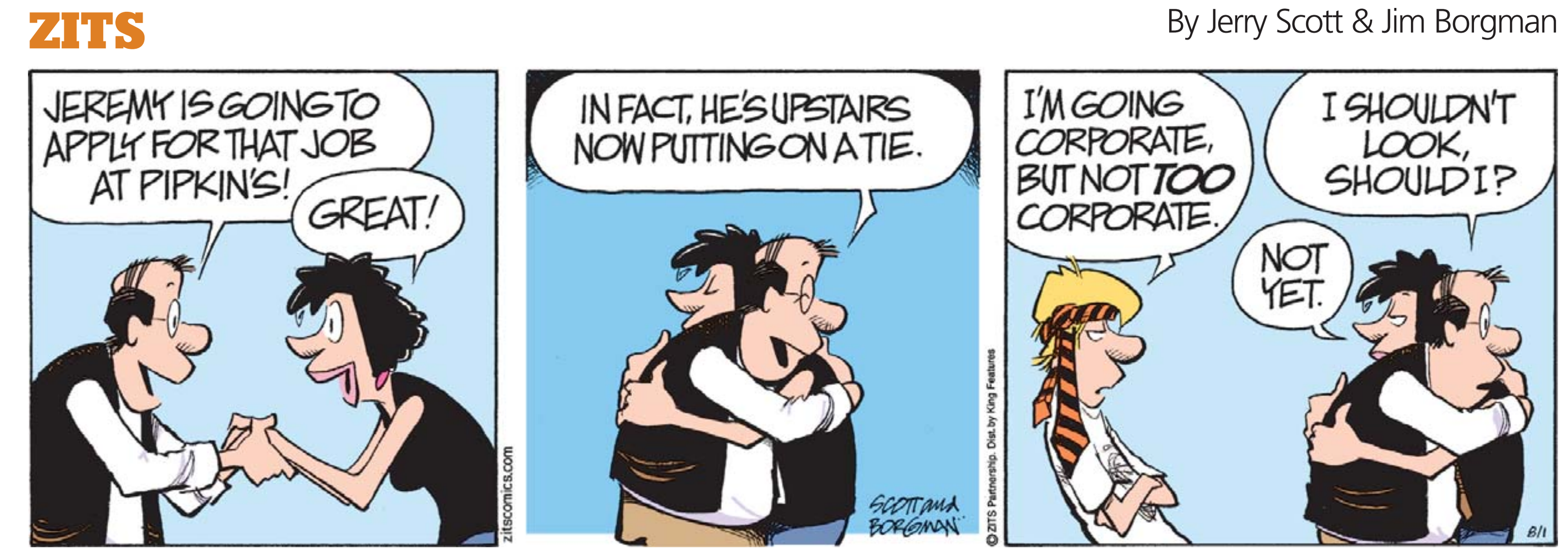

कोटा में कार से 10 हजार अवैध इलेक्ट्रोनिक डेटोनेटर बरामद, दो जने गिरफ्तार

पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया था

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की सिमलिया पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार में तलाशी के दौरान कार में से 10 हजार अवैध इलेक्ट्रोनिक डेटोनेटर बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, टीम ने कार्रवाई करते हुए माल एवं कार को जप्त किया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई हेतु थाना सीमलिया के थानाधिकारी नंद सिंह के नेतृत्व में थाने के सहायक उप निरीक्षक शिवराज सिंह मय जाप्ता व डीएसटी टीम के साथ संयुक्त रूप से 8 लेन पुलिया के नीचे कराडिया के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस नाकाबंदी के दौरान बारां की ओर से एक कार आती हुई दिखाई दी, कार के चालक ने पुलिस नाकाबंदी को देखते हुए कार को तेजी से भगाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने कार का पीछा कर आगे जाकर कार को रूकवाया तथा कार में बैठे दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की। पुलिस टीम ने संदेह होने पर दोनों व्यक्तियों को डिटेन कर टीम ने कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार में से 10,000 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर मय वॉयर बरामद किये गये। जिस पर डिटेनशुदा व्यक्तियों से बिल-बिल्टी आदि के बारे में पूछने पर कोई लाईसेंस व बिल-बिल्टी नहीं होना सामने आने पर पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए जिला महोबा यूपी के थाना कबरई मकरबई निवासी बीरबल उर्फ शिवा (27) एवं जिला हम्मीरपुर यूपी के पठानपुरा मोहल्ला राठ निवासी शैलेन्द्र कुमार (30) को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण इलाके की सीमलिया पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार से इलेक्ट्रानिक डेटोनेटर बरामद कर दो जनों को पकड़ा।

■ पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बारां की ओर से आ रही एक कार में कार्रवाई की, पुलिस मामले में दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है

जोधपुर के महान भजन गायक रामचंद्र गोयल का 90 वर्ष की उम्र में निधन

रामचंद्र गोयल की देश के महान भजन गायकों में एक अलग ही पहचान थी

जोधपुर, (कासं)। भक्ति संगीत की दुनिया में उच्च कोटि के गायक के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले जोधपुर के महान भजन गायक रामचंद्र गोयल का रविवार की देर शाम 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। सोमवार सुबह दस बजे कागा स्थिति पीपा क्षत्रिय समाज के श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र लक्ष्मीकांत गोयल ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रामचंद्र गोयल की देश के महान भजन गायकों में एक अलग ही पहचान थी। बचपन में वे अपनी माता जी को पूजा पाठ के दौरान भजन गाते देखते तो बाल मन सोचता, काश वे भी इतना अच्छा गा पाते। शायद माता जी की इसी विरासत के चलते रामचंद्र गोयल ने आगे चलकर इतना ऊंचा मुकाम हासिल किया। उन्होंने सबसे पहले स्कूल में भजन गायन शुरू किया। बाद में कड़ी मेहनत तथा साधना से उन्होंने देश के उच्च कोटि के भजन गायकों में अपना स्थान बना लिया।

जोधपुर के पावटा, पोलो में रहने वाले रामचन्द्र गोयल का जन्म जोधपुर से करीब चालीस किलोमीटर दूर मथानियाँ गाँव में 2 नवम्बर 1936 को पीपा क्षत्रिय समाज के एक साधारण परिवार में हुआ था। पिताजी सिलाई का काम करते थे। छह भाई-बहनों में वे सबसे छोटे थे। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गाँव में पूरी करने के बाद जोधपुर में आ गए। रामचंद्र गोयल ने सम्पूर्ण शिक्षा पूरी कर गृहस्थी चलाने के लिए बिजली विभाग में बाबू की नौकरी कर ली। इसके साथ ही सुबह-शाम भक्ति संगीत की साधना में लगे रहे। तड़के चार बजे उठ कर संगीत की साधना में जुट जाते। धीरे-धीरे भक्ति संगीत के क्षेत्र में रामचंद्र गोयल ने देश-विदेश में अपनी अलग ही पहचान बना ली। जब वे मंच से भजनों की सरिता बहाते तो सुनने वाले झूम उठते। उनकी आवाज में ऐसा जादू था कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते। रामचंद्र गोयल ने आकाशवाणी जयपुर में लगभग 18 वर्ष तथा आकाशवाणी जोधपुर में लगभग 26 वर्षों तक भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं। वर्ष 1982 में दूरदर्शन के उपग्रह (सैटेलाइट) प्रसारण में रामचंद्र गोयल की प्रस्तुति हुई। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन जयपुर, सीपीसी नई दिल्ली तथा जैन चैनल पर भी आपके भजनों का प्रसारण हुआ। वर्ष 1997 में सीपीसी नई दिल्ली से भी दो बार रामचंद्र गोयल की प्रस्तुति प्रसारित हुई। देश की जानी-मानी कैसेट्स कंपनियों ने इनके भजनों के कैसेट्स बनाए।

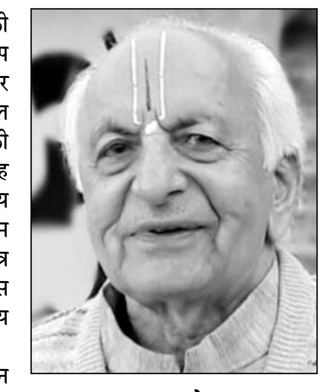

रामचन्द्र गोयल

■ रामचंद्र गोयल ने आकाशवाणी जयपुर में लगभग 18 वर्ष तथा आकाशवाणी जोधपुर में 26 वर्षों तक भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं

रामचंद्र गोयल ने देश के सभी महानगरों में अपनी भक्ति संगीत साधना का लोहा मनवाया। रामचंद्र गोयल ने सन 1965 से लेकर 2009 तक लगातार जयपुर व जोधपुर आकाशवाणी के माध्यम से राजस्थानी, हिन्दी में भक्ति संगीत कार्यक्रमों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। रामचंद्र गोयल द्वारा गाई "हैलीयां" ने खूब प्रसिद्धि दिलाई। लोकदेवता बाबा रामदेव, संत तुलसी दास, सूरदास, मींरा बाई, कबीरदास जी, भक्त रैदासजी, संत पीपा आदि जैसे महान संतों की भक्ति रचनाओं को गोयल ने गायन में शामिल किया।

मेहरानगढ़ ट्रस्ट द्वारा प्रसारित जोधपुर के पूर्व महाराजा मानसिंह के भजनों की तीन कैसेटों में भी रामचंद्र गोयल ने स्वर दिया। इनको कई वर्षों तक स्वामी रामसुखदास जी महाराज के सानिध्य में भजन गाने का अवसर मिला। उन्होंने संस्कृत हिन्दी, पंजाबी तथा राजस्थानी में गायकी को एक समान स्थान दिया। अब तक करीब सौ भजन लिख चुके हैं। वे अपने लिखे भजनों की पुस्तक का प्रकाशन करने वाले थे। वे श्रीपीपा प्रकाश मासिक पत्रिका के संस्थापक सदस्य थे।

पुष्कर में पर्यटक की कार से चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में घूमने आए एक पर्यटक की कार का शीशा तोड़कर पिस्टल और कारतूस चोरी करने के मामले में पुष्कर थाना पुलिस ने दो साल से फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में फरार एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुष्कर थाना पुलिस की विशेष टीमों ने कार्रवाई करते हुए केसर सिंह राजपूत उर्फ कालिया और हंसराज को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी वर्ष 2024 से मामले में वांछित चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी और तकनीकी जानकारी के साथ मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया था। पुलिस टीम को केसर सिंह राजपूत उर्फ कालिया के जयपुर में तथा हंसराज के लेसवा गांव में मौजूद होने की सूचना मिली। इसके बाद अलग-अलग टीमों ने जयपुर और लेसवा में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान केसर सिंह राजपूत उर्फ कालिया पुत्र सिसुपाल सिंह राजपूत निवासी लेसवा, थाना पीसांगन तथा हंसराज पुत्र सुगना राम निवासी लेसवा, थाना पीसांगन के रूप में हुई है।

■ आरोपियों ने कार का शीशा तोड़कर पिस्टल और कारतूस चोरी किये थे

गंगापुर सिटी के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत

अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने हंगामा किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर के एक निजी अस्पताल में सोमवार को इलाज के दौरान 18 साल के एक युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार करौली जिले के बाड़ा पिचानोत गांव का रहने वाला महेंद्र योगी सुबह इलाज के लिए गंगापुर सिटी के इस निजी अस्पताल आया था। इलाज के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि युवक को समय पर चिकित्सक नहीं संभाला एवं अप्रतिक्षित स्टाफ ही इलाज करता रहा जिससे सही इलाज नहीं मिलने से उसकी जान गई। इसके साथ ही परिजनों ने बिना सूचना के मृतक युवक की बॉडी को अस्पताल से बाहर निकाल कर रखने पर परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा।

करीब दो घंटे तक भारी हंगामे के बाद सूचना मिलने पर उदेई मोड़ थाना पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से वार्ता कर समझाइश की और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने पर सहमति बनाई। इसके बाद अधिकारियों ने शव को राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंचा कर शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंपा व परिजनों की शिकायत पर नामजद मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत की असली वजह सामने आएगी। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि समय पर स्टाफ पहुंच गया एवं काफी कोशिश के बाद भी मृतक महेन्द्र योगी नहीं बचाया जा सका। परिजनों के आरोप निराधार हैं।

■ पुलिस में नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू की, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया

अजमेर में 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। अजमेर जीआरपी थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शादाब निवासी कादरगंज, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी उत्तर प्रदेश में दर्ज हत्या और अपहरण के मामलों में 25 हजार रुपये का इनामी वांछित है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसके कब्जे से चार मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि बरामद लैपटॉप अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 से चोरी हुआ था।

जानकारी के अनुसार करौली निवासी वैज्ञानिक कुणाल लीगरी का बैग और लैपटॉप अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 से चोरी हो गया था। इस संबंध में जीआरपी थाना अजमेर में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों और पूछताछ के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी हुआ लैपटॉप बरामद कर लिया। इसके साथ ही चार मोबाइल फोन भी मिले हैं। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन और अन्य सामान के संबंध में जानकारी जुटा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये सामान किन वारदातों से संबंधित हैं। जीआरपी पुलिस आरोपी से उत्तर प्रदेश में दर्ज हत्या और अपहरण के मामलों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी अजमेर रेलवे स्टेशन या अन्य रेलवे स्टेशनों पर हुई चोरी की वारदातों में भी शामिल रहा है या नहीं। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपी से विस्तृत पूछताछ में रेलवे स्टेशन पर हुई अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

■ आरोपी उत्तर प्रदेश में दर्ज हत्या और अपहरण के मामलों में इनामी वांछित है

महिला ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में पति से कहासुनी के बाद पत्नी ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार इलाके के कंसुआ अफोर्डेबल योजना निवासी 39 वर्षीय महिला ने पति से खाना बनाने को लेकर हुए विवाद के बाद कमरे मे फांसी का फन्दा लगा लिया। महिला को अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उद्योग नगर थानाधिकारी आनंद यादव ने बताया कि इलाके के कंसुआ अफोर्डेबल योजना निवासी सरस्वती महावर (39) ने घर मे फांसी का फन्दा लगा लिया। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि सरस्वती महावर का उसके पति से सोमवार सुबह खाना बनाने को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद महिला ने कमरे में चुन्नी से फंदा बनाकर सुसाईड कर लिया। मृतका का पति टाईल्स लगाने का काम करता है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

स्कूल से उपकरण सहित सामान चोरी

पावटा, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैड़ में रविवार रात चोर पीछे की दीवार फांदकर स्कूल परिसर में घुस गए और अलग-अलग कमरों के ताले तोड़कर पंखे की मोटर, पोषाहार सामग्री तथा कंप्यूटर लैब के उपकरण चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह स्कूल स्टाफ पहुंचा तो कमरों के ताले टूटे और सामान बिखरा मिला। सूचना के करीब एक घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

विद्यालय प्राचार्य जगदीश प्रसाद सैनी ने बताया कि प्रथम दृष्टया चोर गणेश चौक के पीछे की ओर से दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए। चोरों ने कक्षा-कक्ष, पोषाहार कक्ष और कंप्यूटर लैब को निशाना बनाया। कक्षा 5 के कमरे में लगे पंखे की मोटर चोरी मिली।

युवक को प्यार के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर में युवक को प्यार के जाल में फंसाकर ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। युवक का आरोप है कि शादी की बात करते ही युवती का व्यवहार बदल गया। उसने मकान और संपत्ति अपने नाम करने की शर्त रख दी। पचास लाख रुपए भी मांगे। मना करने पर रेप और यौन शोषण के झूठे केस में फंसाकर पूरे परिवार को जेल भिजवाने और मीडिया को बुलाकर इमेज खराब करने की धमकी दी। मामले में देवनगर थाना पुलिस ने इस्तगासे के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीड़ित युवक ने रिपोर्ट में बताया कि अक्टूबर 2025 में वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान एक युवती से मुलाकात हुई थी। शुरुआत में सामान्य बातचीत धीरे-धीरे दोस्ती और फिर प्रेम संबंध में बदल गई। दोनों आपसी सहमति से घूमते-फिरते रहे और होटलों में भी रुके। पीड़ित का कहना है कि दोनों बालिग थे और संबंध पूरी तरह स्वैच्छिक थे। वह लिव इन में रहने लग गए थे। पीड़ित के अनुसार गत दिनों शादी की बात करने पर युवती का व्यवहार अचानक बदल गया। उसने शादी के बदले उसका मकान और संपत्ति अपने नाम करने की शर्त रख दी। जब इसका विरोध किया, तो लड़की आक्रामक हो गई और धमकी देने लगी। पीड़ित युवक का आरोप है कि 6 जून को युवती ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि वह मुकदमों से बचना चाहता है तो उसे 50 लाख रुपए देने होंगे। रुपए नहीं देने पर रेप और यौन शोषण के झूठे केस में फंसाकर पूरे परिवार को जेल भिजवाने और मीडिया को बुलाकर इमेज धूमिल करने की धमकी दी। महिला की मौसी और अन्य परिजन भी फोन कर लगातार मानसिक प्रताड़ना देने लगे। पीड़ित ने बताया कि उसने जुलाई 2026 में पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत दी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जोधपुर महानगर के सामने इस्तगासा पेश किया। कोर्ट के निर्देश पर अब पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

■ आरोप है कि युवती ने रेप केस की धमकी दी, मकान और प्रॉपर्टी नाम करने को कहा, पचास लाख रुपए भी मांगे

भीलवाड़ा में बंद पड़ी दुकान में भीषण आग लगी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के व्यस्ततम भोपालगंज स्थित मोची मार्केट में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक बंद पड़ी दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। दुकान से धुएं का गुबार निकलता देख आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोची मार्केट स्थित एक बंद दुकान में अचानक अंदर से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप फैल गया। हादसे के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी नगर निगम के अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने समय रहते तत्परता और सतर्कता दिखाते हुए तुरंत आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। दमकल टीम की त्वरित कार्रवाई के कारण आग आसपास की अन्य दुकानों तक नहीं फैल सकी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

मेड़ता से जोधपुर पहुंची पिकअप में भारी मात्रा में अवैध शराब मिली

जोधपुर, (कासं)। पंचायत चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही अब मादक पदार्थ की तस्करी बढ़ने लगी है। कमिश्नरेट की जिला ईस्ट की सीएसटी और डांगियावास पुलिस ने रविवार की देर रात कार्रवाई करते हुए दांतीवाड़ा पुल के नजदीक एक बंद बॉडी पिकअप को पकड़ा। पिकअप में दो सौ से ज्यादा अवैध शराब के कार्टन भरे मिले। इस शराब की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जाती है। पुलिस ने पिकअप के चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ आरंभ की है।

जिला ईस्ट की सीएसटी प्रभारी खेतसिंह को रविवार की रात को सूचना मिली कि मेड़ता की तरफ से एक पिकअप आ रही है, जिसमें अवैध शराब लदी हो सकती है। इस पर सीएसटी ईस्ट ने नाकाबंदी की और बाद में बंद बॉडी एक पिकअप को इनपुट के आधार पर रोककर तलाशी ली गई। पिकअप को दांतीवाड़ा पुल के पास में रोकने के साथ डांगियावास पुलिस भी साथ थी। पिकअप को खुलवाकर चैक किया तो उसमें ऑल सीजन कंपनी की अंग्रेजी शराब की बोतलें और पव्वें भरे मिले। पुलिस ने पिकअप से दो सौ से ज्यादा कार्टन अवैध शराब बरामद कर उसके चालक कुचामन स्थित डीडवाना सफेद बड़ी निवासी देवेंद्र सिंह पुत्र मोहनराम को आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर केस दर्ज किया। आरोपी शराब लेकर जोधपुर आया और फिर उसे किसी पार्टी को देना था। मगर वह उससे पहले ही पकड़ा गया। पड़ताल में आरंभिक तौर पर बताया गया कि सरपंच चुनाव नजदीक है और संभवतः शराब इसी के लिए लाई गई होगी।

■ दो सौ से ज्यादा कार्टन अवैध शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

अलवर एनसीआर क्षेत्र में बिना पीयूसीसी अब नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

अलवर, (निसं)। अलवर में 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल व्यवस्था' को लेकर परिवहन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। एनसीआर क्षेत्र में स्थित फ्यूल स्टेशनों पर वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र नहीं होने पर अब वाहन चालकों को पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी नहीं दी जाएगी। इसी को लेकर विभाग की टीमों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर वाहन चालकों को नियमों की जानकारी दी।

■ 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' व्यवस्था को लेकर परिवहन विभाग ने कार्रवाई तेज की

परिवहन निरीक्षक प्रदीप चौधरी ने अलवर शहर में विभिन्न फ्यूल स्टेशन पर वाहन चालकों को वैध पीयूसीसी रखने के संबंध में जागरूक किया। वहीं परिवहन निरीक्षक अमरसिंह मीना ने कोठी नारायणपुर और राजगढ़ क्षेत्र में वाहन चालकों को प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र की अनिवार्यता के बारे में बताया। विभाग की ओर से लोगों से समय पर वाहनों की प्रदूषण जांच कराने की अपील की गई।

जिला परिवहन अधिकारी सविता भारद्वाज ने बताया कि वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र समाप्त होने के बाद संबंधित वाहन को पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी नहीं दी जाएगी। ईंधन पर रोक से बचने के लिए वाहन स्वामियों को अपने पीयूसीसी की वैधता समय रहते जांच लेनी होगी। नियमों की अवहेलना करने पर सीएक्यूएम अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग के अनुसार मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहन के पंजीयन के एक वर्ष बाद वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है। ऐसे में वाहन मालिकों को अपने वाहन की प्रदूषण जांच समय पर करवाकर प्रमाण पत्र साथ रखना होगा। जागरूकता अभियान के दौरान विभाग की मोबाइल प्रदूषण जांच वैन से वाहनों की जांच भी की गई और पात्र वाहनों को प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी किए गए। विभाग ने मोबाइल जांच केंद्रों को फ्यूल स्टेशनों के आसपास रहकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। इससे वाहन चालकों को प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और व्यवस्था लागू होने के दौरान उन्हें सुविधा मिल सकेगी। परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने पीयूसीसी की वैधता जरूर जांचें। प्रमाण पत्र समाप्त हो चुका है तो समय रहते प्रदूषण जांच करवाएं। विभाग का कहना है कि वैध प्रमाण पत्र रखने से वाहन चालक नियमों के पालन के साथ अनावश्यक परेशानी और कार्रवाई से भी बच सकेंगे।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने अलवर शहर में विभिन्न फ्यूल स्टेशन पर वाहन चालकों को वैध पीयूसीसी रखने के संबंध में जागरूक किया।

अलवर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में व्यवस्थाओं को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

छात्रों ने कॉलेज के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और नारेबाजी की

अलवर, (निसं)। अलवर के ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सोमवार को छात्रों ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नाराज छात्रों ने कॉलेज के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और नारेबाजी शुरू कर दी। इससे अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

छात्रों का आरोप है कि उनसे हर साल करीब 5 हजार रुपए स्टूडेंट वेलफेयर फंड के नाम पर लिए जाते हैं। छात्रों के अनुसार इस फंड में अब तक एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा हो चुकी है, लेकिन करीब ढाई साल बीतने के बावजूद इसके उपयोग के लिए एसओपी तैयार नहीं की गई है। छात्रों का कहना है कि कॉलेज में होने वाले कार्यक्रमों के लिए उन्हें अलग से चंदा जुटाना पड़ता है। छात्रों ने मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई करने के बावजूद सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि उन्हें दवाइयां, जरूरी जांच और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। छात्रों ने कॉलेज प्रशासन से इन व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की।

तालाबंदी की सूचना मिलने पर उद्योग नगर थाना के थाना प्रभारी रामेश्वर लाल पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अस्पताल में आने वाले मरीजों की परेशानी को देखते हुए छात्रों से मुख्य गेट खोलने का आग्रह किया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। इसके बाद छात्र मुख्य गेट से हटकर डीन चैंबर के बाहर धरने पर बैठ गए। छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के सामने बात रखी। प्रदर्शन के कारण कॉलेज परिसर में कुछ समय तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। स्थिति को देखते हुए डीन ओमप्रकाश लखवानी ने छात्र प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया। डीन ने छात्रों की मांगें सुनीं और सभी मुद्दों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्रों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया और मुख्य गेट खोल दिया गया।

छात्रों का कहना है कि वे कॉलेज प्रशासन से स्टूडेंट वेलफेयर फंड के उपयोग में पारदर्शिता, आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं और अन्य समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं। वहीं प्रशासन की ओर से मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद फिलहाल मामला शांत हो गया है।

■ छात्रों ने मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई करने के बावजूद सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठाए

■ छात्रों का आरोप है कि उन्हें दवाइयां, जरूरी जांच और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं

संक्षिप्त

गौशाला में गायों को गुड़ खिलाकर सेवा की

मनोहरपुर। गौ सेवा को सर्वोपरि मानते हुए युवा समाजसेवी विमल केशुका ने गौ लोक सेवा धाम फाउंडेशन खोजावाला मोड पहुंचकर गौ माताओं की सेवा की। उन्होंने अपने हाथों से गायों को गुड़ और हरा चारा खिलाया। विमल केशुका ने कहा - "हमारे सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। आज के समय में जब लोग गौ माता को सड़कों पर छोड़ देते हैं, तब हम सबका कर्तव्य है कि हम गौशालाओं में जाकर उनकी सेवा करें। गुड़ और चारा खिलाना सिर्फ पुण्य ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति भी देता है।" उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में गौशालाओं में चारे की कमी हो जाती है, इसलिए सभी युवाओं को आगे आकर गौशाला में सहयोग करना चाहिए। गौशाला में मौजूद लोगों ने विमल केशुका के इस कार्य की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यों से समाज में गौ रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है। इस दौरान गौशाला प्रबंधन ने भी विमल केशुका का आभार व्यक्त किया।

ज्वाला मैया की पदयात्रा की व्यवस्थाओं पर मंथन

फुलेरा, (निसं)। श्रीराम नगर स्थित वार्ड नंबर 10 के चमत्कारेश्वर मंदिर परिसर में ज्वाला मैया जोबनेर की 16वीं भव्य पदयात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर बैठक आयोजित हुई। बाबूलाल अजमेरा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 18 अक्टूबर, सप्तमी नवरात्र को निकलने वाली पदयात्रा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं, सेवा कार्यों तथा अन्य तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पदयात्रा को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए सभी ने सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में हितेंद्र अजमेरा, बलराम सैनी, गुलाबचंद कुमावत, ओमप्रकाश पारीक, संतोष स्वामी, सोहन बागड़ी, सत्यनारायण सैनी, राहुल सैनी, निरंजन, शुभम सैनी, राधेश्याम सैनी, जतिन सैनी, नेनिक अजमेरा, महेंद्र सैनी, शंकर सैनी, राजेंद्र कुमार धवन, नंदकिशोर वर्मा, देवकीनंदन साहू, किशन कुमार कुमावत सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

चोरी की चार बाइक बरामद

फुलेरा, (निसं)। पुलिस थाना फुलेरा ने नकबजनी के मामले में गिरफ्तार आरोपी विशाल गवारिया की निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर जयपुर शहर, कोटा, रींगस और खाटूश्यामजी सहित विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करना बताया है। पुलिस के अनुसार नकबजनी के मामले में आरोपी विशाल पुत्र रतनलाल गवारिया, निवासी भैरू की ढाणी, ईटावा को 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी की सूचना पर ईटावा स्थित पुरानी बंद स्कूल की चारदीवारी की ओट में झाड़ियों के पास छिपाकर रखी चार मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। बरामद मोटरसाइकिलों में दो एचएफ डीलक्स तथा दो स्प्लेंडर प्लस शामिल हैं। पुलिस ने संबंधित थानों को सूचना दे दी है। आरोपी से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।कार्रवाई थानाधिकारी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की। बाइक बरामद करने में कांस्टेबल महेश कलवानिया की विशेष भूमिका रही।

कन्वोकेशन सेरेमनी कार्यक्रम आयोजित

दूदू, (निसं)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जयपुर में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में किर्गिज गणराज्य की आईएलपीएमएस यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित कन्वोकेशन सेरेमनी कार्यक्रम के दौरान वर्षों के निरंतर परिश्रम स्वास्थ्य सेवा के प्रति बढ़ता और समाज के योगदान के लिए डॉक्टर रामराज गुर्जर निवासी रेटा दूदू को मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया।

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए प्रशासन का सहयोग करने की अपील

बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रावधानों की जानकारी ली

चुनावों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक की।

- निर्वाचन के लिए जिले में कुल 784 मतदान बूथ निर्धारित किए हैं

कोटपूतली, (निसं)। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 को लेकर आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रावधानों एवं तैयारियों की जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी तथा प्रशासन द्वारा निष्पक्ष, निर्भय एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने के लिए सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सूचना के क्रम में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 का कार्यक्रम जारी किया गया है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव की प्रक्रिया द्वितीय चरण से प्रारंभ होगी। जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नियम 58 के अंतर्गत निर्वाचन की लोक सूचना 13 अक्टूबर 2026 को जारी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्र प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 17 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11 बजे से की जाएगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित है। इसी दिन नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के तुरंत पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कोटपूतली-बहरोड़ जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 कुल 8 पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाली 238 ग्राम पंचायतों में संपन्न होंगे। निर्वाचन के लिए जिले में कुल 784 मतदान बूथ निर्धारित किए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में चार चरणों में चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया है, जिसमें कोटपूतली-बहरोड़ जिले में केवल द्वितीय एवं तृतीय चरण में ही निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में जिले की 4 पंचायत समितियों की कुल 130 ग्राम पंचायतों में निर्वाचन होगा। इनमें बानसूर की 45, कोटपूतली की 30, पावटा की 30 तथा नारायणपुर की 25 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। इस चरण के लिए कुल 442 मतदान बूथ निर्धारित किए गए हैं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 29 अक्टूबर 2026 को मतदान होगा।

पशु चिकित्सालय में दवाओं का जायजा लिया

लालसोट, (निसं)। गौवंश में फैल रही लम्पी बीमारी को लेकर विराट बजरंग दल के कार्यकर्ता सक्रिय नजर आए। कार्यकर्ताओं ने पशु चिकित्सालय पहुंचकर चिकित्सक डॉ. धर्मेश मीणा से मुलाकात की और लम्पी बीमारी से संबंधित दवाइयों एवं इंजेक्शनों की उपलब्धता की जानकारी ली। डॉ. धर्मेश मीणा ने बताया कि अस्पताल में आवश्यक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने उपचार एवं दवा वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही नहीं होने का आश्वासन दिया। विराट बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि गौवंश में बीमारी के प्रसार को लेकर लगातार निगरानी रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर प्रशासन एवं पशु चिकित्सा विभाग के समक्ष समस्याएं उठाई जाएंगी। इस दौरान विराट बजरंग दल दौसा जिलाध्यक्ष दिनेश तिवाड़ी, जिला उपाध्यक्ष आकाश सैनी, वार्ड 30 अध्यक्ष सावन हिन्दू, वार्ड 14 अध्यक्ष पंकज सैनी, वार्ड 25 अध्यक्ष विनोद सैनी, वार्ड 2 अध्यक्ष राहुल पहाड़िया, केशव वैष्णव सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित चार टन पत्थर जब्त

- दो ट्रेलर मय खण्डा पत्थर जब्त
- अवैध शराब के 42 पव्वे जब्त, तीन नकबजनों को किया गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। थाना विराटनगर पुलिस ने सोमवार को अवैध खनन, परिवहन, अवैध शराब और चोरी-नकबजनी के खिलाफ एक साथ प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो ट्रेलर मय खण्डा पत्थर जब्त किए। वहीं अवैध रूप से 4 टन मोहरमं पत्थर का परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अवैध देशी शराब के 42 पव्वे भी बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके अलावा उप जिला अस्पताल विराटनगर से चोरी हुए विद्युत उपकरण बरामद कर एक आरोपी तथा नवरंगपुरा में मिस्त्री की दुकान से तांबे के स्क्रैप तार चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ सतवीर सिंह के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में अलग-अलग टीमें ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने कुहाड़ा मोड़ पर दो ट्रेलरों को रोककर जांच की। चालक लोकेश कुमार निवासी डोबा, अलवर ट्रेलर संख्या 257494 तथा राजेश कुमार निवासी तिलकपुर, अलवर ट्रेलर संख्या 027359 में खण्डा पत्थर परिवहन करते मिले। पूछताछ में दोनों चालक मौके पर बिल्टी, रवन्ना या अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने दोनों वाहनों को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत जब्त कर संबंधित विभाग को सूचना दी। वहीं भामोद क्षेत्र में पुलिस ने मनीष कुमार योगी (25) निवासी भामोद को बिना लाइसेंस व परमिट के ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 4 टन मोहरमं पत्थर का अवैध परिवहन करते पकड़ा। पुलिस ने लाल रंग के मैसी फर्ग्युसन ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

मामले में धारा 4/21 एमएमडीआर एक्ट एवं 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। तेवड़ी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने योगेश शर्मा (43) निवासी बाणगंगा मैड़ के कब्जे से बिना लाइसेंस व परमिट के 42 पव्वे घूमर देशी शराब बरामद किए। आरोपी को गिरफ्तार कर राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं 2 अक्टूबर को उप जिला अस्पताल विराटनगर से जनरेटर की 10 मीटर केबल, दो एमसीबी चेंजओवर, दो इंसुलेटर व वायर चोरी होने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुनील हरिजन (28) निवासी वार्ड 18 विराटनगर को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया।

जांगिड़ ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न

निवाई, (निसं)। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण विकास समिति के तत्वावधान में खण्डेवत रोड पर स्थित जांगिड़ ब्राह्मण समाज छात्रावास में समिति अध्यक्ष राधेश्याम हरभगतपुरा बासड़ा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ विश्वकर्मा भगवान की पूजा अर्चना करके किया। शिवजीराम बिडोली ने बताया कि बैठक में छात्रावास के दोनों गेट लगाने व चारदीवारी को ऊंचा करने, समाज के लोगों से बकाया राशि को एकत्रित करने पर चर्चा की गई।

समिति अध्यक्ष राधेश्याम हरभगतपुरा ने कहा कि कार्यकारणी के सभी पदाधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारी संभाले, जिससे छात्रावास का कार्य जल्दी शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि अपने घर की तरह ही समझकर छात्रावास के निर्माण कार्य को भी पूर्ण करने में अपनी सहभागिता निभाएं। विकास समिति सचिव शंकरलाल खंडवा ने सभी पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओ का आव्हान किया।

केन्द्रीय कारागृह में गांजा, मोबाइल एवं स्मोकिंग रोल बरामद

- पुलिस ने पापड़दा थाना में अज्ञात लोगो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरु की

दौसा, (निसं)। दौसा जिले की विशिष्ट केन्द्रीय कारागृह श्यालावास सघन तलाशी अभियान के दौरान गांजा एवं मोबाइल फोन मिलने पर एक बार फिर सुर्खियों में है। लालसोट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद सीपा के नेतृत्व में चलाये गये सघन अभियान के दौरान जेल में 556 ग्राम गांजा, मोबाइल फोन एवं स्मोकिंग रोल बरामद किये है। इधर पुलिस ने पापड़दा थाना में अज्ञात लोगो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। वही दूसरी ओर श्यालावास में ये तीसरी घटना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, पुलिस अधीक्षक कुन्दन कंवरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मीणा, विनोद सीपा आईपीएस के निर्देश पर रविवार को विभिन्न थानाधिकारियों एवं 150 पुलिसमियों द्वारा लालसोट एडीएम मनमोहन मीणा एवं जेल प्रशासन की मौजूदगी में विशिष्ट केन्द्रीय कारागृह श्यालावास की सघन तलाशी ली गई। तलाशी अभियान के दौरान बाथरूम के पास जमीन में गड़ा एक थैला मिला। इस थैले के अंदर एक डिब्बे में 556 ग्राम गांजा, एक मोबाइल फोन मय चार्जर और स्मोकिंग रोल बरामद हुए। इधर गांजा एवं मोबाइल मय चार्जर मिलने के साथ ही जेल प्रशासन में हड़कम्प मच गया। सूत्रो ने बताया कि बिना जेल प्रशासन की मिली भगत के जेल में गांजा, मोबाइल फोन ले जाना संभव है, ऐसी स्थिति में पुलिस के सामने जांच करना बड़ी चुनौती होगी। बताया जाता है कि लालसोट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईपीएस विनोद सीपा के निर्देश पर पापड़दा थाना में अज्ञात लोगो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कराया गया है तथा जांच राहुवास थानाधिकारी सुरेश कुमार को सौंपी गई है।

इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईपीएस विनोद सीपा ने बताया कि मामले की गहराई से जांच हो रही है। जांच के बाद ही पता चलेगा कि ये नशीले पदार्थ और मोबाइल जेल के अंदर कैसे पहुंचे और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। जेल डीजी अशोक राठौड़ ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से जेल में गैरकानूनी सामान होने की सूचना मिल रही थी। इसके बाद रेंज आईजी जयपुर राहुल प्रकाश को जानकारी देकर तलाशी अभियान करवाया गया।

पावटा में श्रीराम जन्म लीला का मंचन

पावटा, (निसं)। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला के दूसरे दिन रावण जन्म एवं श्रीराम जन्म लीला का प्रभावशाली मंचन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने दमदार अभिनय के जरिए रावण के जन्म से लेकर उसके अत्याचारों और भगवान श्रीराम के अवतार की भविष्यवाणी तक के प्रसंग को जीवंत कर दिया। लीला में दिखाया गया कि रावण, कुंभकर्ण और विभीषण के जन्म के साथ ही प्रकृति में उथल-पुथल मच जाती है। तीनों भाई घोर तपस्या कर ब्रह्मा से वरदान प्राप्त करते हैं। रावण अमरता न मिलने पर मनुष्य और वानर को छोड़कर किसी अन्य से मृत्यु न होने का वरदान मांगता है। वरदान मिलते ही उसके अहंकार का अंत नहीं रहा और वह देवताओं व ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करने लगा। वहीं कुंभकर्ण की बुद्धि विचलित होने से उसने इंद्रासन के बजाय निद्रासन मांग लिया। भगवान के वरदान से वह छह माह में केवल एक दिन जागने लगा। रावण के बढ़ते अत्याचारों से त्रस्त पृथ्वी, देवताओं और ऋषि-मुनियों की पुकार पर भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लेकर रावण के अत्याचारों का अंत करने का आश्वासन दिया। इसके बाद अयोध्या में राजा दशरथ के यहां प्रभु श्रीराम सहित चारों भाइयों के जन्म का मनोहारी प्रसंग मंचित हुआ। राम जन्म होते ही रामलीला मैदान 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर जन्मोत्सव की खुशी मनाई। रामलीला में व्यास पीठ पर बैठे योगेश शर्मा ने अपनी मधुर एवं प्रभावशाली वाणी से प्रसंगों का जीवंत वर्णन करते हुए पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। नाटकीय दृश्यों और कलाकारों के सशक्त अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्ट्रॉंग रूम से लेकर मतदान केन्द्रों तक व्यवस्थाओं की जांच

लालसोट, (निसं)। पंचायत चुनावों को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को पंचायत चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठक आयोजित कर चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों और व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन की ओर से स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं की जांच तहसीलदार द्वारा की जाएगी। जांच के बाद इसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। वहीं मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं को लेकर सभी संबंधित कार्मिकों को मतदान केंद्र आवंटित कर दिए गए हैं। उन्हें अपने-अपने केंद्रों का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान केंद्रों पर सामने आने वाली कमियों की पूर्ति पंचायत समिति लालसोट के विकास अधिकारी के माध्यम से करवाई जाएगी। प्रशासन का फोकस मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के साथ चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारू बनाने पर है। इधर पंचायत चुनाव को लेकर 24 घंटे सातों दिन कंट्रोल रूम भी सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है।

लालसोट में पंचायत चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठक आयोजित कर चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बालाजी के लिए पदयात्रा 11 को

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत चतुर्भुजपुरा के गांव रतनपुरा उर्फ रोहेडा में बालाजी नवयुवक मण्डल के तत्वावधान में 11 अक्टूबर को खेडापति बालाजी माधोराजपुरा के लिए 13वीं विशाल पदयात्रा रवाना होगी। मण्डल अध्यक्ष मुरारीलाल बैरवा, कोषाध्यक्ष रामजीलाल बैरवा व रमेशचन्द बैरवा ने बताया कि पदयात्रा के जुलूस को बाबा रामदेवजी के मन्दिर से श्रद्धालुओं द्वारा मंत्रोचारण के साथ ध्वज पूजा करके रवाना किया जाएगा।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री रामसेवक मंडल पुत्र श्री जलप मंडल, निवासी-प्लाट नम्बर-ए-94, बालाजी एन्क्लेव, सुमेल, जामडोली, लूनियावास, जयपुर, राजस्थान के पुत्र दीपक मंडल व उसकी पत्नी किरण कुमारी उर्फ किरण मंडल मेरे अभिभाष्य के कहने में नही है तथा उनका कहना नही मानते है, मनमानी करते है। इसलिए मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र दीपक मंडल व पुत्रवधु किरण कुमारी उर्फ किरण मंडल को अपनी चल-अचल सम्पत्ति, जमीन जायदाद, हक, रिश्ते-नाते आदि से कतई बेदखल कर दिया है। अब उनसे मेरे अभिभाष्य व अन्य परिवारजन का कोई वास्ता एवं संबंध नही रहा है। उसका मेरे अभिभाष्य की किसी भी चल-अचल सम्पत्ति पर कोई हक नही रहा है। यदि कोई उससे किसी भी प्रकार का लेन-देन या कोई संव्यवहार करेगा तो उसकी जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नही होगी।
अब्दुल हनीफ खान, एडवोकेट, मो. 9929655751

कार्यालय-उपायुक्त, सांगानेर जोन, नगर निगम जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास)
क्रमांक:एफ-53/डी.सी./एसएनजैड/ननिज/2025-26/2159
दिनांक:28/9/26
सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मंजू खत्री पत्नी श्री अशोक कुमार खत्री द्वारा लक्ष्मी कॉलोनी, सांगानेर स्टेडियम के पास, सांगानेर जिला जयपुर का उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।
क्र.सं.-1, **आवेदक का नाम**-मंजू खत्री पत्नी श्री अशोक कुमार खत्री, **भूखण्ड का स्थल**-लक्ष्मी कॉलोनी, सांगानेर स्टेडियम के पास, सांगानेर जयपुर, **वार्ड नं.**-51, **अनुमानित क्षेत्रफल (वर्गगज)**-133.72, **योजना**-उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण
अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उपविभाजन / नाम हस्तान्तरण किये जाने के संबंध मे यदि किसी संस्था/ व्यक्ति / हितधारक को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि मे मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा आवेदक के पक्ष मे नाम हस्तान्तरण जारी करने की कार्यवाही संपादित कर दी जावेगी।
(मनमोहन शर्मा) उपायुक्त, आर.ए.एस
सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
(नई विधानसभा के पास लालकोठी, जयपुर)
क्रमांकः- एफ ()/न.नि.ज./ मा0न0जोन / 2026 / दिनांक :
सार्वजनिक सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री कमल रौछियां पुत्र स्व0 श्री रामकिशोर रौछियां द्वारा भूखण्ड संख्या 16 क्षेत्रफल 191.66 वर्गगज योजना - छायादीप प्रथम, सोसायटी - श्री लक्ष्मी गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का नाम हस्तानान्तरण चाहा गया है। जयपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा भूखण्ड संख्या 16 योजना छायादीप प्रथम, सोसायटी श्री लक्ष्मी गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का पट्टा विलेख जिसका क्षेत्रफल 191.66 वर्गगज का श्रीमति चुन्नी देवी पत्नी श्री त्रिलोक चन्द के नाम से दिनांक 22.05.2002 को जारी किया गया है। श्रीमति चुन्नी देवी पत्नी श्री त्रिलोक चन्द के द्वारा रजिस्टर्ड मुख्त्यानामा दिनांक 09.10.2003 को श्री संतोष अग्रवाल पुत्र श्री हजारी लाल अग्रवाल के पक्ष में सम्पादित किया गया है। श्री संतोष अग्रवाल पुत्र श्री हजारी लाल अग्रवाल के द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 13.12.2004 को श्री रामकिशोर रौछियां पुत्र श्री ग्यारसा राम के पक्ष मे किया गया है। श्री रामकिशोर रौछियां पुत्र श्री ग्यारसा राम के पक्ष मे जयपुर विकास प्राधिकरण के कमांक 4085 दिनांक 10.01.2005 को नाम हस्तान्तरण जारी किया गया है। श्री रामकिशोर रौछियां पुत्र श्री ग्यारसा राम का स्वर्गवास दिनांक 05.07.2020 को हो चुका है। श्री रामकिशोर रौछियां पुत्र श्री ग्यारसा राम के वारिसान श्रीमती फुलवती देवी (पत्नि), श्रीमती उषा मौर्य एवं श्रीमती खुशबु रौछियां (पुत्री) के द्वारा अपने पुत्र/भाई श्री कमल रौछियां पुत्र स्व. श्री रामकिशोर रौछियां के पक्ष मे रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 15.01.2021 के द्वारा भूखण्ड संख्या 16, योजना छायादीप प्रथम मे से अपना-अपना हक त्याग किया गया है। आवेदक श्री कमल रौछियां पुत्र स्व. श्री रामकिशोर रौछियां के द्वारा दिनांक 15.01.2021 को निष्पादित रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र के आधार पर नाम हस्तानान्तरण चाहा गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज / शपथ-पत्र के आधार पर आवेदक के पक्ष मे नाम हस्तानान्तरण जारी किया जाना है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करे, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तानान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर

समक्ष न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सिविल न्यायाधीश पश्चिम, जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
CS-297/26
संदीप अग्रवाल व अन्य बनाम मैसर्स विकल्प वशिष्ट व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद (नोटिस अन्तर्गत आदेश-1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने प्लाट नं. 33, कांजी स्वीट्स के पास, महापुरा उर्फ कुकर खेडा, बंधु नगर, सीकर रोड जयपुर के संदर्भ में वादीगण ने एक प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है जिस कारण सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 8/10/26 को प्रातः 10.30 ए.एम. बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आदेश आज दिनांक 3/10/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।
रीडर
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
मोहर अदालत

खोया पाया
मेरे मंगला दीक्षित पुत्री हरगोविन्द द्विवेदी के मालिकाना हक की निम्नलिखित संपत्तियाँ जिनमें: प्लॉट नं. 57 एवं 58, शिवशक्ति नगर, निर्माण नगर, जयपुर, 214ए, डॉ.राजेन्द्र प्रसाद नगर, बदरवास, जयपुर, एफ-4, ओमश्री टॉवर, लालकोठी, जयपुर, एफ-4, आर्यन एन्क्लेव, जगतपुरा, जयपुर से संबंधित मूल कागजात कहीं गुम हो गए हैं कृपया मिलने पर सूचित करें: 9413237861

मेरे मकान 31/61/5, मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र 21/10/2026 को वरुण पथ पर गिर/ गुम हो गए मिलने पर सूचित करें-सत्यनारायण- 9828048075

मैं रिचा गुप्ता D/o रमेश चंद गुप्ता S-22 अंबाबाड़ी जयपुर से हु की मेरी प्रॉपर्टी प्लॉट न E-188 अंबाबाड़ी जयपुर का ओरिजिनल एलॉटमेंट लेटर और परमिशन लेटर एंड लाइसेंस डीड / कंस्ट्रक्शन परमिशन लेटर कही गुम हो गए है मिलने पर सूचित करे - 9602142150

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनूसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्थान फागी
नवीन कुमार गोयल विरूद्ध बाबूलाल वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या 18 सन् 2026
नाम बाबूलाल पुत्र रामसहाय जाति यादव पता निवासी ग्राम मीनावाला तहसील एवं जिला जयपुर हाल निवासी हनुमान नगर सिरसी लिंक रोड कनकपुरा फाटक के पास, कनकपुरा जयपुर (राज.)
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।
अतः अपाको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 10 माह 10 सन् 2026 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा
यह आज दिनांक 30 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर
आज्ञा से-वरिष्ठ प्रस्तुतकार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश फागी

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला-कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान
मन्जू बनाम ओमप्रकाश वगैरह
दावा बाबत् तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
मु.नं.-
बनाम राजेश पुत्र रामानन्द, सावित्री देवी पुत्री रामानन्द जातियान अहीर निवासीयान मुकन्दपुरा तहसील खेतड़ी हाल आबाद ललाना तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान व गणेश सिंह, शेर सिंह पुत्रान देवी सिंह, सीना कँवर पुत्री देवी सिंह, सुमन कँवर पत्नि देवी सिंह, सुमन पुत्री करण सिंह समस्त जाति राजपूत निवासीयान ललाना तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान वादी नें आपके विरुद्ध वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 13-10-2026 को दिन में 10 बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि/ सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह वाद तारीख 01/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
उपखण्ड अधिकारी
पावटा (कोटपूतली-बहरोड़)

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, स्थान फागी
नवीन कुमार गोयल विरूद्ध बाबूलाल वगै.
दावा बाबत विशिष्ठ संविदा पालना व निरस्त किये जाने विक्रय पत्र
वाद सं. 22 सन् 2026 Nov. 25/2026
बनाम बाबूलाल पुत्र रामसहाय जाति यादव स्थान निवासी ग्राम मीनावाला, तहसील व जिला जयपुर हाल निवासी हनुमान नगर सिरसी लिंक रोड कनकपुरा फाटक कनकपुरा जयपुर
उक्त ने आपके विरुद्ध वादी के लिये वाद पंजीयत किया है आपका इस न्यायालय में तारीख 16 माह 10 सन् 26 को दिन में 10.30 ए.एम. बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि/ सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह प्रार्थना पत्र ता. 30 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
वरिष्ठ प्रस्तुतकार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश फागी

नाम परिवर्तन
मैं सुखिया देवी माताजी आर्मी नंबर 15235388L रैंक HAV (SKT) ललन कुमार यादव, गांव- जिगना टोला, तकलपुरा, मीरगंज, जिला- गोपालगंज, बिहार ने अपने बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में अपना नाम सुकिया देवी से बदलकर सुखिया देवी कर दिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैं, Reeta Chouhan, निवासी जयपुर, राजस्थान, घोषित करती हूँ कि मेरे नाम की सही अंग्रेजी Spelling Rita Chouhan है। Reeta Chouhan एवं Rita Chouhan एक ही व्यक्ति के नाम हैं। मेरी जन्मतिथि 12/08/1969 है, जो केवल पहचान हेतु है तथा इसमें कोई परिवर्तन नहीं है। भविष्य में मेरा नाम Rita Chouhan ही माना जाए।

We (Vikas Gautam & Archana Gautam) have changed our Son's name from ARNAV GAUTAM to AADHYA RAJ GAUTAM for all purposes R/o 19 Siwar area Amer road Jaipur

रैगर आफिसर्स क्लब समिति, जयपुर
जय अम्बे रेसीडेन्सी, फ्लैट नम्बर 30, शिवपथ रमनेशपुरी, झोटवाडा, जयपुर
क्रमांकः SL-01 निविदा सूचना क्रमांकः 01/2026-27 जयपुर, दिनांकः 05.10.2026
रैगर आफिसर्स क्लब समिति, जयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य करवाने हेतु लोक निर्माण विभाग एवं अन्य विभागों में सक्षम ठेकेदार से सीलबंद निविदाएं रैगर छात्रावास RAS क्लब जयपुर के सामने आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	निविद प्रपत्र शुल्क (रु.)	अवधि	अमानत राशि (रु.)
1	ROC बालिका छात्रावास ग्राम सिरोली गोनेर का निर्माण कार्य	500 लाख	(3000+ GST) 3540-00 रू.	9 माह	10.00 लाख

निविदा प्रपत्र दिनांक 11.10.2026 को कार्यालय समय में दोपहर 12.00 बजे तक निविदा शुल्क डी.डी. के रूप में जमा करवाकर प्राप्त किये जा सकते हैं, भरी हुई निविदाएं दिनांक 11.10.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक प्राप्त की जाकर उसी दिन सायं 4.00 बजे उपस्थित ठेकेदार/फर्म के समक्ष ROC कार्यालय पर खोली जायेगी। बिना धरोहर राशि तथा निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त निविदाएं मान्य नहीं होंगी। ROC समिति निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार रखती है एवं अपूर्ण/सशर्त निविदाएं निरस्त की जा सकती हैं। ROC समिति का निर्णय अंतिम होगा। निविदा की नियम शर्तें एवं विस्तृत जानकारी ROC कार्यालय में देखी जा सकती हैं।
मोहनलाल खटनावलिया, अध्यक्ष ROC समिति, 9414252652 | डॉ. सत्यनारायण धौलपुरिया, सचिव, ROC समिति, 9414083474 | लक्ष्मीनारायण जावडोलिया, कोषाध्यक्ष, ROC समिति, 9057002777 | रतन लाल अटल, संयोजक निर्माण समिति, 9829370310

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 2635 दिनांक:29.07.2026
जाहिर आम - सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 261/733 (LIG), का आवासन श्री बाबू लाल पुत्र स्व. श्री सुन्दर लाल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8530 दिनांक 06.12.2005 को जारी किया गया था। श्री बाबू लाल द्वारा श्री प्रेम कुमार छाबडा पुत्र स्व. श्री शिव दयाल छाबड़ा को दिनांक 05.10.2006 को मुख्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री प्रेम कुमार छाबड़ा द्वारा श्री बाबू लाल के पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 02.09.2009 को उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया।
श्री प्रेम कुमार छाबड़ा द्वारा मुख्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्रीमती उर्षा छाबड़ा पत्नी श्री प्रेम कुमार छाबड़ा को दिनांक 09.05.2011 विक्रय पत्र उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर में पंजीकृत करवाया गया।
श्रीमती उर्षा छाबड़ा द्वारा उक्त आवास को 1. श्री ओम प्रकाश विजयवर्गीय पुत्र स्व. श्री सुवा लाल एवं 2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश विजयवर्गीय को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 17.01.2013 को उप पंजीयक (पंचम्) जयपुर में पंजीकृत करवाया गया।
1. श्री ओम प्रकाश विजयवर्गीय एवं 2. श्रीमती कमला देवी द्वारा उक्त आवास को सुश्री प्रियंका मीणा पुत्री श्री दाताराम मीणा को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 13.04.2015 को उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। क्रेती सुश्री प्रियंका मीणा पुत्री श्री दामाराम मीणा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, सुश्री प्रियंका मीणा पुत्री श्री दाताराम मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय- सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

यातायात के सुगम प्रबंधन के लिये ठोस रोडमैप तैयार करें : मुख्य सचिव

भरतपुर, (निसं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने कहा कि एनसीआर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए विभागीय प्रयासों में निरंतरता, बेहतर समन्वय और परिणाम आधारित मॉनिटरिंग के साथ जन जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण केवल विभागीय दायित्व नहीं है, बल्कि सभी संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों एवं आमजन के समन्वित प्रयासों से ही इसके स्थायी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

मुख्य सचिव सोमवार को भरतपुर कलक्ट्रेट सभागार में भरतपुर, अलवर, डीग, खैरथल-तिजारा एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिलों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डस्ट, वाहन एवं औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण गतिविधियों तथा नियमित कचरे से होने वाले प्रदुषण के प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में करना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने एनसीआर के पांच जिलों में वायु प्रदूषण नियंत्रण कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

सड़क धूल नियंत्रण एवं यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर

मुख्य सचिव ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े प्रयासों का प्रभाव धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों की अनुपालना तथा सड़क की धूल, वाहन एवं औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण गतिविधियों, ठोस कचरा प्रबंधन, हरित क्षेत्र विकास एवं वायु गुणवत्ता निगरानी के द्वारा सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने कहा कि प्रमुख शहरी क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन के लिए जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं ट्रैफिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर ठोस रोडमैप तैयार करें। प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक डिजाइन तैयार किया जाए, जिससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी के साथ आमजन को भी राहत मिल सके। उन्होंने मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनों के संचालन की जीपीएस आधारित नियमित मॉनिटरिंग तथा शहरी क्षेत्रों में सड़कों की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

- एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए समयबद्ध एवं परिणाम आधारित कार्रवाई के निर्देश

मुख्य सचिव ने स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने तथा आमजन को पुराने एवं अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के चरणबद्ध प्रतिस्थापन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनसीआर क्षेत्र में 'नो पीयूसीसी-नो फ्यूल' व्यवस्था के लिए चिन्हित पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरा प्रणाली की स्थापना की प्रगति की जानकारी ली तथा वाहन प्रदूषण नियंत्रण उल्लंघनों में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

पूर्व विधायक नवरतन राजोरिया का भाजपा से इस्तीफा

जयपुर। भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं फुलेरा से पूर्व विधायक एडवोकेट नवरतन राजोरिया ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता सहित पार्टी के सभी सांगठनिक दायित्वों से इस्तीफा दे दिया है। राजोरिया ने अपना इस्तीफा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को भेजते हुए हालिया निकाय चुनावों में सामाजिक न्याय और संविधान की भावना की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया है। राजोरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश के 10 प्रमुख नगर निगमों में से 9 निगमों तथा 47 नगर परिषदों की अनारक्षित सीटों पर ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के किसी कार्यकर्ता को महापौर अथवा सभापति पद का प्रत्याशी नहीं बनाया गया।उन्होंने कहा कि भाजपा के परंपरागत और निष्ठावान ओबीसी आधार वाले कुमावत, सैनी, यादव, नाई, जांगिड़, लोहार सहित अन्य मूल ओबीसी समाजों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पर्याप्त अवसर नहीं मिला।

दौसा में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण का कार्य जारी

दौसा, (निसं)। जिले के चयनित गांवों और शहरी क्षेत्रों में इन दिनों राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के तहत परिवारों से सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से कराए जा रहे इस सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग देश और प्रदेश में बेहतर योजनाएं बनाने तथा जनहित से जुड़ी नीतियां तैयार करने में किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने आमजन से सर्वेक्षण दल को सही एवं पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है।

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक विजय शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 81वें दौर के तहत जिले में अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस) तथा कृषि परिवारों का स्थिति आकलन सर्वेक्षण (एसएएस) किया जा रहा है। यह सर्वेक्षण जुलाई 2026 से जून 2027 तक चलेगा। सर्वेक्षण का कार्य आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के अधीन जिला सांख्यिकी कार्यालय के कार्मिकों द्वारा किया जा रहा है। सर्वेक्षण दल चयनित ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में जाकर परिवारों, कृषि परिवारों तथा अन्य संबंधित इकाइयों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करेगा। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय विश्लेषण, योजनाओं के बेहतर निर्माण और नीति-निर्धारण के लिए किया जाएगा। नागरिकों की निजता एवं गोपनीयता का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

- चयनित गांवों और शहरी क्षेत्रों में परिवारों से जुटाई जा रही सामाजिक-आर्थिक जानकारी

विद्यार्थियों को स्वस्थ खान-पान का संदेश

कोटपूतली, (निसं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक अविचलन चतुर्वेदी, जिला कलेक्टर कोटपूतली-बहरोड़ अपर्णा गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोहन सिंह नरूका एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा ईट राइट इनिशिएटिव एवं सही खान-पान स्वस्थ राजस्थान अभियान के तहत जिले में विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं पौष्टिक खान-पान के प्रति जागरूक किया गया।

दल द्वारा कोटपूतली स्थित सरदार सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बसंत प्रभु राष्ट्रीय विद्या मंदिर, पीएमश्री सेठ लक्ष्मीचंद ज्ञानवती देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ाबास में जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन, सुरक्षित एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों की पहचान के संबंध में जानकारी दी।

किसान संघ ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

टोंक, (निसं)। भारतीय किसान संघ के आह्वान पर सोमवार को जिलेभर में किसानों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जिले के विभिन्न उपखंड एवं तहसील मुख्यालयों पर भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता एवं किसान संगठन के बैनर तले किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए।

- ज्ञापन में जंगली सूअरों से फसलों को हो रहे नुकसान की रोकथाम एवं किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की

भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री विनय सिंह ताखर ने बताया कि ज्ञापन में बाजरा एवं मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने, दूध के डेयरी खरीद मूल्य एवं बोनस में वृद्धि करने, रबी फसलों की बुवाई के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने, ईशरदा बांध से प्रभावित किसानों को भूमि अधिग्रहण का न्यायपूर्ण एवं चार गुना मुआवजा देने तथा जंगली सूअरों से फसलों को हो रहे नुकसान की रोकथाम एवं किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। भारतीय किसान संघ ने सरकार से मांग की कि किसानों की उक्त समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए।

तहसील मुख्यालयों पर किसान संगठन के बैनर तले किसानों की समस्याओ को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे।

निर्वाचन प्रक्रिया एवं आचार संहिता के प्रावधानों की जानकारी दी

दौसा, (निसं)। पंचायत आम चुनाव-2026 के मद्देनजर जिले के संबंधित पंचायत निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहने वाली आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में जिला कलक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 3 अक्टूबर को पंचायत आम चुनाव की घोषणा के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचन कार्यक्रम, अभ्यर्थियों के लिए व्यय सीमा तथा आचार संहिता के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी से नियमों की पालना सुनिश्चित करने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि दौसा जिले में पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव द्वितीय एवं तृतीय चरण में होंगे। जिला परिषद के वार्ड संख्या 1 से 37 तक के लिए नामांकन 13 से 16 अक्टूबर तक प्रात: 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 अक्टूबर को होगी तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर रहेगी। इसके बाद चुनाव चिह्न आवंटित कर चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाएगी। द्वितीय चरण में पंचायत समिति बांदीकुई, बसवा, महवा, मनोहरपुर खेडला, बैजूपाड़ा एवं मंडावर के पंचायत समिति सदस्यों के लिए भी नामांकन 13 से 16 अक्टूबर तक प्राप्त किए जाएंगे। संवीक्षा 17 अक्टूबर तथा नाम वापसी 19 अक्टूबर को होगी। इसी प्रकार तृतीय चरण में पंचायत समिति सिकराय, सिकंदरा, दौसा, लवाण, नांगल राजावतान, लालसोट, रामगढ़ पचवारा एवं शिवसिंहपुरा के पंचायत समिति सदस्यों के लिए नामांकन 19 से 23 अक्टूबर तक लिए जाएंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 24 अक्टूबर को तथा नाम वापसी 26 अक्टूबर को होगी। नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे।

- बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचन कार्यक्रम, अभ्यर्थियों के लिए व्यय सीमा की जानकारी दी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन प्रस्तुत करते समय रिटर्निंग अधिकारी अथवा सहायक रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में अभ्यर्थी सहित अधिकतम पांच व्यक्ति ही उपस्थित हो सकेंगे। नामांकन के दौरान किसी प्रकार की रैली की अनुमति नहीं होगी। संबंधित कार्यालय की 100 मीटर की सीमा में जिला परिषद सदस्य के अभ्यर्थी को अधिकतम तीन, पंचायत समिति सदस्य को अधिकतम दो तथा सरपंच पद के अभ्यर्थी को अधिकतम एक वाहन लाने की अनुमति होगी। निर्वाचन परिणाम के बाद विजय जुलूस पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी पोस्टर, पंपलेट एवं अन्य प्रचार सामग्री के मुद्रण एवं प्रकाशन में राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों की पूर्ण पालना करें।

नला गांव में तेजाजी महाराज के मेले का आयोजन

निवाई, (निसं)। गांव नला में सत्यनिष्ठ, परोपकारी लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज विशाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, चैयरमेन नरेंद्र शर्मा, किसान नेता श्रीराम चौधरी, ममता चौधरी, बद्री गुरुजी, विक्रम सिंह सहित अन्य अतिथियों व श्रद्धालुओं को घोड़ला हनुमान जाट व सूरज जाट ने नाग देवता के दर्शन करवाएं। इस दौरान रामेश्वर प्रसाद, रामजीवन, मोहन लाल, अशोक महाराज, संजय बराला, विमल मीणा, दिलीप, मदनलाल व गणेश सहित कई कार्यकर्ताओं ने अतिथियों को माला व साफा पहनाकर स्वागत किया एवं गांव की मुख्य समस्याओं से अवगत करवाया। अशोक शर्मा ने बताया कि लोक देवता वीर तेजाजी महाराज के विशाल मेले में आस-पास के गांवों से हजारों श्रद्धालुओं ने नाग देवता के दर्शन करके मन्नते की। जिसमें लोगों में धैर्य व आस्था की भावना जाग्रत हुई। इस दौरान अलगोजा पार्टी द्वारा भव्य तेजा भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। उन्होंने बताया कि सामाजिक सौहार्द व समरसता के प्रतीक लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज की जयंती पर आयोजित मेले में तेजाजी महाराज की बिंदोरी निकाली गई।

निवाई में अष्टमी पर्व पर उमड़ा आस्था का महाकुंभ

निवाई, (निसं)। काटोली गांव स्थित महाभारतकालीन मां भद्रकाली मंदिर में अष्टमी पर्व पर राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मां भद्रकाली की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की मनोकामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में नशामुक्ति अभियान भी चलाया गया। प्राकृतिक चिकित्सा व देसी जड़ी-बूटियों से तैयार दवाओं के माध्यम से नशे की लत से जूझ रहे लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने शराब, गांजा, अफीम, चरस व एमडी सहित विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन छोडक़र स्वस्थ व बेहतर जीवन जीने का संकल्प लिया।

मां भद्रकाली मंदिर के पीठाधीश्वर डॉ. श्रीराम महाराज ने कहा कि जीवन में किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ उसके परिवार व सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कभी अपने परिवार से अलग नहीं होना चाहिए।

परिवार से बड़ी कोई ताकत नहीं है, इसलिए परिवार को साथ लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढऩे का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपनी क्षमता के अनुसार बच्चों को अधिक से अधिक शिक्षा दिलाएं, ताकि आने वाली पीढिय़ां शिक्षित होकर उच्च पदों पर पहुंच सकें और समाज व देश के विकास में योगदान दे सकें।

- मंदिर परिसर में नशामुक्ति अभियान भी चलाया गया। प्राकृतिक चिकित्सा व देसी जड़ी-बूटियों से तैयार दवाओं के माध्यम से नशे की लत से जूझ रहे लोगों को नशा छोडऩे के लिए प्रेरित किया

इस दौरान महेंद्र मीणा, अनिल बागड़ी, हनुमान गुर्जर, मस्तराम मीणा, मुकेश मीणा, मनीष फौजी, विमल मीणा, गोविंदनारायण मीणा, रतनलाल, संजय डूंगरपुर, केदार जीवली, गिरिराज छाबडी जोधपुरिया, कैलाश सीउडा व आदित्य बागड़ी सहित सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने मां भद्रकाली के दर्शन करके सुख-समृद्धि की मनोकामना की।

विद्यालय परिसर का ताला तोड़कर शव का दाह संस्कार

दूद, (निसं)। नगर पालिका मुख्यालय स्थित शिक्षा विभाग के अधीन संचालित राजकीय स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल परिसर में रविवार को एक शव का दाह संस्कार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बागरिया समाज के कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर के मुख्य गेट का ताला तोड़कर शव को अंदर ले गए तथा विरोध करने पर विद्यालय के गार्ड को धमकाया। घटना को लेकर विद्यालय परिवार एवं स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को विद्यालय में अवकाश था। इसी दौरान माल की ढाणी निवासी बाबू बागरिया की मृत्यु होने पर उनके शव को विद्यालय परिसर के गेट का ताला तोड़कर अंदर ले जाया गया। आरोप है कि गार्ड ने इसका विरोध किया तो उसे धमकाया गया। इसके बाद विद्यालय परिसर में ही शव का दाह संस्कार कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर प्राचार्य द्वारा पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही शव को मुखाग्नि दी जा चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने पर पार्षद अवधेश शर्मा एवं पुरुषोत्तम स्वामी भी मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी लेकर आक्रोश जताया।

- आरोप है कि बागरिया समाज के कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर के मुख्य गेट का ताला तोड़कर शव को अंदर ले गए तथा विरोध करने पर विद्यालय के गार्ड को धमकाया
- प्राचार्य ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

सोमवार को विद्यालय की प्राचार्य सरिता मीणा ने दूदू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में विद्यालय परिसर के गेट का ताला तोड़ने, गार्ड को धमकाने तथा विद्यालय परिसर में शव का दाह संस्कार करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एवं कार्रवाई शुरू कर दी है।

चौमूं में कांग्रेस ने चुनावी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों पर मंथन किया

चौमूं / कालाडेरा, (निसं)। पंचायती राज चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में अणतपुरा चिमनपुरा स्थित टीबा धाम भौमिया जी मन्दिर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला परिषद जयपुर, पंचायत समिति गोविन्दगढ़ एवं पंचायत समिति चौमूं से संबंधित संगठनात्मक विषयों तथा आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आगामी पंचायती राज चुनाव में सर्वे के आधार पर योग्य, सक्रिय एवं जिताऊ उम्मीदवारों को टिकट देने का निर्णय करेगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित अवसर देना और जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाले प्रत्याशियों को मैदान में उतारना है। विधायक ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी एकजुटता के साथ मैदान में उतरें और संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाएं।

अणतपुरा चिमनपुरा स्थित टीबा धाम भौमिया जी मन्दिर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय एवं अनुशासन के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आव्हान किया। बैठक में आगामी पंचायती राज चुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीति, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा चुनावी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में पीसीसी सदस्य, जिला कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य, नगर एवं मण्डल कांग्रेस पदाधिकारी, जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य व प्रत्याशी, पार्षद एवं प्रत्याशी, पूर्व पार्षद, सरपंच, बूथ स्तरीय कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पावटा के दो साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन

पावटा, (निसं)। माउंट आबू में आयोजित राष्ट्रीय कवि संगम के 11वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पावटा के दो साहित्यकारों की गजल पुस्तकों का विमोचन किया गया। तीन दिवसीय अधिवेशन में देशभर के विभिन्न प्रांतों से 300 से अधिक साहित्यकारों ने भाग लिया। अधिवेशन में पावटा के वरिष्ठ शायर एवं साहित्यकार उमेश चन्द्र 'चन्दर' की गजल संग्रह 'बोलती आँखें' तथा नवोदित शायर शिवम शर्मा 'विशेष' की सद्यप्रकाशित गजल पुस्तक 'पुराने गुलाब' का विमोचन किया गया। पुस्तकों का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश जी, राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जालौर सांसद लुंबाराम चौधरी, राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, राष्ट्रकवि बलबीर सिंह 'करुण', वरिष्ठ कवि उमेश चन्द्र 'चन्दर', प्रसिद्ध हास्य कवि एवं कार्याध्यक्ष अशोक बत्रा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष किशोर पारीक 'किशोर' एवं कल्याण बक्स गुर्जर 'कल्याण' ने किया। अधिवेशन में साहित्य और काव्य की विभिन्न विधाओं पर चर्चा के साथ देशभर के साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। पावटा से उमेश चन्द्र 'चन्दर', वैद्य ओमप्रकाश जोशी, नरेश जांगिड़ 'जिज्ञासू', शिवम शर्मा 'विशेष', श्रीराम यादव एवं डॉ. सरोज यादव ने सहभागिता की। पावटा के दोनों साहित्यकारों की पुस्तकों के राष्ट्रीय मंच पर विमोचन से क्षेत्र के साहित्य प्रेमियों में उत्साह है।

6 टन बजरी की रॉयल्टी जारी करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

टोंक, (निसं)। बजरी ट्रैक्टरों के लिए 6 टन बजरी की रॉयल्टी जारी करने की मांग को लेकर ट्रैक्टर यूनियन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सोमवार को बैठक आयोजित कर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। यूनियन के सदस्यों ने बताया कि बजरी परिवहन करने वाले ट्रैक्टर संचालकों को रॉयल्टी व्यवस्था को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ट्रैक्टरों के लिए 6 टन बजरी की रॉयल्टी जारी की जाए, ताकि नियमानुसार बजरी का परिवहन किया जा सके और ट्रैक्टर संचालकों को राहत मिले। इससे पहले बनास नदी के पास स्थित एक निजी होटल में जिलेभर के ट्रैक्टर संचालकों एवं प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में भंवरलाल मीणा, बब्लू टैंकर, प्रहलाद बैरवा, जीतराम धोलाभाटा, राजेंद्र नौखेड़ा, राजेश बनवाड़ा और लोकेश मोलीपुरा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित पार्षदों का सम्मान

निवाई, (निसं)। कृष्णा यादव महासभा के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उपाध्यक्ष सोनू यादव के नेतृत्व में नवनिर्वाचित पार्षदों एवं कार्यकारिणी को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि युवा प्रदेश अध्यक्ष दिनेशकुमार यादव ने कहा कि नवनिर्वाचित सभी पार्षद अपने-अपने वार्डो के चौमुखी विकास पर ध्यान देवें। जनता ने जो अटूट भरोसा व उम्मीदें जताई हैं, दिन-रात मेहनत करके उनके विश्वास पर खरा उतरे। यह पद केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि आमजन की सेवा का माध्यम है और प्रत्येक नागरिक के हित के लिए सदैव तत्पर रहे। विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास, स्वच्छता व व्यवस्था सुधार में नए आयाम स्थापित हो। क्षेत्र की कार्यप्रणाली को पारदर्शी व जवाबदेह बनाएं, जिससे हर आम व्यक्ति की समस्या का त्वरित समाधान हो सके। इस अवसर पर पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव महेश यादव, जिला अध्यक्ष सुरेंद्रकुमार यादव, युवा संगठन महामंत्री राजेशकुमार यादव, संरक्षक कन्हैयालाल यादव व तहसील अध्यक्ष जीवतराम यादव कई पदाधिकारी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय खिलाडिय़ों का सम्मान

निवाई, (निसं)। गांव खंडवा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की 7 छात्राओं का 70 वीं राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ। शारीरिक शिक्षक देवहंसराज गुर्जर ने बताया कि झालावाड़ में आयोजित 19 वर्षीय छात्रा फुटबॉल प्रतियोगिता में खंडवा की छात्रा किरण चैधरी, पायल चैधरी एवं गट्टू जाट ने भाग लिया। वहीं 17 वर्षीय फुटबॉल प्रतियोगिता में कोमल बैरवा व जोधपुर में आयोजित 14 वर्षीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अंकिता चैधरी, अनुष्का चैधरी व शिलोनी जांगिड़ का चयन हुआ था। सभी खिलाडिय़ों के राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न होने के पश्चात् विद्यालय आगमन पर संस्था प्रधान हेमन्तकुमार बैरवा के सानिध्य में शिक्षकों द्वारा छात्राओं का स्वागत व अभिनंदन किया गया एवं सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षक के आशीर्वाद से ही जीवन में सफलता मिलती है - मोहन कुड़ी

मनोहरपुर, (निसं)। दयालु भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि आज 5 अक्टूबर को पूरे विश्व में विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा वर्ष 1994 से हर साल 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य समाज में शिक्षकों के योगदान को सम्मान देना और शिक्षा के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना है। विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 1966 में इसी दिन पेरिस में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की संयुक्त बैठक में शिक्षकों के अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर महत्वपूर्ण सिफारिशें पारित की गई थीं। समाजसेवी और शिक्षाविद् मोहन कुड़ी ने इस अवसर पर कहा - ''माता-पिता बच्चे को जन्म देते हैं, लेकिन शिक्षक उस बच्चे को जीवन जीना सिखाता है। मोहन कुड़ी ने आव्हान किया - ''इस विश्व शिक्षक दिवस पर हम सब संकल्प लें कि हम अपने गुरुओं का हमेशा सम्मान करेंगे। अपने जीवन में कभी भी अपने शिक्षक को नहीं भूलेंगे, क्योंकि शिक्षक के आशीर्वाद से ही जीवन में सफलता मिलती है।''

भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन आज

निवाई, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में मंगलवार को सुबह 11 बजे जैन पैराडाईज में विधायक रामसहाय वर्मा के सानिध्य में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पंचायतराज के चुनाव की तैयारियों को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार दोहण व अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर ने बताया कि कार्यकर्ता सम्मेलन में पंचायतराज के चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में पंचायतराज के चुनाव में भाग लेने वाले इच्छुक कार्यकर्ताओं से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जिसको लेकर सभी इच्छुक दावेदार अपने-अपने समर्थकों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे।

आगामी भारत दौरे तथा भविष्य की सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मेरी नजरें अगले सत्र से शुरू होने वाली पहली एनजेड20 प्रतियोगिता में खेलने के अवसर पर भी पूरी तरह टिकी हुई हैं। **– माइकल ब्रेसवेल**

न्यूजीलैंड खिलाड़ी, अपने कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अभिषेक शर्मा

अभिषेक ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप की जीत के बाद अगले विश्व कप में भी उसी सफलता को दोहराने और जीत की लय बरकरार रखने को लेकर कहा, क्रिकेट में जब मैं आया था, तो 24 साल का था, अब मैं 26 साल का हूं। एक युवा क्रिकेटर के रूप में आप खुद से कहते हैं कि अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है, यह सिर्फ शुरुआत है। मुझे लगता है कि अभी भी आसान है, लेकिन उस चीज को आदत बनाना और बार-बार उसे दोहराना, प्रक्रिया को एक जैसा बनाए रखना, एक खिलाड़ी के रूप में आसान नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत द्वारा जीते गए 21 स्वर्ण पदकों में से अकेले 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों ने अपने नाम किए। कुल 85 में से 38 पदक महिलाओं के खाते में आए।

हांगकांग सिक्सेस में भारत की कप्तानी करेंगे भुवनेश्वर

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आगामी हांगकांग सिक्सेस-2026 में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होगा। भारतीय टीम में भुवनेश्वर के अलावा क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। हांगकांग सिक्सेस छह खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला तेजतर्रार प्रारूप है, जिसमें खिलाड़ियों को अपनी लय बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं मिलता। मुकाबले तेज गति वाले और अधिक स्कोर वाले होते हैं तथा आक्रामक क्रिकेट पर जोर रहता है। बल्लेबाजों को खुलकर शॉट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि प्रत्येक खिलाड़ी से गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सहित सभी विभागों में योगदान की उम्मीद रहती है। भारतीय टीम हांगकांग सिक्सेस में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से वापसी करेगी। भारत ने 2025 के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के तहत दो रन की जीत से की थी, लेकिन इसके बाद के मुकाबलों में हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया था। पाकिस्तान 2026 संस्करण में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। उसने पिछले साल फाइनल में पदार्पण करने वाले कुवैत को हराकर हांगकांग सिक्सेस का रिकॉर्ड छठा खिताब अपने नाम किया था। इस संस्करण में आठ प्रमुख क्रिकेट देशों के अलावा चार एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर तेज गति और आक्रामक क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा।

गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात : लक्ष्मण

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात है और उन्होंने दबाव में भी संयम बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि टीम के खेलने के तरीके से मैं बहुत खुश हूँ; एशियाई खेलों में गोल्ड जीतना बहुत गर्व की बात है। और मुझे लगता है कि सभी ने अपनी पूरी क्षमता के साथ खेला; गोल बचाना भी हम सभी के लिए एक बहुत खास पल था। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास इतने सारे खिलाड़ी हैं जो बहुत प्रतिभाशाली और मेहनती हैं, जिनका काम के प्रति रवैया बहुत अच्छा है, और सबसे ज़रूरी बात यह है कि उनमें एक चैंपियन वाली सोच है।

केबी रॉयल्स की रोमांचक जीत, कार्तिक चमके

जयपुर, 5 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी ने रोमांचक मुकाबले में एसएमआर क्रिकेट अकादमी को एक विकेट से हराया। एसएमआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 33.1 ओवर में 107 रन बनाए। आयुष शर्मा ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। केबी रॉयल्स की ओर से कार्तिक ने चार और हर्ष यादव ने दो विकेट लिए। जवाब में केबी रॉयल्स ने 32.2 ओवर में नौ विकेट खोकर 109 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। जतिन यादव ने 18 और मनीष ने 13 रन बनाए। एसएमआर की ओर से राहुल चौधरी और चित्रांश सैनी ने तीन-तीन विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए कार्तिक को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राज्य स्तरीय शतरंज में जयपुर का दबदबा

जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान की 70वीं जिला एवं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 के तहत खूडाला-फालना में आयोजित अंडर-17 एवं अंडर-19 राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर ने अंडर-17 के बालक और बालिका दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरा खिताब अपने नाम किया। वहीं **अंडर-19 बालिका वर्ग** में भी जयपुर चैंपियन रहा, जबकि बालक वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। जयपुर जिला शतरंज संघ के सचिव जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि **यू-17 बालक वर्ग** में जयपुर के तीन खिलाड़ियों ने शीर्ष चार में जगह बनाई।रुद्रदमन मेर्तिया ने 6.5 अंक के साथ दूसरा, भाव्य गुप्ता ने 6.5 अंक के साथ तीसरा और सिद्धांत चतुर्वेदी ने 6.5 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। बीकानेर के हर्षवर्धन सिंह परिहार 7 अंक के साथ प्रथम रहे। **अंडर-17 बालिका वर्ग** में जयपुर की श्रेष्ठा जैन ने 8 अंक के साथ राज्य चैंपियन का खिताब जीता।जयपुर की लिनिशा लखेरा 7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। बूंदी की लवप्रीत कौर 7 अंक के साथ दूसरे और बीकानेर की नैन्सी बोड़ा 6.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। अंडर-19 बालक वर्ग में अर्णव गुप्ता ने 7 अंक के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। हालांकि टीम वर्ग में जयपुर को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। उदयपुर के हार्दिक गुप्ता और जोधपुर के यथार्थ अग्रवाल ने भी 7-7 अंक बनाए। **अंडर-19 बालिका वर्ग** में जयपुर का दबदबा रहा। अनुष्का जैन ने 7.5 अंक के साथ पहला स्थान हासिल कर खिताब जीता। नंदिनी शर्मा 7 अंक के साथ दूसरे और जयपुर की गेहना अजमेरा 6.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। दौसा की हर्षिता अंदाना 7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

वैभव प्रतिभाशाली और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन अवसर के लिए इंतजार करना होगा : गौतम गंभीर

भारत-वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला आज

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। लगातार दो बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीत चुकी भारतीय टीम घरेलू सत्र की शुरुआत दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से करेगी। सीरीज से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ काम करने के अनुभव और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई बातचीत को लेकर अपनी बात रखी। जियोस्टार के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज: गौतम गंभीर अनफिल्टर्ड' में गंभीर ने श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अय्यर की सबसे बड़ी खूबी उनकी निस्वार्थ भावना है।

गंभीर ने कहा, श्रेयस के साथ मेरा पहला अनुभव तब हुआ जब मैं 2024 में केकेआर में गया था, जहां वह कप्तानी कर रहे थे। श्रेयस के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह कई बार अपनी बल्लेबाजी की स्थिति छोड़ने के लिए तैयार रहते थे। वह इतने लचीले थे कि अगर कोई और खिलाड़ी उनसे ऊपर बल्लेबाजी करने जाता था तो भी उन्हें कोई समस्या नहीं थी। ऐसा बहुत कम होता है कि कोई कप्तान, जो शायद आपकी टीम का मुख्य बल्लेबाज भी हो, टीम के हित में अपनी बल्लेबाजी की स्थिति किसी और के लिए छोड़ दे, चाहे वह किसी और खिलाड़ी को प्रभाव पैदा करने का मौका देने के लिए हो या बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन के दृष्टिकोण से। तभी मुझे एहसास हुआ कि एक अच्छे नेता की सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण खूबी यह है कि आप कितने निस्वार्थ हैं।''

वैभव को अवसर के लिए करना होगा इंतजार

वैभव सूर्यवंशी को लेकर हुई बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि युवा खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ''क्योंकि अगर वैभव आज खेलते हैं तो मेरे और उस खिलाड़ी के बीच एक मुश्किल बातचीत होगी जिसे हम बाहर रखते हैं, चाहे वह अभिषेक हों या संजू। इसलिए हम अचानक उस संयोजन को नजरअंदाज नहीं कर सकते जिसने पिछले डेढ़ या दो वर्षों में इतना प्रभाव पैदा किया है और तीन या चार असफलताओं के बाद उन्हें बाहर कर ऐसे युवा खिलाड़ी को मौका दे दें जो बेहद प्रतिभाशाली है और बहुत अच्छी फॉर्म में भी है। इसलिए कभी-कभी आपको अपने अवसर के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि हम उस ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा की भावना पैदा करना चाहते हैं।

निरंतरता बनाए रखना जरूरी

गंभीर ने टीम में निरंतरता बनाए रखने और लोकप्रिय फैसलों के बजाय सही फैसले लेने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरे लिए लोकप्रिय फैसले लेना बहुत आसान है, लेकिन शायद मेरे लिए सबसे मुश्किल काम सही फैसले लेना है। और हमने संजू और अभिषेक के साथ जारी रखने का सही फैसला लिया है। खेल के इतिहास में कोई भी टीम एक विश्व कप से दूसरे विश्व कप तक अपराजित नहीं रही है और फिर दोबारा विश्व कप नहीं जीता है। अचानक एक खराब सीरीज या यहां-वहां तीन खराब मैच उन्हें खराब खिलाड़ी नहीं बना देते और न ही हमें खराब टीम बना देते हैं। इसलिए हमारे लिए निरंतरता बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण था।

भारत खतरनाक टीम हैं लेकिन हम भी पीछे नहीं हटने वाले : अकील हुसैन

लखनऊ, 5 अक्टूबर। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन ने सोमवार को कहा कि भारतीय टीम बहुत खतरनाक है लेकिन माना कि उनकी टीम पीछे नहीं हटने वाली और वह इस चुनौती का इंतजार कर रही है। भारतीय टीम ने तीन मैच की वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज को 2-1 से शिकस्त दी और अब मंगलवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मेहमान टीम से भिड़ेगी। हुसैन ने मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''वे (भारत) जानते हैं कि हम किस तरह का क्रिकेट खेलते हैं।

हम जानते हैं कि वे एक खतरनाक टीम हैं लेकिन हम भी पीछे नहीं हटने वाले हैं।'' उन्होंने कहा, ''दोनों टीमें इस चुनौती का इंतजार कर रही हैं। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सबसे अच्छी योजना बनाता है और कौन उसे सबसे अच्छी तरह लागू करता है।

हम उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं।'' हुसैन ने कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर होने के नाते मजबूत खिलाड़ियों से भरे भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा मतलब है कि आप गेंदबाजी करने से डरते नहीं हैं, बल्कि आप उस चुनौती का आनंद लेते हैं। हम जानते हैं कि भारत के टी20 के शीर्ष खिलाड़ी शीर्ष तीन में शामिल हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सामान्य तौर पर पावरप्ले में गेंदबाजी करना काफी डरावना होता है, खासकर जब आप स्पिनर हों। पिच पर आपके पास काम करने के लिए कम जगह होती है और फिर आपके दो खिलाड़ी बाहर होते हैं।

ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक का प्रतीक चिन्ह होगा ऑस्ट्रेलियाई तोता कॉकटू

ब्रिस्बेन, 5 अक्टूबर। ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई पक्षी कॉकटू को आधिकारिक प्रतीक चिन्ह के रूप में चुना गया है। कॉकटू ने कंगारू, कोआला और 'बिन चिकन' जैसे विकल्पों को पछाड़कर यह स्थान हासिल किया है। हालांकि, आधिकारिक लॉन्च से पहले प्रतीक चिन्ह के सोशल मीडिया पर गलती से लीक होने के कारण आयोजकों को थोड़ी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा।

आयोजकों ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। ओलंपिक प्रतीक चिन्ह में गुलाबी कॉकटू का क्रेस्ट दिखाया गया है। इसके रंग को ओलंपिक और पैरालंपिक लौ जैसा रूप दिया गया है, जबकि इसका आकार मेजबान राज्य क्वींसलैंड से प्रेरित है। कॉकटू ऑस्ट्रेलिया और आसपास के क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक खास प्रकार का बड़ा तोता है। यह अपनी आकर्षक कलगी, चमकीले रंग और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता है। कॉकटू को ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख पक्षी प्रजातियों में शामिल किया जाता है। ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एड्रियन श्रिनर ने आधिकारिक बयान में कहा कि ये प्रतीक चिन्ह हमारे शहर और हमारी जीवनशैली का उत्सव हैं। उन्होंने कहा, वे उस ब्रिस्बेन को दर्शाते हैं, जिसे लोग जानते हैं और पसंद करते हैं-जीवंत, मजबूत, जुड़ा हुआ, मित्रवत, चंचल और थोड़ा शरारती। वे हमारे शहर में बढ़ रहे उत्साह का भी प्रतीक हैं।

2032 खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के समन्वय आयोग की अध्यक्ष मिकाएला कोजुआंगको जावोर्स्की ने इन प्रतीक चिन्हों को क्षेत्र की प्रकृति और चरित्र की जीवंत अभिव्यक्ति बताया। 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों का मुख्य केंद्र राज्य की राजधानी ब्रिस्बेन होगी, लेकिन क्वींसलैंड के अन्य शहरों, जिनमें गोल्ड कोस्ट और सनशाइन कोस्ट शामिल हैं, में भी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

पीसीबी ने 2025 विवाद के चलते नहीं दी एनओसी

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स में पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट के फाइनल सीजन से हट गई है। गौरतलब है कि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने खिलाड़ियों को एनओसी (ऑब्जेक्शन प्लॉट) न देने के लिए अपने फैसले को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान चैंपियंस के मालिक कामिल खान ने पीसीबी से एनओसी न देने के फैसले पर फिर से विचार करने की पेशकश की थी। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि पीसीबी ने 2025 के विवाद से जुड़ी शर्तें रखीं; यह विवाद तब शुरू हुआ था जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ खेलने से इनकार कर दिया था।

हॉकी इंडिया लीग के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए नई टीम तैयार करना हमारा लक्ष्य : फुल्टन

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स-2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई भी कर लिया। भारतीय पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने साई मीडिया से विशेष बातचीत में कहा कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक अब ज्यादा दूर नहीं है और हॉकी इंडिया लीग के बाद उन्हें नई टीम तैयार करने पर काम करना होगा। इसमें टीम में अधिक युवा खिलाड़ियों को शामिल कर अनुभव और युवा जोश के बीच बेहतर संतुलन बनाने पर जोर रहेगा।

फुल्टन ने कहा, लॉस एंजिल्स 2028 दो साल के भीतर है। ऐसा लगता है कि अभी काफी समय है, लेकिन यह समय बहुत जल्दी आ जाता है। फिलहाल हम सही कार्यक्रम और सही योजना तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यह तय करना है कि दो साल पहले, एक साल पहले और छह महीने पहले हमारी तैयारी कैसी होनी चाहिए और उसी के अनुसार योजना बनानी है। हां, मुझे लगता है कि हर टीम में अनुभव और युवाओं के अपने चरण होते हैं। हमारे पास इस समय अनुभवी खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह है।

यह भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियाई खेलों में कुल पांचवां स्वर्ण पदक है। इससे पहले टीम ने 1966 बैंकॉक, 1998 बैंकॉक, 2014 इंचियोन और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

आयरलैंड फुटबॉल टीम ने फिर पहनी काली पट्टी
इजराइल से हाथ नहीं मिलाया

बाक्का टोपोला, सर्बिया, 5 अक्टूबर। आयरलैंड की पुरुष फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों ने इजराइल के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से पहले एक बार फिर काली पट्टी बांधी और इजराइल के राष्ट्रगान के दौरान सिर झुकाकर गाजा में इजरायल की कार्रवाई के विरोध का संकेत दिया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इजराइल के खिलाड़ियों ने भी काली पट्टी पहनी। उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल में हुए हमलों में मारे गए लोगों की याद में ऐसा किया। इजराइल के कप्तान डोर पेरेट्ज की पट्टी पर 7.10 लिखा था। आयरलैंड के नियमित कप्तान डारा ओशे अपनी पत्नी के साथ बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए टीम से अलग थे।

मुख्य ड्रॉ में देशना, आराध्या और रिद्धि की एंट्री
युगल में मनन-साई सोहन, वर्दित-वर्षिष्ट भी आगे बढ़े, साइराज ने एकल-युगल में

जयपुर, 5 अक्टूबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर-15 एवं अंडर-17 बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। अंडर-17 बालिका वर्ग में राजस्थान की देशना जैन, आराध्या जोधा और रिद्धी बत्रा ने क्वालीफाइंग के पांचवें एवं अंतिम दौर में जीत दर्ज कर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

देशना जैन ने तमिलनाडु की आरना कार्तिक को 15-11, 15-6 से, आराध्या जोधा ने कर्नाटक की चंदना सी को 15-8, 15-12 से तथा रिद्धी बत्रा ने दिल्ली की भाविका जयसवाल को 15-9, 11-15, 15-9 से हराया।

अंडर-17 बालक युगल में आंध्र प्रदेश के साई सोहन कोटा और राजस्थान के मनन शर्मा की जोड़ी ने दिल्ली के रुद्र प्रताप सिंह राजपूत और दीपांशु वर्मा को 15-3, 15-3 से शिकस्त दी। वहीं मेजबान टीम के वर्दित और वर्षिष्ट की जोड़ी ने कर्नाटक के एवनिल और मध्यप्रदेश के कवी शर्मा को 17-15, 16-14 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। महाराष्ट्र के साइराज नायसे ने भी अंडर-17 बालक वर्ग में एकल और युगल दोनों के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

शाम को निकला मुख्य ड्रॉ - चीफ रेफरी हबीब रहमान ने सोमवार शाम प्रतियोगिता का मुख्य ड्रॉ निकाला। इस अवसर पर राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव एवं आयोजन सचिव के.के. शर्मा, बैडमिंटन एशिया रेफरी राजीव मेहता, भारतीय बैडमिंटन संघ के तकनीकी अधिकारी एवं कन्वीनर राजेश कमल, बीएआई रेफरी लोकेश सोनी, राष्ट्रीय रेफरी त्रिलोक शुक्ला, चंद्रकांत शर्मा, विनित शर्मा सहित खिलाड़ी और अभिभावक मौजूद रहे।

राजस्थान के खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड - राजस्थान के अंडर-15 बालक एकल में आनंद मदेरणा और युवराज सिंह शेखावत तथा बालिका एकल में यशविता मेवाड़ा और कियारा गोयल को वाइल्ड कार्ड मिला। बालक युगल में लोकेश गुर्जर-रक्षित सिंह मेहरा, बालिका युगल में यशविता मेवाड़ा-खुशी शर्मा तथा मिश्रित युगल में आनंद मदेरणा-यशविता मेवाड़ा को भी वाइल्ड कार्ड प्रविष्टि दी गई। अंडर-17 में बालक एकल में श्रेयांश चौधरी व कंदर्प शर्मा, बालिका एकल में नेहल सिसोदिया व काव्या जोशी, बालक युगल में रुद्राक्ष मिड्ढा-उत्कर्ष सिंह राठौड़, बालिका युगल में आराध्या जोधा-देषना जैन तथा मिश्रित युगल में रुद्राक्ष मिड्ढा-दनिका करेल को वाइल्ड कार्ड मिला।

वरीयता में भी राजस्थान का दबदबा- अंडर-17 बालक वर्ग में राजस्थान के अंशुमन चौधरी को नौवीं वरीयता मिली। अंडर-15 बालक एकल में सात्विक अग्रवाल को 13वीं, युगल में श्रेयांश चौधरी-वयम लाम्बा को दूसरी तथा मनन शर्मा-साई सोहन कोटा की जोड़ी को पांचवीं वरीयता दी गई। इसी वर्ग के मिश्रित युगल में मनन शर्मा-पंजाब की इनायत गुलाटी को दूसरी और श्रेयांश चौधरी-पदमजा सिंह को चौथी वरीयता मिली। अंडर-17 बालक युगल में हर्मन पंडित-कंदर्प शर्मा को सातवीं, जबकि मिश्रित युगल में मनन शर्मा-सरायू रंजाने को आठवीं वरीयता प्रदान की गई।

आर्चरी प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन की शुरुआत 8 से

जयपुर, 5 अक्टूबर। आर्चरीप्रीमियर लीग के दूसरे सीजन की शुरुआत 8 अक्टूबर से हैदराबाद में होने जा रही। इस दूसरे सीजन में छह टीमें, राजस्थान कीराजपुतानारॉयल्स, तेलंगाना की टीम काकतीय नाइट्स, दिल्ली की पृत्वीराज योद्धाज, झारखण्ड की चेरोआर्चर्स, तमिलनाडु की चोलाचीफ्स, महाराष्ट्र की माइटी मराग्रज आमने-सामने आएगी। 8 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वालेएपीएलसीजन-2 में छह फ्रेंचाइजी टीमों के 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे। इनमें रिकर्व और कंपाउंड वर्ग में पुरुष एवं महिला तीरंदाज समान संख्या में शामिल होंगे। लीग में लागू 15 सेकंड का शॉट क्लॉक खिलाड़ियों के लिए एक अतिरिक्त चुनौती होगी, जिसमें उन्हें सीमित समय में निर्णय लेकर सटीक निशाना साधना होगा। गत चैंपियन राजपूताना रॉयल्स अपने खिताब को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। टीम में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गाज़ोज और ब्रिटेन की स्टार कंपाउंड तीरंदाज एला गिब्सन शामिल हैं। एशियन गेम्सकीस्वर्ण पदक विजेता अंकिता भकत, पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवतले और कुशल दलाल टीम की चुनौती को और मजबूत करेंगे। आर्चरी प्रीमियर लीग के निदेशक अनिल कामिनेनी ने कहा कि भारतीय तीरंदाजों को उच्च स्तर की नियमित प्रतियोगिता का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा।

वुशू में जयपुर की धूम, खिलाड़ियों ने बरसाए पदक

भीलवाड़ा, 5 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ एवं भीलवाड़ा जिला वुशू संघ के तत्वावधान में सुखाड़िया स्टेडियम, भीलवाड़ा में चल रही 20वीं जूनियर राज्य स्तरीय (बालक-बालिका) वुशू प्रतियोगिता के दूसरे दिन जयपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। प्रतियोगिता में तालू और शान्शु वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष कटारिया ने बताया कि पुरुष एवं महिला वर्ग के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले आज खेले जाएंगे। **शान्शु के क्वार्टर फाइनल परिणाम –**

45 किग्रा बालक: शौर्य सिंह (कोटा), हिन्द कुमावत (उदयपुर), दुष्यंत सिंह गुर्जर (जयपुर) और अनिरुद्ध क्रिशन (जोधपुर) ने जीत दर्ज की।

48 किग्रा बालक: मयंक (जालौर), दक्ष सहारन (हनुमानगढ़), खुशदीप (श्रीगंगानगर) और कुलदीप (जोधपुर) विजयी रहे।

52 किग्रा बालक: लक्षित चावरिया (जयपुर), मानव (जोधपुर), प्रियांशु (जालौर) और अंशुमन सिंह (कोटा) ने अपने मुकाबले जीते।

56 किग्रा बालक: अरुण (भीलवाड़ा), अभय मेवारा (बूंदी), मनीष (श्रीगंगानगर) और नितेश कुमार (सीकर) विजेता रहे।

60 किग्रा बालक: रितेश राघव (झुंझुनू), लोकेन्द्र (जोधपुर), अंकित चौधरी (धौलपुर) और मनिन्द्र (श्रीगंगानगर) ने जीत दर्ज की।

45 किग्रा बालिका: खुशी शर्मा (जयपुर), तनु महरा (दौसा), दिव्या सोनी (जालौर) और नव्या शर्मा (कोटा) विजयी रहीं।

48 किग्रा बालिका: सुनाक्षी (जालौर), बलवंत कंवर (जोधपुर), हिमानी (चूरू) और गायत्री पूनिया (सीकर) ने मुकाबले जीते।

52 किग्रा बालिका: मानसी (झुंझुनू), दिव्या गोदारा (जालौर), प्रियांशा चौधरी (जोधपुर) और दिव्या कुमारी (हनुमानगढ़) विजयी रहीं।

अंडर-23 क्रिकेट में शतकों की धूम, देवकृत-विश्वजीत-प्रशांत-जतिन-करण ने जड़े शतक

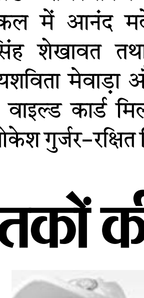

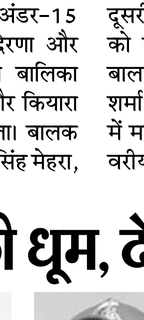

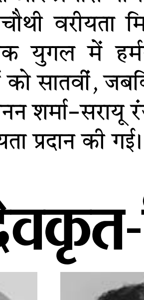

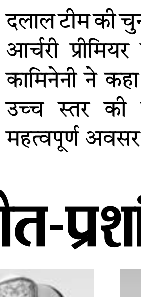

जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लीग मुकाबलों में सोमवार को बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। देवकृत शर्मा, विश्वजीत सिंह, प्रशांत माली, जतिन शर्मा और करण सिंह राणावत ने शतक जमाए। वहीं चिराग सुखवाल, रौनक गौर, कैफ मिर्जा, बृजेश पंत, आदित्य भाम्भू, सागर सिंह भाटी, आयुष वर्धन और विकास कुमार ने पांच-पांच विकेट लेकर अपनी टीमों की जीत में अहम भूमिका निभाई। नागौर, चित्तौड़, जयपुर, सवाईमाधोपुर, अजमेर, बाड़मेर, टोंक, सीकर, भीलवाड़ा, जोधपुर, बीकानेर, भरतपुर, करौली व श्रीगंगानगर जीते।

प्रतापगढ़-नागौर : नागौर जीता। प्रतापगढ़ की टीम 115 रन पर सिमट गई। रोहित मीणा ने 41 रन बनाए। नागौर के रौनक गौर ने 20 रन देकर पांच और ललित शेरावत ने 25 रन देकर पांच विकेट लिए। नागौर ने विकास लोहिया के 51 और नरेंद्र कच्छावा के 30 रन की मदद से लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रतापगढ़ के कालूराम निनामा ने तीन विकेट लिए।

चित्तौड़-झुंझुनूं : चित्तौड़ विजयी। चित्तौड़ ने 178 रन बनाए, जिसमें रोहित जाट ने 104 रन की शतकीय पारी खेली। झुंझुनूं की ओर से मोहित शर्मा ने तीन, इरफान ने तीन और कार्तिक शर्मा ने दो विकेट लिए। जवाब में झुंझुनूं 151 रन पर आउट हो गया। प्रतीक ने 73 रन बनाए। चित्तौड़ के बृजेश पंत ने 35 रन देकर पांच और मानव सिंह रावत ने 13 रन देकर चार विकेट झटके।

जयपुर-डूंगरपुर : जयपुर जीता। डूंगरपुर 123 रन पर आउट हुआ। दक्ष परशुराम भावसार ने 32 रन बनाए। जयपुर के मनय कटारिया ने तीन विकेट लिए। जयपुर ने 125/4 रन बनाकर जीत दर्ज की। आदित्य शर्मा 45 और तोषित भाटिया 31 रन पर नाबाद रहे।

जैसलमेर-सवाईमाधोपुर : सवाईमाधोपुर विजयी। जैसलमेर 102 रन पर आउट हुआ। भारत चारण ने 34 रन बनाए। कैफ मिर्जा ने 16 रन देकर छह विकेट लिए। सवाईमाधोपुर ने 103/4 रन बनाकर मैच जीता। आजाद सिंह ने 52 रन बनाए।

अजमेर-सिरोही : अजमेर जीता। अजमेर ने अमन मीणा के 67 और मानित दक्षिणी के 50 रन की बदौलत मजबूत स्कोर बनाया। सिरोही की टीम 44 रन पर ढेर हो गई। अजमेर के सागर सिंह भाटी ने 19 रन देकर पांच विकेट और रजत गुजराती ने तीन विकेट लिए।

बाड़मेर-बूंदी : बाड़मेर विजयी। बाड़मेर ने 283 रन बनाए। राहुल चौधरी ने 62, विकास कुमार ने 52, मोहित ने 41 और दरबार ने 36 रन बनाए। बूंदी की टीम 97 रन पर आउट हो गई। उदय सिंह ने चार, जितेंद्र कुमार ने तीन विकेट लिए।

कोटा-टोंक : टोंक जीता। कोटा 151 रन पर आउट हुआ। टोंक ने 152/3 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। मो. अनस ने 85 रन की शानदार पारी खेली। टोंक के प्रिंस माड़ीवाल और यश त्रिपाठी ने तीन-तीन विकेट लिए।

सीकर-जालोर : सीकर विजयी। सीकर ने 293 रन बनाए। सचिन ककोड़िया ने 92, अनितराज मंडिया ने 66 और अंकित कुमार ने 44 रन बनाए। जालोर 133 रन पर आउट हो गया। सीकर के भव्य राज ने चार, योगेंद्र कुमार ने तीन विकेट लिए।

भीलवाड़ा-चूरू : भीलवाड़ा जीता। भीलवाड़ा ने 136 रन बनाए। यथार्थ भिरानिया ने 35 और सर्वज्ञ पानेरी ने 25 रन बनाए। चूरू 116 रन पर सिमट गया। चिराग सुखवाल ने 23 रन देकर छह विकेट लिए।

झालावाड़-जोधपुर : जोधपुर विजयी। झालावाड़ ने 230 रन बनाए। आदित्य पाटीदार ने 44 और अशद मिर्जा ने 43 रन बनाए। जोधपुर ने 234/5 रन बनाकर जीत दर्ज की। नरेश बिश्नोई 60 रन पर नाबाद रहे, जबकि समरजीत सिंह खींची ने 56 रन बनाए। आयुष वर्धन ने छह विकेट लिए।

राजसमंद-बीकानेर : बीकानेर जीता। राजसमंद ने 216 रन बनाए। सौरव कुमार यादव ने 81 और अरविंद सिंह ने 60 रन बनाए। बीकानेर ने 219/9 रन बनाकर रोमांचक जीत हासिल की। सचिन लखेसर ने 89 रन बनाए।

भरतपुर-पाली : भरतपुर विजयी। भरतपुर ने 277 रन बनाए। सचिन कैथ ने 90, आर्यन बघेल ने 50 और अव्यांश सिंह ने 48 रन बनाए। पाली 209 रन पर आउट हो गई। जगदम्बिका पाल अठवाल और अव्यांश सिंह ने तीन-तीन विकेट लिए।

दौसा-करौली : करौली जीता। दौसा ने 289/9 रन बनाए। देवकृत शर्मा ने 102 और सचिन शर्मा ने 100 रन की शतकीय पारियां खेलीं। जवाब में करौली ने 290/7 रन बनाकर जीत दर्ज की। जतिन शर्मा 107 रन पर नाबाद रहे।

श्रीगंगानगर-धौलपुर : श्रीगंगानगर विजयी। श्रीगंगानगर ने 275 रन बनाए। सलाउद्दीन ने 84 रन की शानदार पारी खेली। धौलपुर की टीम 176 रन पर आउट हो गई। श्रीगंगानगर के आदित्य भाम्भू ने 15 रन देकर पांच विकेट लिए।

उदयपुर में मुकाबले

उदयपुर-बारां : उदयपुर की बड़ी जीत। उदयपुर ने 493/4 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। करण सिंह राणावत ने 150, विश्वजीत सिंह ने 110 और करण दवे ने 93 रन बनाए। जवाब में बारां की टीम महज 76 रन पर आउट हो गई।

हनुमानगढ़-बांसवाड़ा : हनुमानगढ़ विजयी। हनुमानगढ़ ने 318/4 रन बनाए। प्रशांत माली ने 144 और आदित्य सैनी ने 123 रन की शतकीय पारियां खेलीं। बांसवाड़ा ने 295/6 रन बनाए, लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। ऋतिक गोदारा ने दो विकेट लिए।

धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का भारत पर 20 और वेस्टइंडीज पर 10 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। भारत और वेस्टइंडीज पर शनिवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए टी-20 के तीन मैचों की श्रृंखला के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का 20 प्रतिशत, जबकि वेस्टइंडीज पर 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भारत निर्धारित ओवर गति से चार ओवर और वेस्टइंडीज दो ओवर पीछे रहा। दोनों टीमों के कप्तानों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए प्रस्तावित सजा को मान लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल के प्रकाश भट्ट ने ये प्रतिबंध लगाए। मैदान पर अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद तथा चौथे अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने धीमी ओवर गति के आरोप लगाए थे। वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले से पहले तीन मैचों की श्रृंखला 0-2 से गंवा दी थी।

सौ दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित महापौर, सभापति व अध्यक्षों से शहरों के विकास पर संवाद किया

जयपुर, 5 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ शहरों के विकास और व्यवस्थाओं को लेकर 100 दिवसों के रोडमैप पर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियों, रंग-रोगन एवं

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियाँ व रंग रोगन एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करें।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ संवाद किया।

सौन्दर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में शहरों का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित किया जाए। सफाई, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण, सड़क, जलभराव, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यीकरण, पार्कों के रखरखाव, आवारा पशुओं की समस्या, अतिक्रमण, सीवरेज व्यवस्था सहित, अन्य जनसमस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए स्थानीय स्तर पर इनका त्वरित समाधान करें और 100 दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें।

नगरीय निकायों में प्रतिनिधित्व एक पद नहीं, बल्कि जनसेवा का मिशन है। जनप्रतिनिधियों को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित निकाय प्रमुखों को जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना है। जनता ने विकास के लिए शहरी सरकारें बनाई हैं, इसलिए जनता को परिवर्तन का अहसास होना ही चाहिए। मुख्यमंत्री ने पार्षदों से वार्ड की सीमाओं से ऊपर उठकर पूरे शहर के विकास की सामूहिक सोच के साथ काम करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सड़क, सीवरेज और अन्य सुविधाओं की प्लानिंग वार्डवार नहीं, बल्कि पूरे शहर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर होनी चाहिए।

बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, नगर निगमों के महापौर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। नगर निकायों के उप महापौर, सभापति, उप सभापति, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष वीसी के माध्यम से जुड़े।

आज़ादी के बाद पहली बार असम में बांग्लादेश मालवाहक पोत रवाना हुआ

नई दिल्ली/डिब्रूगढ़ , 05 अक्टूबर। असम के डिब्रूगढ़ स्थित बोगीबील टर्मिनल से आजादी के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के लिए मालवाहक जहाज रवाना किया गया। केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 540 मीट्रिक टन मेथेनॉल लदे पोत को हरी झंडी दिखाकर बांग्लादेश के ढ ाका के लिए रवाना किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा आभासी माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

- **इस पोत से 540 मीट्रिक टन मेथेनॉल ढाका भेजा गया है।**

केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह मेथेनॉल राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड द्वारा नामरूप में उत्पादित किया गया है। मालवाहक पोत बोगीबील से ढ ाका के पांगांव बंदरगाह तक लगभग 1,300 किलोमीटर की यात्रा करेगा। इसमें भारत में ब्रह्मपुत्र नदी के राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर लगभग 768 किलोमीटर का मार्ग और उसके बाद भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग शामिल है।

सोनोवाल ने कहा कि डिब्रूगढ़ कभी पूर्वी भारत के सबसे व्यस्त नदी बंदरगाहों में गिना जाता था। 70 वर्षों तक यहां स्टीमर की सीटी खामोश रही, लेकिन आज डिब्रूगढ़ से एक बार फिर दुनिया की ओर जहाज रवाना हो रहा है। उन्होंने इसे असम और पूर्वोत्तर भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

काल डीज़रॉथ, पीटर हेगमान और गेऑर्ग नेगल को संयुक्त रूप से चिकित्सा का नोबेल

इन्हें यह सम्मान ऑप्टोजैनेटिक्स और लाइट गेटेड आयन चैनल्स में की गई खोजों के लिए दिया गया है

स्टॉकहोम, 05 अक्टूबर। कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगमैन और जॉर्ज नागेल को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए वर्ष 2026 का चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की सोमवार को घोषणा की गई। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम स्थित कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली ने इसका ऐलान किया। पुरस्कार तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से प्रदान किया जाएगा।

नोबेल असेंबली के अनुसार, इन वैज्ञानिकों की खोजों ने न्यूरोसाइंस के एक नए युग की नींव रखी है। इस वर्ष नोबेल पुरस्कार की राशि 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोना (लगभग 11.51 करोड़ रुपये) है। यह राशि तीनों विजेताओं के बीच समान रूप से बांटी जाएगी। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र और पदक भी प्रदान किया जाएगा।

तीनों वैज्ञानिकों को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए संयुक्त रूप से यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल ने चैनलरोडोप्सिन प्रोटीन की खोज की। इसके बाद कार्ल डाइसेरोथ ने इस प्रोटीन को तंत्रिका कोशिकाओं के लिए

- **नोबेल असेम्बली ने कहा कि इन खोजों ने न्यूरो साईन्स में नए युग की नींव रखी है।**

प्रकाश-नियंत्रित स्विच में बदल दिया।

कार्ल डाइसेरोथ स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में बायोइंजीनियरिंग तथा मनोचिकित्सा एवं व्यवहार विज्ञान के डीएच चेन प्रोफेसर हैं। वे हॉवर्ड ह्यूजेस मेडिकल इंस्टीट्यूट में अन्वेषक भी हैं।

डाइसेरोथ ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी और एमडी की डिग्री प्राप्त की।

उन्होंने स्टैनफोर्ड में ही पोस्टडॉक्टोरल प्रशिक्षण, मेडिकल इंटर्नशिप और वयस्क मनोचिकित्सा में रेजिडेंसी पूरी की। वे अमेरिकन बोर्ड ऑफ साइकियाट्री एंड न्यूरोलॉजी से बोर्ड-प्रमाणित हैं।

पीटर हेगेमैन जर्मनी के बर्लिन स्थित हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन के जीवन विज्ञान संकाय के जीव विज्ञान विभाग में न्यूरोसाइंसेज के हर्टी सीनियर रिसर्च चेयर और प्रायोगिक जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोकैमिस्ट्री से पीएचडी की और सिराक्यूज़ यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल शोध पूरा किया।

जॉर्ज नागेल जर्मनी के यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्जबर्ग के वनस्पति विज्ञान विभाग में आणविक पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1988 में फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय से पीएचडी की। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोफिजिक्स में भी काम किया। इसके अलावा, वे येल यूनिवर्सिटी और रॉकफेलर यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल फेलो रहे।

संशोधित फॉर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने पेश किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे यह भी देखना चाहते हैं कि फॉर्म -6 में बदलाव किसने किया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "बदले हुए फॉर्म- 6 को हमने मंजूरी नहीं दी है। यह बात साफ है।"

ईसीआई ने कहा है कि फॉर्म -6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग का कहना है कि उसने केवल एक अतिरिक्त घोषणा (डिक्लरेशन) जोड़ी है, जिसका इस्तेमाल नए वोटर, "वोटर लिस्ट को ठीक करने की प्रक्रिया," यानी "स्पैशल इंटैंसिव रिविज़न" के लिए करेंगे।

प्र.मंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति को भारत में बनी तीन प्रकार की "चीज़" भेंट की

स्विट्ज़रलैंड चीज़ की विशेष किस्मों के लिए विख्यात है ऐसे में भारतीय चीज़ तोहफे में देना भारत की विकसित होती चीज़ निर्माण परंपरा को दर्शाता है

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन को भारत में तैयार की गई चीज़ की तीन विशेष किस्में 'गुलमर्ग', 'कोणार्क' और 'यूर' भेंट की। इसके अलावा, उन्होंने स्विस राष्ट्रपति को कश्मीर की पारंपरिक कला को दर्शाने वाला अखरोट की लकड़ी से बना हस्तनिर्मित दीवार पैनल भी उपहार में दिया।

'गुलमर्ग' फ्रांसीसी शैली का नरम और क्रीमी चीज़ है, जिसे पाश्चुरीकृत गाय के दूध से तैयार किया जाता है। इसे 2026 के 'मुंडियल डू फ्रॉमाज डू ब्राजील' में 'सुपर गोल्ड' सम्मान मिला है। 'कोणार्क' फ्रांसीसी टोम शैली का चीज़ है, जिसे 2023 में नॉर्वे में आयोजित 'वर्ल्ड चीज़ अवार्ड्स' में स्वर्ण और 2025 में स्विट्ज़रलैंड में रजत सम्मान मिला था।

'यूर' पर्वतीय शैली का चीज़ है, जिसे स्विस ग्रुईयर से प्रेरणा लेकर तैयार

- **ये तीन प्रकार की चीज़ है गुलमर्ग, कोणार्क और यूर।**
- **इसके अलावा प्र.मंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति को कश्मीरी अखरोट की लकड़ी से बना पैनल भी तोहफे में दिया।**

किया गया है। इसे करीब आठ से नौ महीने तक परिपक्व किया जाता है, जिससे इसमें मेवों, मिठास और जड़ी-बूटियों जैसे स्वाद विकसित होते हैं। इसकी अच्छी तरह पिघलने की विशेषता के कारण इसका इस्तेमाल फोंड्यू और ग्रिल किए जाने वाले व्यंजनों में भी किया जा सकता है।

स्विट्ज़रलैंड दुनिया भर में चीज की अपनी विविध किस्मों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में भारतीय चीज की इन तीन विशेष किस्मों को भेंट करना भारत की समृद्ध और विकसित होती चीज़ निर्माण परंपरा की झलक पेश करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति की पत्नी को गुजरात की पारंपरिक कला एवं शिल्प को दर्शाने वाला कच्छी शॉल और सादेली बॉक्स भी भेंट किया। सूरत का सादेली बॉक्स बारीक ज्यामितीय डिजाइनों के लिए जाना जाता है, जबकि कच्छी शॉल अपनी पारंपरिक बुनाई और विशिष्ट ज्यामितीय रूपांकनों के लिए प्रसिद्ध है। स्विस राष्ट्रपति को भेंट किए गए कश्मीरी अखरोट की लकड़ी के दीवार पैनल पर कश्मीर के पारंपरिक परिदृश्य, वनस्पतियों, मानव आकृतियों, घोड़ों, गाड़ियों और ग्रामीण जीवन के दृश्यों को हाथ से उकेरा गया है। यह कश्मीर की सदियों पुरानी लकड़ी पर नक्काशी की परंपरा और स्थानीय कारीगरों के कौशल को दर्शाता है।

राज्यसभा चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्वी उत्तर प्रदेश के दलित नेता विद्यासागर सोनकर पूर्व लोकसभा सांसद और एमएलसी रह चुके हैं। उन्होंने भाजपा के महासचिव के रूप में भी काम किया है।

भाजपा ने ऐसे नेताओं को भी उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें पार्टी संगठन में काम करने का अनुभव है। इनमें प्रकाश पाल और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं। ओबीसी पाल समुदाय से आने वाले प्रकाश पाल पहले पार्टी के कानपुर-बुंदेलखंड संगठन क्षेत्र के प्रमुख रह चुके हैं। चौहान को जून 2026 में हुए फेरबदल में राज्य महासचिव बनाया गया था और अगस्त में उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संगठन क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। इन उम्मीदवारों के चयन में जातीय प्रतिनिधित्व और पार्टी संगठन में अनुभव, दोनों को ध्यान में रखा गया है। ये निर्णय 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी को मद्देनज़र रखते हुए लिए गए हैं।

पंजाब के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पंजाब के लोगों को पंजाब सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाएं मिलती रहें। चाहे वह मुफ्त बिजली हो, नहर का पानी हो, कैशलैस इलाज हो या महिलाओं के खातों में आर्थिक सहायता भेजना हो। केन्द्र ने पंजाब के फंड रोक रखे हैं। इसके बावजूद, पंजाब सरकार अपने पैसों से लोगों को कई तरह की सुविधाएं दे रही है। केन्द्र सरकार को लगता है कि जब तक ये सुविधाएं लोगों तक पहुंचती रहेंगी, तब तक उसे पंजाब में राजनीतिक फायदा नहीं मिल पाएगा। इसी वजह से पंजाब सरकार की टीम को निशाना बनाया जा रहा है।

ज्ञानेश के निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र व चुनाव आयोग को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का एकतरफा अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कई फैसले एकतरफा लिए जाने के आरोपों पर पहले चुनाव आयोग और अन्य संबंधित पक्षों का जवाब मांगा जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार, निर्वाचन आयोग और ज्ञानेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा

- **हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निलंबन पर अंतरिम आदेश देने से इन्कार कर दिया**

कि नागरिकों के वोटिंग अधिकार खतरे में हैं और मुख्य निर्वाचन आयुक्त पक्षपात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह वोटर्स का 30 प्रतिशत है। बंगाल में यह वोटर्स का 25 प्रतिशत था। अपीलेट ट्रिब्यूनल के पास 16 लाख अपीलें लंबित हैं। उन लोगों को पहले ही एक चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखा जा चुका है। अब एक और चुनाव आ गया है।

मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि यह किसी खास राज्य तक सीमित नहीं है। राज्य का इस्तेमाल सिर्फ एक उदाहरण के तौर पर किया जा रहा है। हम हाल के चुनावों पर ध्यान दिला रहे हैं। यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के राष्ट्रीय कामकाज और चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला है।

उस गैर-कानूनी काम को एक असंवैधानिक कानून के जरिए बचाया जा रहा है। इस तरह के पक्षपाती व्यवहार के लिए क्या सजा है? मैं खुद से यह सवाल पूछती हूं। हम इस देश में आजाद और निष्पक्ष चुनावों के माहौल में बड़े हुए हैं। आज वे नहीं रहे। मैं इन मांगों पर कायम हूं, हर एक मांग पर। यह एक राष्ट्रीय समस्या है।

ज्ञानेश कुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो महीनों के दौरान 10 अक्टूबर से 26 नवंबर तक एआईसीसी और प्रदेश कांग्रेस कमेटियां 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और विरोध मार्च आयोजित करेंगी।

10-20 अक्टूबर को ब्लॉक स्तर पर मार्च होगा, जिसका समापन एसडीएम कार्यालयों पर होगा।

25 अक्टूबर-25 नवंबर को हर गांव में ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी। इनमें हमारे कार्यकर्ता मोदी-शाह के 'वोट चोरी' के तौर-तरीकों के बारे में लोगों को बताएंगे और गांव के नेताओं तथा प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। बीएलए, यानी हमारे 'वोट रक्षक,' का काम होगा गलत तरीके से हटाए गए प्रत्येक मतदाता की पहचान करना और उनका नाम दोबारा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना।

1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की बड़ी रैली होगी।

25 से 26 नवंबर तक कांग्रेस को 'दिल्ली चलो' वाहन रैली आयोजित करेगी, जिसका समापन 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में होगा।

कांग्रेस ने कहा, हमारी लड़ाई अंतिम परिणाम तक जारी रहेगी। जब तक ज्ञानेश को हटाया या गिरफ्तार नहीं किया जाता और उनके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाता, हम सड़कों पर लड़ते रहेंगे।

इमरजेंसी के बाद ब्रिटिश एयरवेज की शिकागो फ्लाइट वापस लंदन लौटी

लंदन, 05 अक्टूबर। लंदन से शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट में सोमवार को अचानक इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। उड़ान के दौरान कुछ ही समय में विमान की ऊंचाई करीब 28,000 फीट कम हो गई। दरअसल, विमान आयरलैंड के ऊपर उड़ रहा था और करीब 37,000 फीट की ऊंचाई पर था। अचानक विमान की ऊंचाई घटाकर करीब 9,000 फीट कर दी गई। इसके बाद फ्लाइट को वापस लंदन की ओर मोड़ दिया गया।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए295 लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से शिकागो के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के मुताबिक, विमान ने 7700 इमरजेंसी कोड इस्तेमाल किया। इसके बाद विमान को शिकागो जाने के बजाय वापस लंदन लाया गया।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक), वाम दलों, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) समेत, कई दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकांश सीटें 2026 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों से निर्वाचित प्रतिनिधियों के एक सीट छोड़ने अथवा विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण रिक्त हुई हैं।

फ्लाई दुबई विमान को हाइजैक करने की कोशिश "लोन वुल्फ अटैक" थी

इज़रायल ने दावा किया कि ओमानी को-पायलट अल हमामी ने अकेले ही इस साजिश को अंजाम दिया

तेल अवीव, 05 अक्टूबर। इज़रायल की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि फ्लाईदुबई के विमान को हाईजैक करने की कथित कोशिश शायद एक लोन-वुल्फ हमला था। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को विमान के यात्रियों और फ्लाइट कैप्टन ने बताया कि बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट जब इज़रायल के पास पहुंच रही थी, तब को-पायलट ने कथित तौर पर फ्लाइट कैप्टन को चाकू मारा और विमान को क्रैश करने की कोशिश की।

को-पायलट अभी संयुक्त अरब अमीरात (यूईए) में है। वहां उससे इज़रायल के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। इससे पहले सऊदी अधिकारियों ने भी उससे पूछताछ की। इज़रायल ने जांच में शामिल होने के लिए अपने प्रतिनिधि यूएई भेजे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि "जो मैंने सुना है, उसके आधार पर" हो सकता है कि

- **को-पायलट अभी यूएई में ही है और इज़रायल के अधिकारी वहीं उससे पूछताछ कर रहे हैं।**
- **इज़रायल ने दावा किया हमलावर को-पायलट आत्मघाती था, पकड़े जाने पर वह चिल्ला रहा था मुझे मार डालो।**

को-पायलट का संबंध ईरान से हो।

इससे पहले नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि को-पायलट के मकसद का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि इज़रायल को पता था कि को-पायलट इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था।

उन्होंने कहा कि हमलावर "आत्मघाती" था और जब क्रू के अन्य सदस्यों और यात्रियों ने उसे काबू किया, तो वह चिल्लाया: "मुझे मार डालो, मुझे मार डालो!" फ्लाइट के को-पायलट की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, हालांकि जांच से जुड़े कई सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उसका नाम हमम अल-हमामी है।

सूत्रों के अनुसार, अल-हमामी ने कुछ समय के लिए ओमान एयर के लिए काम किया। यहां उसने नए पायलट की ट्रेनिंग शुरू की थी। सूत्रों ने बताया कि ओमान सरकार की निगरानी में पता चला कि वह कट्टरपंथी वेबसाइटें देखता था। इसके बाद ओमान एयर ने उसे ऑफिस से अटैच कर दिया। इसके बाद अल-हमामी ने इस्तीफा दे दिया। उसने 2024 के आसपास एयरलाइन छोड़ दी।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले अल-हमामी ने दुबई में एलअल इज़रायली एयरलाइंस के विमानों का एक वीडियो पोस्ट किया था। इसके आखिर में अल-कायदा के प्रमुख नेता अयमान अल-जवाहिरी की तस्वीर थी। जवाहिरी 2022 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया था। बताते हैं कि अल-हमामी को फ्लाईदुबई ने ओमान सरकार से उसकी जांच-पड़ताल किए बिना ही उसे नौकरी पर रख लिया।

सूत्रों ने बताया कि अल-हमामी ओमान का नागरिक है, लेकिन उसका जन्म ओमान में नहीं हुआ। उसने अपनी जिंदगी का ज्यादा समय ओमान के बाहर बिताया।

उसकी मां सीरियाई और पिता ओमान के नागरिक हैं। ओमान सरकार ने सार्वजनिक रूप से उसकी नागरिकता की पुष्टि नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि उसके पास दोहरी नागरिकता हो।

'ममता बनर्जी का मेडिकल रिकॉर्ड किसकी अनुमति से सार्वजनिक किया?'

कोलकाता, 05 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 2021 की पैर की चोट को लेकर पांच साल बाद फिर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया है कि ममता की चोट को लेकर सामने आई 11 मार्च 2021 की मेडिकल रिपोर्ट में पैर में फ्रैक्चर का कोई सबूत नहीं था। इसके बाद ममता बनर्जी के वकील अर्क नाग ने मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर बिना अनुमति सार्वजनिक किए जाने को लेकर एसएसकेएम अस्पताल और बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज को कानूनी नोटिस भेजा है। इस पूरे मामले में अब मेडिकल रिपोर्ट की सामग्री के साथ ही, उसे सार्वजनिक किए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ममता के वकील ने पूछा है कि उनकी मुवक्किल के मेडिकल रिकॉर्ड मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी तक कैसे पहुंचे और बाद में सार्वजनिक कैसे किए गए। नोटिस में पूछा गया है कि क्या इन मेडिकल रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के लिए किसी अदालत का आदेश मौजूद था।

आकाश आनंद तीसरी बार बसपा में लौट कर राष्ट्रीय संयोजक बने

मायावती ने कहा कि आकाश आनंद के व्यक्तित्व व कार्यशैली में काफी बदलाव दिख रहा है

लखनऊ, 05 अक्टूबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में वापस लिया है तथा पार्टी में राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। आकाश आनंद की यह तीसरी बार वापसी है।

पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि "बहुजन समाज" ही मेरा विराट परिवार है और उनका हित व कल्याण मेरे लिये सर्वोपरि है और हमेशा ही रहेगा। इसी को मद्देनज़र रखते हुये, ख़ासकर पार्टी में अनुशासन बनाये रखने के लिये ही, अनेक सख्त फैसले लिए गये हैं। उन्होंने आगे कहा कि अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने के लिए मजबूर भी होना पड़ा है, जिसके बाद से आकाश आनन्द के

- **बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी के अधिकांश लोगों के अनुरोध को स्वीकार करके उन्होंने यह फैसला लिया है। आकाश आनंद के छोटे भाई ईशान आनंद ने भी इस कदम के लिये सहमति जताई है।**

व्यक्तित्व व कार्यशैली आदि में काफी कुछ बदलाव भी देखने को मिले हैं।

मायावती ने कहा कि इस संबंध पार्टी के अधिकांश लोगों का यही कहना है कि आकाश आनन्द के अनुरोध को स्वीकार करते हुये उनकी पूर्व में दी गई ज़िम्मेवारियों के साथ इनको पार्टी में पुनः कार्य करने का मौक़ा दिया जाये, जिसके लिए इनके पिता के साथ-साथ इनके छोटे भाई ईशान आनन्द ने भी अपनी सहमति जताई है। ईशान आनन्द ने कहा है कि वे बिना किसी पद के ही पार्टी में जो भी उनको कार्य सौंपे जायेंगे, उन्हें वे अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से ज़रूर निभायेंगे।

मायावती ने कहा कि काफी सोच-विचार करने के बाद पार्टी व मूवमेन्ट के हित में, वे आकाश आनन्द को पुनः बसपा का राष्ट्रीय संयोजक बनाकर इनको फिर से पार्टी में कार्य करने का मौक़ा दे रही हैं। उम्मीद है कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद से अब पार्टी में सब कुछ ठीक व सुचारू ढ ंग से चलेगा और पार्टी संगठन में भी बार-बार परिवर्तन नहीं करना पड़ेगा, हालाँकि यह काफी कुछ आकाश आनन्द के ऊपर भी निर्भर करेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908